खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 01 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-328

सवाल 100 करोड़ का!

महेश बैंक चुनाव 2025

महेश बैंक चुनाव 2025 को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। ताजा आरोप यह है कि फाउंडर पैनल की एक जनसभा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती भगवती देवी बल्दवा ने अंशधारकों को खुलेआम खरीदने की कोशिश की, हालांकि सोशल मीडिया पर जैसे ही उनके इस घृणित कार्य की जमकर आलोचना हुई, उन्होंने तुरंत अपना बयान हटवा दिया।

दरअसल, बल्दवा जी के कहने का तात्पर्य शायद यह था कि यदि अंशधारक फाउंडर पैनल के चेयरमैन प्रत्याशी कैलाश नारायण जी भाँगडिया और उनकी टीम को जिताएँगे तो सबसे पहले उनकी ओर से बैंक में 100 करोड़ जमा करवाये जाएंगे। उनके इस बयान को हो सकता है गलत समझा गया हो, जबकि उनकी मंशा कहीं से भी प्रथम दृष्ट्या बुरी नहीं लगती। किन्तु लोग पूछ रहे हैं कि श्रीमती बल्दवा ने यही तत्परता उस समय क्यों नहीं दिखाई, जब ग्राहक अपना खाता बंद करवा रहे थे और तेजी से फिक्स्ड डिपाजिट घट रहा था। बैंक के उठ जाने तक की अफवाहें बाजार में उड़ रही थी। आप स्वयं एक जिम्मेदार डायरेक्टर थीं और रिजर्व बैंक की निगरानी में बैंक सुरक्षित हाथों में भी था। क्या आप ऐसी ही स्थिति चाहती थीं कि बैंक पूरी तरह बदनाम हो जाए और फिर आप अपने किसी प्यादे (मोहरे) को बैठाकर सालों तक राज करें?

सवाल यह भी उठ रहा है कि बैंक की लगातार गिर रही साख को बचाने के लिए आपने क्या किया? बैंक के असली संस्थापकों के सामने भी कई बार इससे भी विकट स्थितियां आई थी, लेकिन उन्होंने कभी बैंक की साख पर बट्टा नहीं लगने दिया। आप जैसी संसाधन संपन्न शख्सियत के लिए यह बाएँ हाथ का खेल था। आपकी एक आवाज पर पूरा समाज, सभी अंशदाता खड़े हो सकते थे। एक ओर तो आप खुद यह कहती हैं कि समाज ने आपको चेयरमैन 2020 में ही बना दिया था, इसलिए आप इस बार चुनाव नहीं लड़ रही हैं। यहाँ तक कि आप यह भी स्पष्ट कर चुकी हैं कि भविष्य में आपके पैनल का कोई भी व्यक्ति एक टर्म से ज्यादा चेयरमैन नहीं होगा। वहीं दूसरी ओर आपने बीच भँवर में इस्तीफे की पेशकश कर बैंक को राम भरोसे छोड़ने तक से गुरेज नहीं किया। यदि उस समय आपका इस्तीफा मंजूर हो जाता तो संभवतः बैंक की बची-खुची साख भी मिट्टी में मिल जाती। भला हो उन लोगों का जिन्होंने सूज-बूझ दिखाते हुए बैंक को पूरी तरह डूबने से बचा लिया। चेयरमैन रमेश कुमार बंग को नीचा दिखाने के लिए आपने रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त अधिकारी को इस्तीफा भेजा था, लेकिन उन्होंने उसे निदेशक मंडल को फारवर्ड कर दिया। श्रीमती बल्दवा और उनके पैनल को यह बताना होगा कि समाज द्वारा चुने गए निदेशक बड़े हैं या रिजर्व बैंक का अधिकारी?

क्या आप इस बार भी बहुमत न मिलने पर वही असहयोग आंदोलन चलाएंगे, जैसा पिछली बार किया था?

डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस : भगोड़ों की अब खैर नहीं, पीएम मोदी बोले-

एआई और डेटा ड्रिवन सिस्टम से चलेगी पुलिसिंग

रायपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में आयोजित तीन दिवसीय डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में कहा कि एआई और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से पुलिसिंग चलेगी।

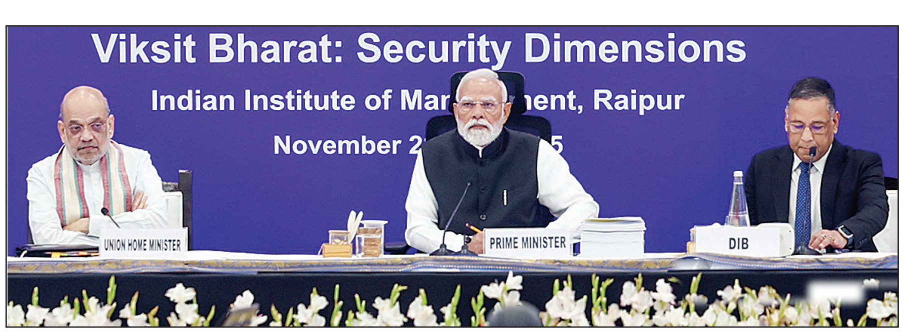

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आयोजित तीन दिवसीय पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी), महानिरीक्षकों (आईजीपी) के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन के अंतिम दिन रविवार को इस सम्मेलन का विषय ङ्गविकसित भारत: सुरक्षा आयामफ था। सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने खासकर युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने की तत्काल जरूरत पर बल दिया, जिसके लिए दक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मज़बूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने और औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लागू किए गए नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को निर्जन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियां अपनाने, राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नेटग्रिड) के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए इन प्रणालियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को पुलिस जांच में फोरेंसिक के उपयोग पर केस स्टडी करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया, और कहा कि फोरेंसिक के बेहतर अनुप्रयोग से आपराधिक न्याय प्रणाली और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने प्रतिबंधित संगठनों की नियमित निगरानी के लिए तंत्र स्थापित करने, वामपंथी उग्रवाद से मुक्त क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने और तटीय सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए नवोन्मेषी मॉडल अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें प्रवर्तन, पुनर्वास और सामुदायिक स्तर पर हस्तक्षेप एक साथ किया जाए।

सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। विज़न 2047 की दिशा में पुलिस व्यवस्था के दीर्घकालिक रोडमैप, आतंकवाद-निरोध और कट्टरपंथ-निरोध में उभरते रुझान, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने में तकनीक का लाभ उठाने, विदेशों में रह रहे भगोड़ों को वापस लाने की रणनीतियों और प्रभावी जांच एवं अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक क्षमताओं को मज़बूत करने पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री ने मज़बूत तैयारियों और समन्वय की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और पुलिस प्रमुखों से चक्रवात, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपात स्थितियों, जिनमें चक्रवात दितवाह की मौजूदा स्थिति भी शामिल है, उसके लिए प्रभावी आपदा प्रबंधन तंत्र को मज़बूत करने का आग्रह किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ऐसी घटनाओं के दौरान जीवन की रक्षा और न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय योजना, तत्क्षण समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और समग्र सरकारी दृष्टिकोण आवश्यक हैं।

प्रधानमंत्री ने पुलिस नेतृत्व से आह्वान किया कि वे विकासशील राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पुलिस व्यवस्था को फिर से व्यवस्थित करें, ताकि विकसित भारत बनने की राह पर साफ हो सके। प्रधानमंत्री ने खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति ▶10पर

तेलंगाना सरकार पेश करेगी राइजिंग 2047 विज़न

सीएम रेवंत ने आर्थिक रोडमैप की रूपरेखा बताई

हैदराबाद, 30 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि सरकार ने पिछली कमियों और सफलताओं का अध्ययन करके अपनी भविष्य की विकास रणनीति तैयार की है, और जल्द ही तेलंगाना राइजिंग 2047 शीर्षक से एक व्यापक विज़न डॉक्यूमेंट पेश करेगी।

उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज़ आर्थिक विस्तार, शहरी परिवर्तन और कृषि को मजबूत करने के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप के रूप में काम करेगा।

सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अपनी सीख को देश के लिए एक पॉलिसी मॉडल के रूप में साझा करने की योजना बना रहा है, जिससे एक ऐसा ढाँचा तैयार हो सके जिस पर भविष्य की पीढ़ियाँ निर्माण कर सकें।

उन्होंने कहा कि नीति आयोग और आईएसबी जैसे संस्थानों के साथ-साथ लाखों नागरिक भी इस दस्तावेज़ को आकार देने में शामिल हैं, जो रोजगार सृजन, औद्योगिक निवेश और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है।

रेवंत रेड्डी ने समझाया कि राज्य के विकास दृष्टिकोण को तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है- बाहरी रिंग रोड के भीतर के क्षेत्र जो कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी का निर्माण करते हैं, आगामी रीजनल रिंग रोड के आसपास की पट्टी जो पेरी-अर्बन रीजनल इकोनॉमी का निर्माण करती है, और राज्य की सीमा तक फैले क्षेत्र जो ग्रामीण कृषि विकास क्षेत्र का निर्माण करते हैं।

उम्मीद है कि हैदराबाद का मुख्य क्षेत्र एक सेवा-संचालित महानगरीय केंद्र के रूप में विकसित होगा, जिसमें प्रदूषित उद्योग बाहर स्थानांतरित हो जाएंगे, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार होगा और मूसी नदी का कायाकल्प होगा।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 360 किलोमीटर लंबी रीजनल रिंग रोड, इंडिया फ्यूचर सिटी कॉरिडोर, ग्रीनफील्ड हाईवे, बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी और मछलीपट्टनम बंदरगाह तक पहुंच के साथ मिलकर पेरी-अर्बन ज़ोन में विकास को बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि वारंगल, आदिलाबाद, कोत्तागुडेम और रामागुंडम में हवाई अड्डों की स्थापना की योजना लॉजिस्टिक्स और वैश्विक निवेश को बढ़ावा देगी।

कृषि क्षेत्रों में, सीएम ने कहा कि किसानों को आर्थिक भागीदार माना जाएगा ▶10पर

तमिलनाडु में दो सरकारी बसों की आमने-सामने की टक्कर में 11 लोगों की मौत

शिवगंगा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने बताया कि रविवार को दो राज्य-संचालित बसों की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 11 लोग मारे गए और 20 से अधिक घायल हो गए।

एक वरिष्ठ जिला पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह दुर्घटना कराईकुडी से लगभग 15 किलोमीटर दूर हुई और सभी 11 लोग - 8 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्चा - मौके पर ही मारे गए। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 20 से अधिक लोग घायल हुए, ▶10पर

चक्रवात दितवाह से तमिलनाडु में तीन मौतें, उड़ानें-ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चक्रवात ङ्गदितवाहफ से श्रीलंका के बाद तमिलनाडु के कई हिस्सों में रविवार को भी लगातार भारी बारिश जारी रही, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। राज्य सरकार ने बताया कि बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई क्षेत्रों में पानी भरने से स्थिति गंभीर बनी हुई है। कावेरी डेल्टा के रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जैसे जिलों में भारी बारिश के चलते निचले इलाके जलमग्न हैं और यातायात बाधित हुआ है।

क्षेत्रीय मौसम विभाग के अनुसार तूफान लगभग 7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है और यह तनिलनाडु के कुड्डालोर से 100 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, कराईकल से 100 किलोमीटर उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 110 किलोमीटर दक्षिणपूर्व तथा चेन्नई से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों से इसकी न्यूनतम दूरी करीब 70 किलोमीटर बताई जा रही है।

विभाग ने आशंका जताई है कि अगले 24 घंटों तक यह तटों के समानांतर आगे बढ़ता रहेगा और 30 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में तटरेखा से 30 से 60 किलोमीटर की दूरी पर सक्रिय रहेगा। चक्रवात के प्रभाव से तमिलनाडु के कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवारूर, चेन्नई, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम समेत कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। तटीय हिस्सों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति बढ़कर 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक ▶10पर

दिल्ली पुलिस ने आईएसआई मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 3 से ज्यादा गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल आतंकी नेटवर्क पर लगातार शिकंजा कस रही है और इसी कार्रवाई के तहत एक बड़ी कामयाबी सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक बड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और 3 से अधिक आतंकियों को गिरफ्तार किया है। जाँच में सामने आया है कि पकड़े गए सभी आरोपित आतंकवादी शहजाद भट्टी के संपर्क में थे, जो पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क का संचालन कर रहा था। ये गिरफ्तारियाँ उत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों, मध्य प्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश में की गई हैं।

इस ऑपरेशन से जुड़े और विवरण दिल्ली पुलिस रविवार 30 नवंबर 2025 की शाम 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान साझा करेगी। यह प्रेस ब्रीफिंग दिल्ली पुलिस मुख्यालय के मीडिया सेंटर में एडिशनल सीपी, स्पेशल सेल द्वारा की जाएगी।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय था और इसकी गतिविधियाँ भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने पर केंद्रित थीं।

कार्टून कॉर्नर

पंचकूला में बड़ा साइबर फ्रॉड रैकेट बेनकाब

ईडी ने नकली कॉल सेंटर के मालिक को किया गिरफ्तार

पंचकूला, 30 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के पंचकूला में एक बड़े साइबर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। ईडी ने कार्रवाई करते हुए पंचकूला के आईटी पार्क, सेक्टर-22 में स्थित एक नकली टेक्निकल-सपोर्ट कॉल सेंटर के मालिक महेश चंद्रशेखर शेट्ये को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। महेश पर आरोप है कि वह हवाला नेटवर्क के जरिए अपराध से अर्जित कमाई (पीओसी) को भारत लाकर

उसे विभिन्न खातों में डालकर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल था। 29 नवंबर को गिरफ्तार किए जाने के बाद महेश शेट्ये को उसी दिन पंचकूला की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता और विस्तृत जांच की आवश्यकता को देखते हुए आरोपी को 7 दिनों की ईडी कस्टडी में भेज दिया है। ईडी ने अपनी कार्रवाई साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, पंचकूला और चंडीमंदिर थाना में दर्ज तीन मामलों की जांच के बाद शुरू की। शिकायतों में आरोप था कि आरोपी और उसके ▶10पर

पूर्वी सीमा पर भारत की सबसे बड़ी सैन्य बढ़त

तीन नए मिलिट्री बेस, राफेल-ब्रह्मोस-एस-400 की तैनाती

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने अपनी पूर्वी सीमा पर अब तक की सबसे व्यापक और रणनीतिक सैन्य तैनाती शुरू कर दी है। 22 किलोमीटर चौड़ा सिलिगुड़ी कॉरिडोर, जिसे रणनीतिक रूप से चिकन नेक कहा जाता है और जो उत्तर-पूर्वी भारत को मुख्य भूमि से जोड़ता है, अब पूर्ण रूप से अभेद्य किले में बदलने जा रहा है। यह कदम बताता है कि भारत ने अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रो-एक्टिव सुरक्षा रुख अपना लिया है। असम के धुबरी के पास लाचित बोरफुकन मिलिट्री स्टेशन, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में नए फॉरवर्ड बेस

तेज़ी से स्थापित किए जा रहे हैं। चोपड़ा फॉरवर्ड बेस बांग्लादेश सीमा से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

ये सिर्फ सैन्य अड्डे नहीं, बल्कि रैपिड डिप्लॉयमेंट फोर्स, पैरा स्पेशल फोर्सेज, इंटेलिजेंस यूनिट, और हाई-टेक सर्विलांस सिस्टम से लैस स्ट्रैटेजिक हब हैं, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति में सिलिगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। भारत के इस बड़े रणनीतिक बदलाव के पीछे बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक परिवर्तन अहम माना जा रहा है। शेख हसीना सरकार के स्थान पर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम प्रशासन आने के बाद ▶10पर

महापुरुषों का जीवन ज्ञान, दर्शन और चारित्र का त्रिवेणी संगम: साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में रविवार को साध्वी आगमश्री एवं साध्वी मेघाश्री आदि साध्वी मंडल के सानिध्य में आचार्य आनंदऋषि एवं कर्नाटक गज केसरी गणेशीलाल महाराज का 112वां दीक्षा दिवस तथा जैन दिवाकर चौथमल महाराज का 75वां पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग, धर्म आराधना और भावपूर्ण श्रद्धा के साथ मनाया गया। साध्वी आगमश्री ने तीनों महान महापुरुषों के गुणों को नमन करते हुए कहा कि इस धरा पर जो भी महापुरुष आते हैं, वे प्रकाश लेकर आते हैं और जाते समय जगत को प्रकाशित करके जाते हैं।

महापुरुषों का गुणस्मरण करना स्वयं में हमारा महान सौभाग्य है। जिन्होंने गुरु चरणों में अपना जीवन समर्पित किया तथा राष्ट्र और जिनशासन के लिए स्वयं को अर्पित किया, वही युगों युगों तक स्मरण किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु आनंद, गुरु गणेश और गुरु दिवाकर इन तीनों संत रत्नों ने जिनशासन पर अपार उपकार किए। आचार्य आनंदऋषि जो मात्र 13 वर्ष की आयु में दीक्षित होकर श्रमण संघ के आचार्य बने, उन्होंने संघ को सुदृढ़ एवं संगठित रूप प्रदान किया। उनका जीवन ज्ञान, दर्शन और चारित्र का त्रिवेणी संगम था। सामायिक, संवर, स्वाध्याय, प्रतिक्रमण जैसी साधनाओं के लिए उन्होंने जन जन को प्रेरित किया। जैन दिवाकर चौथमल ने समाज की कुरीतियों का दृढ़तापूर्वक विरोध किया और उन्हें मिटाने के लिए आजीवन प्रयासरत रहे। उनके सुधारवादी विचारों ने समाज को नई दिशा प्रदान की तथा धार्मिक मर्यादाओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे त्रय संत रत्नों को साध्वी आगमश्री ने शत शत विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। साध्वी मेघाश्री ने कहा कि महा पुरुषों के नाम स्मरण मात्र से ही श्रद्धा से हमारा मस्तक झुक जाता है। त्रय महापुरुषों ने विपरीत परिस्थितियों में भी समभाव नहीं छोड़ा। आचार्य भगवंत का जीवन जप तप, साधना और चमत्कारिक लब्धियों से पूर्ण था। गुरु गणेशीलाल महाराज के कर्नाटक पर अनंत उपकार रहे। कठोर तप, नियम और त्याग उनके जीवन चरित्र का आधार थे। जैन दिवाकर जैन के ही नहीं बल्कि जन जन के दिवाकर थे। जिन्होंने सम्प्रदायों के एकीकरण में क्रांतिकारी योगदान दिया। पूर्व में साध्वी समृद्धिश्री ने कहा कि जीवन में यदि गुरु का आशीर्वाद हो, तो हर पल हमारी रक्षा होती है। गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा ही सद्गुरु का सच्चा कृपाशीर्वाद प्राप्त करने का मार्ग है। साध्वी समृद्धिश्री, साध्वी समीक्षा एवं साध्वी धैर्याश्री द्वारा गुरु गुण गान स्तवन की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने कहा कि स्थानकवासी परंपरा को समय समय पर अनेक युगपुरुषों ने नई दिशा, नई वाणी और नवीन विचार प्रदान किए हैं। महापुरुषों का जीवन भले ही सरल हो, किंतु उनकी साधना और आराधना अतुलनीय और प्रेरणादायी होती है। वे आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनके आदर्श, प्रेरणाएं और मूल्य सदा समाज को दिशा देते रहेंगे।

इस मौके पर अनेक श्रद्धालुगणों एवं संघ संस्थाओं के सदस्यों की उपस्थिति रही। संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

मंत्र पापकर्मों का क्षय व आत्मशुद्धि का साधन: साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान, शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में बिड़दी में इमरतलाल देवड़ा के निवास स्थान पर स भिक्खु आध्यात्मिक अनुष्ठान रखा गया। साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने अनुष्ठान से पूर्व अपने मंगल उद्बोधन में कहा परमेष्ठी मंत्र का पांचवां पद णमो लोए सव्व साहूणं अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पद प्रथम चारों पदों की आत्मा है। साधु के बिना किसी भी पद को प्राप्त नहीं किया जा सकता। इस पद में मन को नियंत्रित करने की अद्भूत क्षमता है। इस पद में किसी साधु विशेष को वंदन न कर केवल गुण निष्पन्न साधु को ही नमस्कार किया गया है। अत: इसकी आराधना साधुता की क्षमता का विकास करती है एवं कर्मों की निर्जरा व स्वास्थ्य लाभ के साथ साथ मैत्री भाव को विकसित करती है। इस जप विधि से न केवल शरीर ही सधता है बल्कि पाप कर्मों का क्षय होता है, आत्मा शुद्ध होती है एवं भाव और मन भी संतुलित रहते हैं। मंत्रों का विवेचन करते हुए साध्वी जी ने शनिवार सायं 4 से 9 बजे तक सामूहिक अनुष्ठान करवाया। इस अवसर पर विनितयशा, साध्वीश्री वर्धमानयशाजी, साध्वी बोधिप्रभाजी सहित 31 भाई बहनों ने भाग लिया। इस अवसर पर पदमचन्द खटेड़, संजय छाजेड़, कौशल देवड़ा, जीतेश देवड़ा, दिलखुश देवड़ा, सुरेश देवड़ा, रमेश जैन, मुकेश देवड़ा आदि उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चामराजपेट में बंडिमहाकाली देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। बलेगा के अनिल पोखरणा एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बेंगलूरु मंडल ने सत्य साईं प्रशांति निलयम में तीर्थयात्रियों की जबरदस्त भीड़ को संभाला

राजस्व में काफी बढ़ोतरी दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दपरे के बेंगलूरु मंडल ने पुट्टपर्थी में भगवान श्री सत्य साईं बाबा के शताब्दी समारोह के दौरान यात्रियों की संख्या में हुई जबरदस्त वृद्धि का अच्छे से प्रबंधन किया। श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम (एसएसपीएन) स्टेशन ने 18 और 25 नवंबर के बीच 31,33,006 के रेवेन्यू के साथ कुल 89,300 यात्रियों की आवाजाही दर्ज की। नॉन पीक पीरियड के दौरान, स्टेशन पर आमतौर पर रोजाना औसतन 3500 यात्रियों का आना जाना हुआ और लगभग 1,21,816 का राजस्व पैदा हुआ, जो समारोह के दौरान हुई जबरदस्त बढ़ोतरी को दिखाता है। बेंगलूरु मंडल ने यात्रियों की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम स्टेशन के लिए 18 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया। इसके अलावा, मंडल ने भक्तों की पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 33 नियमित ट्रेनों को सत्य साईं प्रशांति निलयम से डायवर्ट किया। डिवीजन ने कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने

के लिए स्टेशन पर 9 ट्रेनों के लिए अस्थाई ठहराव भी दिए। पूरे देश में, पांच रेलवे जोन ने मिलकर बेंगलूरु, मैसूरु, अराकू, हैदराबाद, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, विशाखा-पत्तनम, चेन्नई, कोयम्बत्तूर, शालीमार, श्रीकाकुलम, तिरुवनंतपुरम और तिरुनेलवेली जैसे बड़े शहरों से 85 स्पेशल ट्रेनें चलाईं। इन सेवाओं से यह पक्का हुआ कि भारत के अलग अलग इलाकों से भक्त आसानी से पुट्टपर्थी जा सकें। इस दौरान यात्री की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए, बेंगलूरु मंडल ने स्टेशन पर बैकलिट डायरेक्शनल साइन लगाए। यात्रियों के लिए इन्फॉर्मेशन फ्लो को बेहतर बनाने के लिए एडवांस्ड पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम और कोच इंडिकेशन बोर्ड भी लगाए गए। साफ और समय पर कम्युनिकेशन सुनिश्चित करने के लिए पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम को अपग्रेड किया गया। 31 टॉयलेट बूथ और 15 यूरिनल देकर सफाई की सुविधाओं को मजबूत किया गया। पीने के पानी की सही उप-लब्धता सुनिश्चित करने के लिए और वॉटर कूलर लगाए गए। टिकट वितरण के लिए पुट्टपर्थी बस स्टैंड पर एक्स्ट्रा टिकट काउंटर बनाए गए, और बिना किसी परेशानी के टिकट जारी करने में मदद के लिए एमयूटीएस सेवा दी गईं। भीड़ के प्रबंधन के लिए मंडल ने 2,000 यात्रियों के लिए एक खास प्रतीक्षा कक्ष बनाया। यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए बैरिकेड वाली लाइन भी लगाई गईं। गाड़ियों की पहुंच को आसान बनाने के लिए 500 गाड़ियों की क्षमता वाली एक पार्किंग एरिया बनाई गई। यात्रियों के आराम करने के लिए तीन रेलवे ऑफिस को आरामदायक प्रतीक्षा कक्ष में बदल दिया गया। इसके अलावा, बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों की मदद के लिए और व्हीलचेयर भी उपलब्ध कराई गईं। ये कोशिशें बड़े पैमाने पर होने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षित, आरामदायक और अच्छी तरह से संगठित यात्रा का अनुभव देने के लिए बेंगलूरु मंडल की प्रतिबंद्धता को दर्शाती हैं।

हाईकमान को कोई बड़ा फैसला लेकर कुर्सी का मुद्दा सुलझाना चाहिए: मंत्री मुनियप्पा

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि राज्य में छिड़ी कुर्सी की लड़ाई को सुलझाने के लिए हाईकमान को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को बातचीत के लिए बुलाकर कोई बड़ा फैसला लेना चाहिए। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सब कह रहे हैं कि कोई समझौता नहीं हुआ। उस समय हममें से कोई नहीं था। किसी को नहीं पता कि यह क्या है। जो भी समझौता हो, हाईकमान को उसे लागू करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने अपील की कि जल्द ही कोई फैसला लेकर राज्य में अटकलों पर रोक लगाई जानी चाहिए। कुछ लोग एक गुट होने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस में नंबर गेम नहीं चलता। हाईकमान की बात आखिरी होती है। हमारे लिए हाईकमान का मतलब एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, वेणुगोपाल, सुरजेवाला हैं। उन्होंने कहा कि खड़गे से उनकी बात हो चुकी है। क्या हमें खड़गे से ज्यादा काबिल किसी की जरूरत है। कई बार यह प्रस्ताव आया, लेकिन हम उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बना सके। उनके बाद मैं पार्टी में वरिष्ठ हूं। दलित को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे का मकसद यह है कि राज्य में 24 प्रतिशत दलित हैं, सतीश जारकीहोली कह रहे हैं कि वह उन्हें अध्यक्ष बनाएंगे और पार्टी को वापस पावर में लाएंगे। परमेश्वर की तरह कोई भी आठ साल तक एआईसीसी अध्यक्ष नहीं रहा है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री और कैबिनेट मत्री के तौर पर काम किया है। हालांकि, हम सभी हाईकमान के फैसले के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम पार्टी के अनुसाशनिकसिपाही हैं। हम एआईसीसी की जिम्मेदारी समेत कोई भी जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा हरिप्रसाद और मैं लंबे समय से करीबी दोस्त हैं। जब वह दिल्ली में पार्टी के लिए काम कर रहे थे, तो मैं यूपीए सरकार का हिस्सा बन गया था। तब भी, हम उनके साथ लंच और स्नैक्स के लिए शामिल होते थे। उन्होंने कहा बस यही बात हुई थी कि हमें हाईकमान को मौजूदा भ्रम के बारे में बताना चाहिए।

व्यक्ति का चिंतन जितना गहन होगा उतना ही उसका आत्म उत्थान संभव: साध्वी भव्य गुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक समुदायवर्ती साध्वी भव्य गुणा श्री ने माइक्रो लेबस् लिमिटेड कंपनी में विहार के अंतर्गत पधारे गुरुभक्त को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति का चिंतन जितना गहन होगा उतना ही उसका आत्म उत्थान होगा और वह प्रगति के मार्ग पर बढ़ेगा।

अच्छे विचार व्यक्ति को उन्नति की तरफ तो बुरे विचार व्यक्ति को पतन की राह पर ले जाते है। भारी आत्मा डूब जाती है जबकि हल्की आत्मा भवसागर से पार हो जाती है। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि केवल धर्मात्मा कहलाने से हम पुण्यार्जन नहीं कर सकते है। इसके लिए हमे स्वयं को धर्म से जोड़ना होगा। जिनवाणी सुनना एवं प्रवचन लाभ लेना भी धर्म से जुड़ने का माध्यम है। हम खुद को धर्मात्मा कहलाना तो पसंद करते है लेकिन हमारे काम धर्म के अनुरूप नहीं होते है। उन्होंने कहा कि यदि हम वास्तविक धर्मात्मा बनकर संसार सागर से पार होना चाहते है तो हमे अपने जीवन में धर्म का समावेश करना होगा और हमारे कर्म ऐसे हो पाप का क्षय कर पुण्य का बंध करें। भक्ति अगर भावपूर्वक होती है तो वह सार्थक होती है। भक्ति के माध्यम से परमात्मा से प्रार्थना करें तो वह कबूल हो जाती है। हमे याचक नहीं बनकर परमात्मा का सच्चा भक्त बनना होगा। भक्ति सच्चे मन से हो सर्वसुख की प्राप्ति होती है। विहार सेवा में सिद्धांत भंडारी, शाश्वत मेहता, विकास लुणिया, रजनीश जैन ने लाभ लिया। साध्वीवृंद ने अर्हम ग्रुप के विहार सेवको का आभार व्यक्त किया। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि साध्वीवृंद सोमवार को पार्श्व सुशील धाम पधारेगी।

हम सीएम कुर्सी के ड्रामे के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर ड्रामा चल रहा है और हम इसके नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लीडरशिप बदलने के मुद्दे पर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच नाश्ता बैठक हुई थी। उन्होंने रिपोर्टर्स के सवाल का जवाब दिया कि मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर उनसे

सवाल किया जाना चाहिए। अगर हमारे घर में ऐसा कोई विकास होता है, तो हमें उन्हें बताना चाहिए। हम कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी मामलों पर कमेंट नहीं करते।

यह कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है। कर्नाटक पार्टी के संगठन पर चर्चा करना या छोड़ना उन पर है। राज्य के लोगों ने उन्हें 140 सीटें दीं। उन्होंने पिछले ढाई साल में क्या किया है? कांग्रेस में सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चर्चा चल रही है। सभी वरिष्ठ नेता उसी पार्टी में हैं। क्या राज्य की कोई चिंता है। क्या लोगों की मुश्किलों और खुशियों में शामिल होने की कोई जरूरत है। उन्होंने अफसोस जताया कि इस सरकार पर चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है।

छात्रा पीजी के कमरे में मृत पाई गई

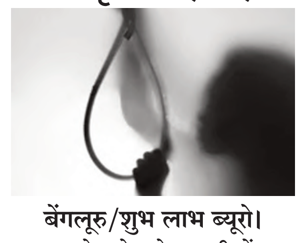

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के सोलादेवनहल्ली में एक 19 साल की फार्मेसी स्टूडेंट अपने पीजी के कमरे में मृत पाई गई। मृतका की पहचान वत्सला के तौर पर हुई है, जो हासन की रहने वाली थी और हेसरघट्टा रोड पर एक प्राइवेट कॉलेज में छात्रा थी। उसके सहपाठी ने उसे दोपहर करीब 2.30 बजे उसके कमरे में मृत पाया। उन्होंने पीजी मालिक को बताया, जिसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्ट-मॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कहा कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस उसके दोस्तों और हॉस्टल के साथियों से इस खतरनाक कदम के पीछे के संभावित कारणों को समझने के लिए पूछताछ कर रही है। उसका मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। सोलादेवनहल्ली पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है और आगे की जांच चल रही है।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के फिलहाल दिल्ली आने की संभावना नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के फिलहाल दिल्ली आने की संभावना नहीं है। वे बेलगावी सत्र में जाएंगे। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार के बीच बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली में केपीसीसी सांसदों की बैठक या कोई और गतिविधि होती है, तो वे उसमें हिस्सा लेने

जा सकते हैं। लेकिन वे राज्य की राजनीति पर बातचीत के लिए दिल्ली नहीं जाएंगे। जब दोनों नेत-ाओं ने लंच किया तो मैं शिष्टाचार के तौर पर उनके साथ था। जब दोनों के बीच बातचीत हुई तो मैं वहां नहीं था। मुझे नहीं पता कि किस तरह की बातचीत हुई। हाईकमान के नेताओं को फोन पर दोनों के बीच हुई बातचीत के बारे में बताया गया। उन्होंने साफ किया कि मुख्यमंत्री बाद में हेल्थ चेक-अप के लिए डॉक्टर के पास गए। चूंकि वह हमेशा मुख्यमंत्री के साथ रहते हैं, इसलिए केपीसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मेरे मोबाइल पर कॉल करके मुख्यमंत्री से फोन देने को कहा। इसके अलावा दोनों नेताओं के लंच में उनका कोई रोल नहीं था।

सेवानिवृत्त नगर पालिका आयुक्त अशोक जैन का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित गाणाधिपति आचार्य श्री तुलसी के दीक्षा शताब्दी वर्ष परिसंपन्नता पर तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना हेतु श्रद्धा निष्ठा श्रावक दयाराम जीरावाला के सुपुत्र अशोक जैन से भेंट कर आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित पुस्तक धर्म चक्र का प्रवर्तन भेंट की। अशोक जैन कर्नाटक सरकार में विभिन्न नगर पालिकाओं में आयुक्त के तौर पर कार्यरत रह चुके हैं। उन्हें कर्नाटक सरकार द्वारा बेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर

की उपाधि एवं गोल्ड मेडल से भी नवाजा जा चुका है। मंडल द्वारा अशोक जैन का सम्मान चोल पट्ट से किया गया। मंडल की अध्यक्षा महिमा पटावरी ने बताया कि अशोक जैन का पूरा परिवार जैनत्व के संस्कार से परिपूर्ण है तथा धार्मिक गतिविधियां प्रतिदिन चलती है। इस मौके पर सह मंत्री अनीता जीरावला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

मैं कभी पीठ में छुरा घोंपने वाला नहीं हूं, मैं आमने-सामने लड़ता हूं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मेरे बीच कोई मतभेद नहीं है।

मैं कभी पीठ में छुरा नहीं घोंपूंगा, बल्कि आमने-सामने लड़ूंगा। यहां पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि हमारा मकसद 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को वापस सत्ता में लाना है। जब वह दिल्ली गए थे, तो अपने साथ 8-10 विधायक ले जा सकते थे। इसका कोई फायदा नहीं होता। विधायकों को अपने साथ ले जाना कोई बड़ा काम नहीं है। पार्टी अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने कहा कि उन्हें 140 विधायकों में भेदभाव नहीं करना चाहिए और उन्हें साथ लेकर चलना चाहिए। पहले, जब एच.डी. कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे, तो मैंने उनकी कैबिनेट में मंत्री के तौर पर ईमानदारी से काम किया। मेरी अंतरात्मा और भगवान ईमानदारी की हद जानते हैं। मैंने आखिरी समय तक सरकार बचाने की कोशिश की। उनके पिता, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा यह जानते हैं। कुमारस्वामी शायद मेरी ईमानदारी से सहमत न हों। यह अलग बात है। उन्होंने कहा उन्हें जो कहना है कहने दो, मैं कभी पीठ में छुरा नहीं मारूंगा। मैं सामने से लड़ूंगा, मेरी जिंदगी ऐसी ही रहेगी। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कर्नाटक के सुपर सीएम की भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि भाजपा, जो कि विपक्षी पार्टी है, उसे दिखाना चाहिए कि वह जिंदा है या नहीं। उनके बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। हाल के घटनाक्रम में स्वामीजी के दखल पर केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के एतराज पर पलटवार करते हुए डी.के. शिवकुमार ने पूछा कि वोक्कालिगा कम्युनिटी के लिए दूसरा मठ पहले कैसे बन गया था। अगर स्वामीजी नहीं गए होते, तो क्या देवेगौड़ा मुख्यमंत्री बनते। क्या उस समय स्वामीजी सड़क पर नहीं उतरे थे। क्या स्वामीजी तब भी वहां थे जब सदानंद गौड़ा मुश्किल में थे। कुछ लोग कुछ हालात के बारे में बात करते हैं। दूसरे स्वामीजी ने हाल के घटनाक्रम के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी स्वामीजी से समर्थन नहीं मांगा है। हो सकता है कि वह वोक्कालिगा समुदाय में पैदा हुए हों। लेकिन मुझे सभी जातियां पसंद हैं। कुमारस्वामी एक यूनिवर्सल इंसान हैं। वह बहुत बड़े आदमी हैं। उन्हें किसी के आशीर्वाद की जरूरत नहीं है। उन्होंने किसी मठ, वोक्कालिगा संघ या जाति का इस्तेमाल नहीं किया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मैं फिर बात करेंगे। मेरी व्यक्तिगत राय है कि दिल्ली में ही एक ऑल-पार्टी बैठक बुलाई जानी चाहिए। सभी सांसदों को इसमें हिस्सा लेना चाहिए। मेरे लिए ऑल-पार्टी बैठक करना सही नहीं है। इसलिए, मुख्यमंत्री को इसकी अध्यक्षता करनी चाहिए। कुछ मुद्दों पर केंद्र पर दबाव डाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू, एग्रीकल्चर और दूसरे मंत्रियों को ऑल-पार्टी बैठक में हिस्सा लेना चाहिए। दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बैठक में प्रियांक खड़गे का राजनीति ढूंढना ठीक नहीं है। क्या पिता-पुत्र की बैठक में राजनीति होती है। क्या उन्हें नहीं मिलना चाहिए। कांग्रेस में जब पिता, पुत्र और भाई मिलते हैं तो उसमें भी राजनीति ढूंढी जाती है। उन्होंने नाराजगी जताया कि दूसरी पार्टी के बारे में जो भी कहा जाएगा, उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

उडुपी-हैदराबाद केएसआरटीसी स्लीपर बस भारी नुकसान के बाद बंद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

लगभग 25 सालों से उडुपी और हैदराबाद के बीच चलने वाली केएसआरटीसी की नॉन-एसी स्लीपर बस को भारी नुकसान के कारण रोक दिया गया है। यह इंटर-स्टेट सर्विस, जो तटीय कर्नाटक को हैदराबाद से जोड़ती थी, लगभग 10-15 दिन पहले बंद हो गई थी। कई महीनों तक लगातार नुकसान होने के बाद केएसआरटीसी ने सर्विस रोकने का फैसला किया। बस दोपहर 3.30 बजे उडुपी से निकलेगी, शाम 4 बजे कुंडापुर, शाम 4.30 बजे सिद्धपुर पहुंचेगी, और फिर मस्तीकट्टे, तीर्थहल्ली, शिवमोग्गा (रात 8.30 बजे), हरिहर, होसपेट और रायचूर होते हुए अगली सुबह 9.30 बजे हैदराबाद पहुंचती है। अचानक रोक लगने से कई दैनिक यात्रियों को परेशानी हुई है, जिनमें होटल कर्मचारी और तटीय जिलों के निवासी शामिल हैं जो लंबी दूरी की यात्रा के लिए इस सर्विस पर निर्भर थे। सिद्धपुर और होसांगडी के यात्रियों ने परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी को पत्र लिखकर सेवा को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि बस मॉनसून के दौरान भी चलती रही थी, लेकिन अब सीजन की शुरुआत में इसे रोक दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, निलंबन का मुख्य कारण राजस्व का बहुत ज्यादा नुकसान है। एक इंटर-स्टेट बस चलाने में केएसआरटीसी को लगभग 45-49 रुपए प्रति किमी का खर्च आता है, लेकिन इस सर्विस से 30 प्रति किमी से भी कम कमाई हुई, जिससे 20-25 प्रति किमी का नुकसान हुआ। अधिकारियों का कहना है कि ऐसी सर्विस को फायदेमंद बनाए रखने के लिए कम से कम 55 प्रति किमी की जरूरत होती है। इस मार्ग पर यात्रियों की संख्या भी बहुत कम थी। उडुपी से शिवमोग्गा तक लगभग कोई यात्री नहीं होता है और शिवमोग्गा से आगे कुछ ही लोग चढ़ते हैं। जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीनों में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ, जिसके कारण बेंगलूरु मुख्यालय ने सेवा बंद करने का फैसला किया। केएसआरटीसी मेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल कंट्रोलर राजेश शेट्टी ने कहा कि बस को शिवमोग्गा शिफ्ट करने और शिवमोग्गा-हैदराबाद रूट पर चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है। इस सर्विस को फिर से शुरू करने की यात्रियों की मांग बढ़ गई है, कई लोगों को शक है कि 25 साल पुराने इस रूट को अचानक बंद करने के पीछे प्राइवेट ट्रांसपोर्ट लॉबी का हाथ हो सकता है।

कई भ्रमों के कारण राज्य भाजपा में संगठन पूरी तरह से चरमराया?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भाजपा, जिसे इस समय का इस्तेमाल सत्तारूढ पार्टी में पावर के लिए लड़ना चाहिए था, उसने चुप्पी साध ली है। जिस व्यक्ति को कांग्रेस को चेतावनी देनी चाहिए थी, वह कर्नाटक में एक मृगतृष्णा है। राधा मोहन दास अग्रवाल, जिन्हें कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी कलह का फायदा उठाने की रणनीति बनानी थी, उन्होंने महीनों से राज्य में पार्टी संगठन की ओर रुख नहीं किया है। हालांकि कई भ्रमों के कारण राज्य भाजपा में संगठन पूरी तरह से चरमरा गया है, लेकिन राधा मोहन, जिन्होंने ज्यादा परवाह नहीं की, उन्हें नाम तय करने का काम सौंपा जा रहा है। कर्नाटक में भाजपा के राज्य अध्यक्ष की नियुक्ति या बने रहने को लेकर भ्रम अभी भी जारी है। इस समय, जिन्हें राज्य के नेताओं को निर्देश देने थे, वे अब तक कुछ ही बार राज्य का दौरा कर चुके हैं, और हाल ही में कार्यकर्ताओं के बीच यह जोरदार रोना सुनाई दे रहा है कि वे आए और गए भी नहीं। राधा मोहनदास अग्रवाल को पिछले साल जुलाई में राज्य भाजपा प्रभारी नियुक्त किया गया था। राधा मोहनदास अग्रवाल ने राज्य में लोकसभा चुनाव के प्रभारी के तौर पर काम किया था। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर (शहर) विधानसभा क्षेत्र से चार बार की विधायक, वह राज्यसभा सदस्य भी हैं। राज्य भाजपा के नेता अभी तक सरकार के कान पकड़कर काम करने के निर्देश देने के लिए आगे नहीं आए हैं। यह भी आम बात है कि विपक्ष के नेता भले ही बेंगलूरु में लड़ रहे हों, लेकिन वे डटे नहीं हैं। कार्यकर्ता इस बात से परेशान हैं कि प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने राज्य में लड़े जाने वाले मुद्दे के लिए कोई रणनीति नहीं बनाई है। अग्रवाल, जिन्हें राज्य कांग्रेस सरकार की कमियों का पता लगाकर लड़ाई की तैयारी करनी थी, उन्होंने दो महीने से राज्य की ओर मुड़कर भी नहीं देखा है। इसके अलावा, राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह भी शिकायत की है कि किसानों की समस्या समेत राज्य की कई समस्याओं के लिए कोई रणनीति बनाने के लिए कोई सलाह या निर्देश नहीं दिए गए हैं। राज्य में सत्ता खो चुकी भाजपा को और मजबूत करने और यहां की अंदरूनी कलह को ठीक करने के लिए एक प्रभारी नियुक्त किया गया है। सुधाकर रेड्डी सह प्रभारी हैं। राज्य भाजपा यूनिट में जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ शुरू हुई गुटबाजी के बाद अध्यक्ष पद को लेकर उलझन आज भी बनी हुई है। भले ही इधर-उधर दिखने वाले राज्य प्रभारी आए और बैठक कीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कार्यकर्ताओं की शिकायत है कि उन्होंने समस्या को कम करने के लिए कुछ नहीं किया। हालांकि कुछ नाराज विधायकों के गुट राज्य अध्यक्ष को बदलने के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन राज्य प्रभारी ने यहां समस्या को कम करने के लिए कुछ नहीं किया है।

तटीय कर्नाटक में कोहरा, तापमान में गिरावट

चक्रवात दित्वाह के मौसम पर असर के कारण हल्की बारिश की संभावना

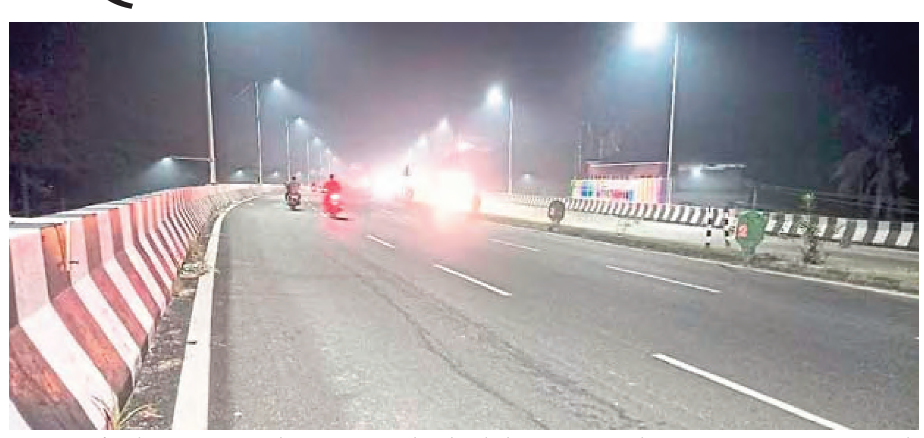

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीलंका और अरब सागर के ऊपर चक्रवात दित्वाह के असर से दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कुंडापुर में तापमान में भारी गिरावट आई और बहुत ज्यादा कोहरा छाया रहा। इससे पूरे तट पर ठंड और बादल छाए रहे। कुंडापुर और बिंदूर में सुबह से शाम तक ठंड रही, कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम हो गई। सुबह 10 बजे तक भी ठंड कम नहीं हुई थी, और मौसम बेंगलूरु जैसा था, जिसमें बहुत कम धूप थी। शाम करीब 5 बजे तक, उडुपी-कुंडापुर और कुंडापुर-बिंदूर हाईवे पर घना कोहरा छा गया, और रात होने के बाद ठंड और बढ़ गई। पूरे दक्षिण कन्नड़ में, शनिवार सुबह ठंडी हवाएं चलीं, जिसके बाद धूप और बादल मिले जुले रहे। बंटवाल और बेल्टांगडी तालुकों के कुछ हिस्सों में शाम के समय कोहरे की स्थिति देखी गई, हालांकि यात्रियों के अनुसार, चारमाडी घाट, जहां आमतौर पर सर्दियों में घना कोहरा होता है, वहां अभी तक घना कोहरा नहीं देखा गया है। शिराली और भटकल के मछुआरों ने बताया कि अरब सागर में तेज पूर्वी हवाओं की वजह से घने कोहरे की वजह से सुबह सुबह नावों की आवाजाही पर असर पड़ा। मौसम विभाग ने शनिवार को मेंगलूरु में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में गिरावट दर्ज की। अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री था, जो सामान्य से 2.9 डिग्री कम था, जबकि न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री था, जो सामान्य स्तर से 0.8 डिग्री कम था। विभाग ने अगले दो दिनों में दक्षिण कन्नड़ के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश का अनुमान लगाया है क्योंकि ठंड बनी हुई है। इस बीच, चक्रवात, जो श्रीलंका में आया है और भारतीय समुद्र तट की ओर बढ़ रहा है, पूरे कर्नाटक में मौसम पर असर डाल सकता है। आईएमडी ने अगले पांच दिनों में कई तटीय और दक्षिण के अंदरूनी जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं, जिसमें बारिश, बादल छाए रहने और ठंड बढ़ने की चेतावनी दी गई है। अगले 48 घंटों में बेंगलूरु और आस पास के इलाकों में बादल छाए रहने, हल्की से मध्यम बारिश और सुबह कोहरा रहने की उम्मीद है। बेंगलूरु शहरी और बेंगलूरु ग्रामीण, कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, रामनगर, मांड्या, हासन, चिक्कमगलूरु, मैसूरु, चामराजनगर और कोडागु समेत बारह जिलों में येलो अलर्ट है, और कई इलाकों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। आईएमडी ने आगे कहा कि बागलकोट, बेलगावी, बीदर, धारवाड़, गदग, हावेरी, कलबुर्गी और विजयपुरा जैसे उत्तरी अंदरूनी जिलों में सूखे हालात रहने की उम्मीद है।

मैसूरु के युवक को मनी म्यूल के तौर पर इस्तेमाल करने का पता चला, 10 गिरफ्तार

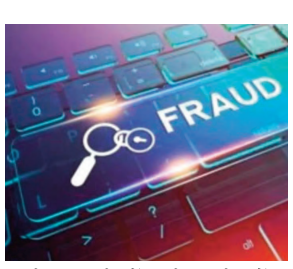

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) में दर्ज एक साइबर अपराध मामले में मैसूरु के युवाओं के फाइनेंशियल फ्रॉड नेटवर्क में फंसने का एक परेशान करने वाला मामला सामने आया है, जिसमें पिछले दो महीनों में कम से कम 10 युवाओं को गिरफ्तार किया गया है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र की पुलिस टीमों के साथ-साथ कर्नाटक के दूसरे जिलों की यूनिट्स ने साइबर-इनेबल्ड फाइनेंशियल अपराधों में उनकी कथित भूमिका के लिए इन संदिग्धों को पकड़ा है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि फ्रॉड सिंडिकेट कमजोर युवाओं को आसान पैसे के ऑफर या अकाउंट-हैंडलिंग जॉब का वादा करके लुभाते हैं। जो उनके बैंक अकाउंट या मोबाइल नंबर का इस्तेमाल भुगतान के लिए करने की रिक्वेस्ट से शुरू होता है, उन्हें कमीशन का भरोसा दिलाता है, वह जल्द ही बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड, गैर-कानूनी मनी रूटिंग और म्यूल अकाउंट ऑपरेशन में बदल जाता है। गिरफ्तार किए गए लोगों में अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट, स्कूल छोड़ने वाले और छोटे-मोटे काम करने वाले युवा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, वे फ्रॉड फंड लेने और सर्कुलेट करने के लिए इस्तेमाल होने वाले बैंक अकाउंट देने और ऑपरेट करने के लिए जिम्मेदार थे, जिन्हें बाद में एटीएम से कैश में निकाल लिया जाता था। अधिकारियों ने कहा कि ये अकाउंट, राज्यों के बीच तेजी से पैसे ट्रांसफर करके पैसे के ट्रेल्स को छिपाने में मदद करते हैं। हाल ही में हुए एक डेवलपमेंट में, दक्षिण कन्नड़ साइबर क्राइम पुलिस ने मैसूरु के तीन युवाओं को एक फिशिंग रैकेट से जुड़े धोखाधड़ी वाले पैसे ट्रांसफर करने के आरोप में गिरफ्तार किया, जिससे गिरफ्तारियों का एक सिलसिला शुरू हुआ और मैसूरु के युवाओं के इंटरस्टेट साइबर फ्रॉड में गहरे शामिल होने का पता चला। पुलिस ने कहा कि धोखेबाज खास तौर पर पैसे की तंगी से जूझ रहे युवाओं को टारगेट करते थे। अपने अकाउंट इस्तेमाल करने के अलावा, गिरफ्तार लोगों ने कथित तौर पर दोस्तों और जान-पहचान वालों के बैंक अकाउंट भी दिए, जिससे नेटवर्क और बढ़ गया। एक अलग मामले में, पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ में रजिस्टर्ड एक इन्वेस्टमेंट स्कैम में इस्तेमाल किए गए बैंक अकाउंट देने के आरोप में मैसूरु के दो छात्रों को हिरासत में लिया गया। एक और घटना में, चेन्नई नॉर्थ साइबर क्राइम पुलिस ने मैसूरु के तीन युवाओं को एक ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड सिंडिकेट से जुड़े यूपीआई भुगतान में मदद करने के आरोप में हिरासत में लिया। अभी दो दिन पहले, पश्चिम बंगाल पुलिस ने राजारहाट में एक लोन ऐप स्कैम नेटवर्क से जुड़े मनी-रूटिंग ऑपरेशन में उनकी भूमिका के लिए मैसूरु के दो युवाओं को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से कई युवाओं को अपने कामों के कानूनी असर के बारे में पता नहीं था। एक अधिकारी ने कहा अपने अकाउंट का इस्तेमाल होने देने से, वे कानूनी तौर पर मनी म्यूल के तौर पर जिम्मेदार बन जाते हैं जो गैर-कानूनी फंड को इधर-उधर करते हैं या लॉन्ड्रिंग करते हैं, और आपराधिक साजिश में सीधे सहयोगी होने के कारण उन्हें गिरफ्तार किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने भद्रावती स्टील फैक्ट्री का किया दौरा

कर्मचारियों की सुरक्षा का भरोसा दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने दूसरी बार भद्रावती में सर एम. विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील फैक्ट्री का दौरा किया। इससे पहले उन्होंने स्टील मंत्री बनने के तुरंत बाद 30 जून, 2024 को इसका दौरा किया था। उसके बाद, उन्होंने फैक्ट्री को फिर से शुरू करने के बारे में कई बैठके कीं, और फिर से स्टील मंत्रालय के बड़े अधिकारियों और तकनीकि विशेषज्ञों के साथ भद्रावती फैक्ट्री का दौरा किया और उसका निरीक्षण किया। फैक्ट्री पहुंचने के तुरंत बाद, उन्होंने प्रबंधन बोर्ड के साथ बैठक की। उन्होंने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स और फैक्ट्री की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने प्रोडक्शन और लागत के बारे में भी जानकारी ली।

बाद में, उन्होंने फैक्ट्री की अलग-अलग यूनिट्स का दौरा किया और उसका निरीक्षण किया। उसके बाद, मंत्री ने अधिकारियों के साथ फिर से बातचीत की और फैक्ट्री को बचाने के तरीकों पर सलाह-मशविरा किया। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक से कुछ जरूरी जानकारी भी हासिल की। मंत्री ने उस जगह का दौरा किया जहां मजदूर स्टील फैक्ट्री को फिर से शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, और परेशान मजदूरों को भरोसा दिलाया। आजादी से पहले मैसूरु के राजा नलवाड़ी कृष्णराज वॉडियार और सर एम. विश्वेश्वरैया की बनाई इस फैक्ट्री ने देश के स्टील सेक्टर में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इसलिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार किसी भी तरह से फैक्ट्री को बचाने के बारे में सोच रही है। स्टील मंत्री बनने के बाद यह इस फैक्ट्री का मेरा दूसरा दौरा है। उन्होंने कहा कि मेरा दौरा इस बात का सबूत है कि केंद्र सरकार ने फैक्ट्री के बारे में कितनी गंभीरता से सोचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टील सेक्टर को मजबूत करने को सबसे ज्यादा अहमियत दे रहे हैं। मोदी का मकसद स्टील प्रोडक्शन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। हम सब इस बारे में बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं। इसलिए, मंत्री ने कहा कि मजदूरों को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

संतों को राजनीति से दूर रहना चाहिए: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आदिचुंचुनागिरी मठ के निर्मलानंदनाथ स्वामी समेत वोक्कालिगा संतों ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की मुख्यमंत्री बनने की उम्मीदों का समर्थन किया है। वहीं केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा है कि धार्मिक गुरुओं को राजनीति से दूर रहना चाहिए। यहां पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने, जो वोक्कालिगा समुदाय से हैं, ने कहा कि धार्मिक गुरुओं को कांग्रेस के अंदरूनी मामलों में दखल देने की जरूरत नहीं है। कुमारस्वामी, जिनकी पार्टी एनडीए के साथ गठबंधन में है, ने कहा, जब मैं पावर से बाहर हुआ तो कोई संत मेरी मदद के लिए नहीं आया। संतों और राजनीति के लिए अलग-अलग काम होते हैं। राजनीति में जाति और धर्म को घसीटना अच्छा नहीं है। मैं संतों से अपील करता हूं कि वे कांग्रेस के अंदरूनी मामलों में धर्म या जाति को न लाएं।

सतीश जारकीहोली को मुख्यमंत्री बनाने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रायबाग से भाजपा विधायक दुर्योधन ऐहोल ने कहा है कि कांग्रेस नेता सतीश जारकीहोली, जो एक दलित नेता हैं, को राज्य का मुख्यमंत्री बनना चाहिए। शनिवार को बेलगावी में सुवर्ण सौधा में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि क्योंकि भाजपा का कोई भी दलित नेता मुख्यमंत्री नहीं बना, इसलिए उनकी इच्छा है कि कम से कम कांग्रेस के राज में कोई दलित नेता मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा अगर हमारे जिले के दलित नेता सतीश जारकीहोली मुख्यमंत्री बनते हैं तो हमें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि बेलगावी में विंटर सेशन शुरू होने से पहले कुर्सी की लड़ाई खत्म हो जानी चाहिए और सेशन में नॉर्थ कर्नाटक की समस्याओं पर रोशनी डालनी चाहिए और उन्हें हल करने की कोशिश करनी चाहिए। ऐहोल ने दावा किया कि सिर्फ सतीश जारकीहोली के पास मौजूद पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट से ही भाजपा और जेडीएस के विधायकों को विकास के लिए फंड मिला है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा विश्व एड्स दिवस' के वार्षिक राष्ट्रीय समारोह का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा सोमवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में 'विश्व एड्स दिवस 2025' के वार्षिक राष्ट्रीय समारोह के आयोजन का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव, नाको के अपर सचिव एवं महानिदेशक और स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, युवा प्रतिनिधि, समाज में इस कार्यक्रम के समर्थक, एचआईवी से पीड़ित (पीएलएचआईवी) और अग्रणी स्वास्थ्य कार्यकर्ता एक साथ आएंगे। यह एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की दिशा में भारत की यात्रा को गति देने के लिए एकजुट दृष्टिकोण को दर्शाता है।युवाओं के नेतृत्व में एक फ्लैश प्रदर्शन जागरूक और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार के महत्व पर जोर देगा। इसके बाद एक विषयगत प्रदर्शनी का उद्घाटन

होगा, जिसमें राष्ट्रीय एड्स एवं यौन संचारित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डिजिटल नवाचारों, कार्यक्रम की उपलब्धियों और समुदाय-आधारित मॉडलों को प्रदर्शित किया जाएगा। लाभार्थियों के अनुभवों की कहानियां और एक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति एनएसीपी-5 के तहत भारत की प्रगति और आगामी प्राथमिकताओं के बारे में बताएगी।

इस समारोह का एक प्रमुख आकर्षण नाको की राष्ट्रीय मल्टीमीडिया पहल के तहत एक नई अभियान वीडियो श्रृंखला का शुभारंभ होगा, जो तीन प्रमुख आधार, युवा एवं जागरूकता, ऊर्ध्वाधर संचरण का उन्मूलन और कलंक एवं भेदभाव, पर केंद्रित होगी। इसके अतिरिक्त, प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम संसाधन भी जारी किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में एक विशेष लाइव संगीत प्रदर्शन भी होगा, जिसका विषय शीघ्र जांच, उपचार और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीना होगा।

बता दें कि भारत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के वर्तमान चरण के अंतर्गत पर्याप्त प्रगति कर रहा है, एचआईवी की जांच 4.13 करोड़ (2020-21) से बढ़कर 6.62 करोड़ (2024-25) हो गई है। एंटीरेट्रोवायरल उपचार तक पहुंच वाले पीएलएचआईवी की संख्या 14.94 लाख से बढ़कर 18.60 लाख हो गई है।इसी अवधि में वायरल लोड परीक्षण 8.90 लाख से लगभग दोगुना होकर 15.98 लाख हो गया है।

पंजाब की कानून व्यवस्था, ड्रग्स और चंडीगढ़ मुद्दे पर संसद में हो चर्चा : हरसिमरत कौर बादल

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर बादल ने रविवार को शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा है कि संसद चलनी चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में कुछ और बातें होती हैं और सत्र में माहौल कुछ और होता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोगों के मुद्दे नहीं उठा पाता और जब सरकार उन्हें रोकती है, तो ऐसा लगता है कि दोनों में मिलीभगत चल रही है। इसी में सत्र खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुझे 18 साल हो गए हैं। इतना छोटा सत्र मैंने नहीं देखा। नवंबर की जगह दिसंबर में 15 दिन का शीतकालीन सत्र मैंने नहीं देखा।

इससे उनकी मंशा पता चलती है कि पंद्रह में से 7 दिन इसी लड़ाई में निकल जाएंगे कि हम बोलना चाहते हैं और हमें बोलने नहीं दिया जाएगा।हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि गुरु तेग बहादुर की शहादत के मौके पर सभी को 2 मिनट बोलने का मौका मिलना चाहिए। हमारे राज्य पंजाब में एक तरफ पाकिस्तान ड्रग्स, हथियार और गैरकानूनी चीजें देश में भेज रहा है। बीएसएफ, जो आधा पंजाब संभाल रही है, यह सब रोकने में कामयाब नहीं हो पा रही है।उन्होंने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था और ड्रग्स की स्थिति गंभीर हो गई है। हाईकोर्ट ने भी इसका नोटिस लिया और सरकार से जवाब मांगा। सरकार इसे रोक नहीं पा रही है। पंजाब में बाढ़ का मुद्दा भी है। डैम का भी मुद्दा है। बाढ़ में पंजाब को भारी नुकसान हुआ है। हमें इन सब मुद्दों को उठाना है।हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि एसआईटी, चुनाव के दौरान अकाउंट में पैसे भेजने समेत कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़, पंजाब यूनिवर्सिटी समेत कई मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं। पंजाब से दुश्मनी क्यों निकाली जा रही है? हम जवाब चाहते हैं।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एसआईआर की तिथि 11 दिसंबर तक बढ़ाई गई

भोपाल/रायपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सात दिनों के विस्तार की घोषणा की है। इसके साथ ही अपडेट मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी, 2026 को होगा। संशोधित कार्यक्रम के तहत बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) 11 दिसंबर तक घर-घर जाकर मतगणना पत्रक भरने का काम जारी रखेंगे, जबकि मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। जानकारी के अनुसार अब नागरिक 16 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं, जबकि दस्तावेज सत्यापन और क्षेत्रीय पूछताछ 16 दिसंबर से 7 फरवरी तक निर्धारित हैं। सभी सुधारों के साथ अंतिम मतदाता सूची अब 14 फरवरी को जारी की जाएगी।

एसआईआर की समयावधि राजनीतिक दलों और सिविल सोसायटी ग्रुप्स की शिकायतों के बीच बढ़ाई गई है। उनका कहना था कि एसआईआर की मूल समय-सीमा बहुत कम थी, खासकर ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में जहां मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेज जुटाने और जमा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

हालांकि, कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई ने सात दिनों की राहत को बेहद अपर्याप्त बताया है।

रायपुर में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पार्टी पहले ही राज्य चुनाव आयोग और भारत निर्वाचन आयोग, दोनों को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर पूरे तीन महीने के विस्तार की मांग कर चुकी है। एक सप्ताह का विस्तार दिखावा मात्र है।

उन्होंने कहा कि लाखों युवा मतदाता, खासकर पहली बार मतदाता बनने वाले युवा, साथ ही महिलाएं और दूरदराज के इलाकों के लोग, अभी भी अपने नाम दर्ज कराने या सही कराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इतनी जल्दबाजी में कोई सार्थक संशोधन पूरा नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस नेता ने बताया कि मध्य प्रदेश में अन्य विपक्षी दलों और मतदाता जागरूकता समूहों द्वारा भी लंबी संशोधन अवधि की मांग उठाई गई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया में जल्दबाजी करने का कोई भी प्रयास बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित होने का कारण बनेगा और अगर समय-सीमा में पर्याप्त ढील नहीं दी गई तो वे इस मामले को चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ के समक्ष उठाएंगे।

मध्य प्रदेश विधानसभा का पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र आज से, दो विधेयक किए जाएंगे पेश

भोपाल,30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होगा और 5 दिसंबर तक चलेगा, जो वर्तमान सदन की सातवीं बैठक होगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और पांच दिवसीय सत्र को बिना किसी व्यवधान के चलाने के लिए सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यूं तो सत्र पांच दिनों तक चलेगा, लेकिन सदन वास्तव में केवल चार बैठकों में ही कार्य करेगा। दरअसल, 3 दिसंबर मंगलवार को पड़ रहा है, जिसे पारंपरिक रूप से मध्य प्रदेश विधानसभा में समिति कार्य और अन्य विधायी कार्यों के लिए गैर-बैठक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सत्र से पहले सचिवालय को असामान्य रूप से भारी मात्रा में सूचनाएं प्राप्त हुई हैं।

अब तक 751 सूचीबद्ध प्रश्न और 746 अतारांकित प्रश्न स्वीकार किए जा चुके हैं, जिससे कुल प्रश्नों की संख्या 1,497 हो गई है।

सदस्यों ने 194 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, छह स्थगन प्रस्ताव, 52 शून्यकाल प्रस्तुतियां, 14 निजी सदस्य संकल्प, नियम 139 के तहत अत्यावश्यक लोक महत्व के मामलों पर चर्चा के लिए दो सूचनाएं और 15 याचिकाएं भी प्रस्तुत की हैं।इसके अलावा सरकार ने संक्षिप्त सत्र के दौरान दो विधेयक प्रस्तुत करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किए हैं।

अध्यक्ष तोमर ने अधिकारियों को सत्र-पूर्व सभी औपचारिकताएं समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए, जिनमें कार्यसूची की अंतिम छपाई और उसका प्रसार, डिजिटल प्रश्न प्रबंधन प्रणाली को अपडेट करना और निर्बाध लाइव प्रसारण और वेबकास्ट व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है।विपक्षी पार्टी कांग्रेस सरकार को कृषि संकट और बढ़ती बेरोजगारी से लेकर कानून-व्यवस्था और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर रही है। ऐसे में सीमित अवधि के बावजूद इस छोटे सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है।

दोनों पक्षों के नेताओं ने शनिवार शाम को अलग-अलग रणनीतिक बैठकें कीं, जिससे संकेत मिलता है कि प्रश्नकाल और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर पहले दिन से ही तीखी बहस देखने को मिलेगी।

बेटियों के भविष्य को सुरक्षित रखना हमारा प्रथम धर्म है : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। 'लव जिहाद' से पीड़ित महिलाओं की आपबीती पर आधारित कार्यक्रम में रविवार को प्रदेशभर से आई महिलाओं ने अपना दर्द बयां किया। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज विश्व हिन्दू परिषद द्वारा आयोजित 'जिहाद पीड़ित बहनों की कहानी, उन्हीं की जुबानी' कार्यक्रम में शामिल होकर उन बहादुर बहनों से संवाद किया, जिनका दर्द किसी भी संवेदनशील मन को झकझोर देता है। सीएम रेखा गुप्ता के अनुसार इन बहनों ने बताया कि कैसे 'लव जिहाद' की साजिशों ने उनका जीवन बर्बाद करने की कोशिश की और कैसे झूठी पहचान, धर्म परिवर्तन और मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न ने उन्हें ऐसी भयावह स्थितियों में पहुंचा दिया, जिनकी कल्पना भी असहज कर देती है।

उनकी कहानियां स्पष्ट कहती हैं कि यह कट्टरपंथी सोच अत्यंत भयानक है। धर्मांतरण को नया रूप देने वालों की इस प्रवृत्ति में नफरत है, विनाश है, और स्त्रियों पर अक्षम्य अत्याचार है। एक मां और बेटी होने के नाते वह पीड़ित महिलाओं के दर्द को सिर्फ सुन नहीं रहीं बल्कि भीतर तक महसूस कर रही हैं।उन्होंने कहा कि इन साहसी बहनों की आवाज किसी चेतावनी से कम नहीं। आपकी यह पहल हजारों बेटियों को जागरूक करेगी, उन्हें सतर्क रहने की शक्ति देगी।कार्यक्रम में डॉ. अतिरा की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक इन बहनों की सच्ची आपबीती का संग्रह है। इनके अनुभव हर माता-पिता और हर युवती के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज सिद्ध होंगे।उन्होंने कहा कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित रखना हमारा प्रथम धर्म है। विश्व हिन्दू परिषद के इस अभियान में हम हरसंभव सहायता और सहयोग देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के दिल्ली प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

1228 धाराये घटकर 480, श्रम कानूनों का सरलीकरण

निरीक्षण व्यवस्था ऑनलाइन, रैंडमाइज्ड सिस्टम से इंस्पेक्टर राज समाप्त-राजभर

लखनऊ,30 नवंबर (एजेंसियां)। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 29 पुराने श्रम अधिनियमों को एकीकृत करते हुए मजदूरी संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 तथा उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता 2020 को लागू कर दिया गया है। यह सुधार देश की श्रम व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनाते हुए श्रमिकों को सुरक्षा, सम्मान और समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराएंगे। नई संहिताएं 21 नवम्बर से पूरे देश में प्रभावी हो चुकी हैं।मीडिया से मुखातिब श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि इन सुधारों से श्रम कानूनों की जटिलता में ऐतिहासिक रूप से कमी आई है। पहले जहाँ 1228 धाराएँ थीं, अब उनकी संख्या घटाकर 480 की गई है। 1436 नियमों के स्थान पर केवल 351 नियम लागू किए गए हैं। 84 रजिस्टरों की जगह मात्र 8 रजिस्टर और 31 रिटर्न के स्थान पर एकल रिटर्न की व्यवस्था कर दी गई है। नियोक्ताओं का अनुपालन बोझ कम होगा और श्रमिकों के हितों का संरक्षण अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि ये संहिताएँ युवाओं, महिलाओं, गिग वर्कर्स और सभी श्रमिकों के जीवन में स्थिरता व सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी और आर्थिक वृद्धि को नई गति देंगी। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निरीक्षण व्यवस्था को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। रैंडमाइज्ड निरीक्षण प्रणाली से अब इंस्पेक्टर राज की अवधारणा समाप्त होगी और निरीक्षक की भूमिका सुविधा प्रदाता के रूप में विकसित होगी। किसी भी प्रथम उल्लंघन की स्थिति में नियोक्ता अधिकतम जुर्माने के 50 प्रतिशत का भुगतान कर उपशमन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे अनावश्यक अभियोजन नहीं होगा। इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा और उद्योगों को अनावश्यक विवादों से राहत मिलेगी।मजदूरी संहिता की चर्चा करते हुए मंत्री राजभर ने कहा कि वेतन की परिभाषा को एकीकृत

किया गया है और न्यूनतम वेतन अब सभी संगठित और असंगठित क्षेत्रों पर लागू होगा। वेतन भुगतान की समय-सीमा को अनिवार्य किया गया है और सेवा समाप्ति या त्यागपत्र की स्थिति में दो दिनों के भीतर सभी देयक का भुगतान किया गया है। ओवरटाइम के लिए दोगुने वेतन का प्रावधान, वेतन से कटौती की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत, तथा सभी कर्मचारियों को वेज-स्लिप देना अब अनिवार्य किया गया है, जिससे वेतन व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बनेगी।सामाजिक सुरक्षा संहिता की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को वैधानिक रूप से परिभाषित कर सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है। इनके कल्याण के लिए कोष का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सरकार के साथ एग्रीगेटर्स भी अपने टर्नओवर का 1 से 2 प्रतिशत योगदान करेंगे। फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के समान लाभ तथा एक वर्ष की सेवा पर ग्रेच्युटी का अधिकार मिलेगा। श्रमजीवी पत्रकारों के लिए ग्रेच्युटी पात्रता अवधि पाँच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष की गई है। सामान्य नागरिकों को राहत देते हुए निजी आवास निर्माण सीमा को बढ़ाकर 50 लाख किया गया है।औद्योगिक संबंध संहिता के बारे में मंत्री राजभर ने बताया कि इसमें तीन अधिनियमों को मिलाकर एक आधुनिक और स्पष्ट व्यवस्था बनाई गई है। 300 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में छंटनी या बंदी हेतु राज्य सरकार की अनुमति अनिवार्य। सामूहिक अवकाश को हड़ताल की परिभाषा में शामिल कर दिया गया है और 14 दिन की पूर्व सूचना के बिना किसी भी प्रकार की हड़ताल, तालाबंदी या अवकाश प्रतिषिद्ध होगा। उद्योगों और श्रमिकों के बीच समन्वय बढ़ाने हेतु शिकायत परितोष समिति,वार्ताकारी परिषद, दो सदस्यीय औद्योगिक अधिकरण का गठन किया गया।उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता की चर्चा करते हुए मंत्री राजभर ने बताया कि 13 पुराने कानूनों को समाप्त कर एक व्यापक और एकीकृत ढांचा तैयार किया गया है। इसमें कारखाने, बागान, खदान, पत्रकारिता, भवन निर्माण तथा सेवा क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कार्य घंटों और कार्यस्थल की उपयुक्तता संबंधी सभी प्रावधानों को आधुनिक रूप में लागू किया गया है। सभी प्रतिष्ठानों को अपने श्रमिकों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण कराना और उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है।मंत्री राजभर ने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय स्तर पर करियर केंद्र स्थापित करेगी, जहाँ रोजगार चाहने वाले युवाओं का डेटा संकलन, परामर्श, काउंसलिंग और रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। सम्पूर्ण पंजीकरण, आवेदन और पत्राचारथ प्रक्रिया अब पूर्णतः इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये सुधार उद्योगों के विकास, रोजगार विस्तार और श्रमिक कल्याण इन तीनों को एक साथ नई दिशा देंगे।इस अवसर पर डॉ एमके शन्मुगा सुंदरम, प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश। कुणाल सिल्कू, विशेष सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश। संदीप गुप्ता, निदेशक बॉयलर, कल्पना श्रीवास्तव, अपर श्रम आयुक्त, लखनऊ क्षेत्र। शमीम अख्तर, उप श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश। पंकज राणा, उप श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश। अजय मिश्रा, उप श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश आदि अधिकारी मौजूद रहे।

विकसित भारत के विजन को हर हाल में देना है मूर्त रूप

लखनऊ , 30 नवंबर (एजेंसियां)।प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक सर्किट हाउस सभागार मे शनिवार को वाराणसी में संपन्न हुई।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के विजन को हर हाल में मूर्त रूप देना है।गांव -गरीब के कल्याण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार समर्पित भाव से काम कर रही है।उत्तर प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है।ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं से सभी पात्र लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।महिला स्वावलंबन व आत्मनिर्भरता की ओर सरकार के कदम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

बैठक में एनआरएलएम योजना अंतर्गत प्रदेश मे एक करोड़ लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक समूह गठित करने एवं महिलाओं को जोड़ने के निर्देश दिए गए, जिन समूह को रिवाल्विंग फंड अभी तक नहीं मिला है,उनकी समीक्षा कर जल्द से जल्द दिलाने के निर्देश दिए गए। जनपद में संचालित सभी टी एच आर प्लांट को सोलर युक्त करने के निर्देश दिए गए।सीएसआर के अंतर्गत निर्माणाधीन बारात घरो को तत्काल पूर्ण कराने एवं उनका संचालन समूह से कराने के निर्देश दिए गए। ग्राम की समस्या ग्राम में समाधान के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित चौपाल का रोस्टर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के साथ ही नियमित चौपाल के निर्देश दिए गए। खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का पंपलेट के माध्यम से हर गांव में प्रचार प्रसार करने के साथ ही प्रत्येक गांव पंचायत में यूनिट लगाने के निर्देश दिए गए। बाबा साहब अंबेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना की समीक्षा में उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित होने वाले पात्र लाभार्थियों,जिनका रोजगार का काम शुरू हो चुका है,को अगली बैठक में बुलाया जाए।

अमृत सरोवरों को साफ-सुथरा रखने एवं उसमें पानी भरने के निर्देश दिए गए। पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित सड़कों के बारे में जानकारी ली गई। सरकार की जितनी कल्याणकारी योजनाएं हैं उन्हें ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र परिवार को हर प्रकार की योजनाओं का लाभ मिल सके।सीडीओ प्रखर कुमार सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 6 टी एच आर प्लांट चल रहे हैं, जिनमें जल्द ही सोलर प्लांट लगाने की कार्रवाई पूर्ण की जाएगी ।

जनपद में 60 बारात घर का निर्माण होना है, जिसमें से 8 बारात घर पूर्ण हो चुके हैं, जिनको जल्द ही संचालित करने की कार्रवाई की जाएगी। जनपद में प्रत्येक शुक्रवार को नियमित ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उनके द्वारा स्वयं भी प्रतिभाग कर जनता की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने सीडीओ को पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन के संबंध में संबंधित विभागों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए।

अगर कोई गरीब की जमीन पर कब्जा करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए, योगी ने दिए निर्देश

गोरखपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों से बातकर उनकी समस्याएं सुनीं और कहा, घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुण-वत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। इससे पहले शनिवार को भी सीएम ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं थीं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं।

सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण कराया जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब की जमीन पर यदि कोई कब्जा करने की कोशिश करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए।

गरीब की जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में अंबेडकरनगर से आई एक महिला ने बाजार गए अपने बच्चे के साइकिल सहित गायब होने की पीड़ा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकरण को संवेद-नशीलता से लिया जाए और बच्चे का पता लगाने को जरूरी कदम उठाए जाएं।

जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

एक महिला द्वारा किडनी के इलाज में डायलिसिस कराने की जरूरत और उसके लिए धनराशि न होने की बात कहने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि डायलिसिस के लिए पैसे की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने महिला को यह कहते हुए भरपूर आत्मीय संबल दिया, 'घबराओ मत उपचार की पूरी व्यवस्था कराई जाएगी।' मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों को चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

योगी आदित्यनाथ ऑफिस के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से जनता दर्शन की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और अधिकारों की पूर्ति ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज के सुशासन का आधार है। लोक-कल्याण हेतु दृढ़ संकल्पित महाराज जी ने आज गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं एवं अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

बीएसएनएलः आईएसडी कॉल धोखाधड़ी में दो पूर्व इंजीनियरों को 2 साल की कैद, 10-10 लाख रुपए का जुर्माना

लखनऊ,30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कोर्ट, लखनऊ ने अंतरराष्ट्रीय कॉलधोखाधड़ी के एक बड़े मामले में भारत संचार निगम लिमिटेड के दो पूर्व सब-डिवीजनल इंजीनियरों को दोषी ठहराते हुए कड़ा दंड सुनाया है। सीबीआई कोर्ट ने बीएसएनएल, गोरखपुर के तत्कालीन ग्रुप एक्सचेंज में कार्यरत रहे दो पूर्व एसडीई, हरि राम शुक्ला और गुलाब चंद चौरसिया, को दो साल की कैद के साथ-साथ 10-10 लाख रुपये (कुल 20 लाख) के भारी जुर्माने की सज़ा सुनाई है। सीबीआई ने यह मामला 18.09.2008 को दर्ज किया था। जांच में पता चला कि आरोपी एसडीई हरि राम शुक्ला और गुलाब चंद चौरसिया ने सितंबर 2003 से सितंबर 2004 के बीच अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आपराधिक षड्यंत्र रचा। आरोपियों ने छह पीसीओ

मालिकों और 18 व्यक्तिगत टेलीफोन ग्राहकों के साथ मिलकर उन्हें अनधिकृत रूप से उनके स्थानीय टेलीफोन कनेक्शनों पर ही आईएसडी सुविधाएँ प्रदान कर दी थीं।

इस साजिश के तहत, ये ग्राहक बांसगांव टेलीफोन एक्सचेंज के बजाय सीधे ट्रंक ऑटोमेटिक एक्सचेंज के माध्यम से बड़ी संख्या में अनधिकृत आईएसडी कॉल करते थे। इस तकनीकी हेराफेरी के कारण ये कॉल एक्सचेंज में मीटर नहीं हो पाती थीं, जिससे सरकारी खजाने को सीधा नुकसान हुआ। इस पूरे फ्रॉड के चलते बीएसएनएल को 88,42,112/- (अठासी लाख बयालीस हजार एक सौ बारह रुपये) का गलत नुकसान हुआ था।

सीबीआई ने गहन जांच के बाद 01.05.2010 को आरोपी हरि राम शुक्ला, गुलाब चंद चौरसिया और सिया राम अग्रहरि (तत्कालीन जेटीओ) के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। लंबी सुनवाई के बाद, माननीय न्यायालय ने दोनों एसडीई को दोषी ठहराया और तदनुसार, वित्तीय अपराध के लिए एक मिसाल कायम करते हुए भारी जुर्माने के साथ कारावास की सजा सुनाई।

उत्तर प्रदेश: एक और बीएलओ की मौत, मुरादाबाद डीएम बोले-एसआईआर से कोई संबंध नहीं

मुरादाबाद,30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में लगे एक बीएलओ की मौत के बाद प्रशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अनुज कुमार सिंह का कहना है कि इससे एसआईआर प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, रविवार सुबह मुरादाबाद में बीएलओ का काम कर रहे 45 वर्षीय टीचर सर्वेश सिंह ने अपने घर के अंदर ही फंदा लगाकर जान दे दी। उनकी जेब से तीन पेज का सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें बीएलओ ने टारगेट के टेंशन और अधिकारियों के दबाव को खुदकुशी का कारण बताया है। घटना को लेकर डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अनुज कुमार सिंह ने बताया कि सर्वेश सिंह जाहिदपुर

गांव के बूथ नंबर 406 पर तैनात थे। बीएलओ द्वारा बड़ा कदम उठाए जाने की सूचना मिली है। इसके साथ ही, एक नोट भी मिला है जिसमें कुछ बातें बताई गई हैं। लोकल पुलिस अभी पूरे मामले की जांच कर रही है, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।डीएम ने स्पष्ट किया कि उनके काम में कोई खास कमी नहीं थी। करीब 67 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हो चुके थे और लगभग 6 प्रतिशत अन्य मार्किंग भी पूरी की जा चुकी थी। काम लगभग अंतिम चरण में था। उन्होंने बताया कि सर्वेश सिंह के सुपरवाइजर, जो रिश्तेदारी में भी आते हैं, ने जानकारी दी कि वे लगातार सर्वेश से संपर्क में थे और उनकी मदद के लिए एक आंगनबाड़ी कर्मचारी भी साथ लगाया गया था।

डीएम का कहना है कि एसआईआर अभियान और इस कदम के बीच अभी सीधा संबंध पूरी तरह साबित नहीं हुआ है, पर जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए हो रही है। स्थानीय पुलिस परिवार के बयान, सुसाइड नोट की सामग्री और अन्य परिस्थितियों को देखकर पूरी घटना की पड़ताल कर रही है। आगे की सच्चाई जांच रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी। यूपी में एसआईआर अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 7 बीएलओ की मौत हो चुकी है, जिसमें से 3 बीएलओ ने आत्महत्या की है।

सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कफ सिरप तस्करी का मास्टरमाइंड भोला प्रसाद गिरफ्तार

सोनभद्र,30 नवंबर (एजेंसियां)।उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले की पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए कफ सिरप तस्करी के मास्टरमाइंड भोला प्रसाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्रग माफिया एवं कफ सिरप तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह बड़ी गिरफ्तारी की गई है। यह महत्वपूर्ण सफलता पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा विशेष अभियान के तहत

अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय और क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में गठित सोनभद्र पुलिस, एसआईटी व एसओजी टीम सोनभद्र ने प्राप्त की है। टीम द्वारा कोलकाता से कफ सिरप तस्करी के मास्टरमाइंड भोला प्रसाद जायसवाल को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह विदेश भागने की फिराक में था। भोला वाराणसी के आदमपुर का रहने वाला है। गिरफ्तारी के उपरांत पुलिस द्वारा कोलकाता में ट्रांजिट रिमांड के लिए न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसके क्रम में अभियुक्त को ट्रांजिट रिमांड पर सोनभद्र लाया जाएगा।

बता दें कि इसी साल 18 अक्टूबर को जनपद सोनभद्र में चेकिंग के दौरान दो कंटेनरों से 1,19,675 कफ सिरप की शीशियां बरामद की गई थीं। इसके अतिरिक्त, आरोपी बृज मोहन और शिवहरि की सूचना के आधार पर सोनभद्र पुलिस ने गाजियाबाद में संयुक्त कार्रवाई कर चार ट्रकों से भारी मात्रा में कफ सिरप और 20 लाख रुपए फंडिंग की नकदी बरामद की थी।जांच से स्पष्ट हुआ कि भोला प्रसाद जायसवाल द्वारा मेसर्स शैली ट्रेडर्स, रांची (झारखंड) के माध्यम से बड़े पैमाने पर कफ सिरप की नकली बिलिंग कर विभिन्न जनपदों में अवैध वितरण किया जा रहा था। एसआईटी जांच में जनपद भदोही, चंदौली, वार-ाणसी व सोनभद्र में लगभग 25 करोड़ रुपए के फर्जी लेन-देन का खुलासा हुआ, जिनमें से अधिकांश फर्में धरातल पर अस्तित्वहीन पाई गईं। संलिप्त खातों को फ्रीज कराया गया है। 29 नवंबर को ड्रग इंस्पेक्टर राजेश मौर्य द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर भारतीय न्याय संहिता तथा कई धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कराया गया।

कानून के शासन और संवैधानिक सिस्टम से चलता है देश : भूपेंद्र सिंह चौधरी

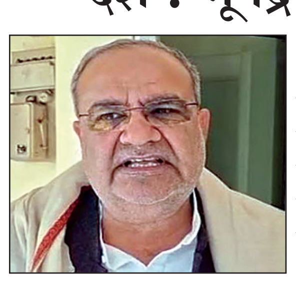

मुरादाबाद,30 नवंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी के बयान पर भूपेंद्र सिंह चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश कानून के शासन और एक संवैधानिक सिस्टम से चलता है और देश के मामले संविधान के तहत चलते हैं। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जो लोग जिहाद में शामिल हैं या ऐसे नेगेटिव मैसेज फैलाते हैं, उनके लिए अब देश में कोई जगह नहीं है। वे अब यहां नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मन की बात प्रोग्राम के जरिए देश को संबोधित करते हैं, और रविवार को हमें 128वें एपिसोड में उनका मार्गदर्शन पाने का मौका मिला। उन्होंने अलग-अलग विषयों पर जानकारी दी, चाहे वह खेल के क्षेत्र में भारत की तरक्की हो, सांस्कृतिक विकास हो, या दूसरे क्षेत्र हों। प्रधानमंत्री मोदी ने 2030 में भारत द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी, महिला हॉकी वर्ल्ड कप में भारत की हालिया जीत, और वेटलिफ्टिंग में देश की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और दूसरे विषयों पर चर्चा की।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के पोस्ट पर भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा, जनेश्वर पार्क, जो हमारी विरासत का हिस्सा है, एक राष्ट्रीय और राज्य की संपत्ति है। सरकार इसे ठीक से मैनेज कर रही है और अच्छे से मेंटेन कर रही है। समाज में अशांति पैदा करने के लिए इसके बारे में नकारात्मक बातें फैलाना समाजवादी पार्टी के एजेंडे का हिस्सा है।

बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि भाजपा सरकार पैसे के लालच में लखनऊ के 'हरित-हृदय' जनेश्वर मिश्र पार्क को अपनी इवेंटबाजी से दूर रखे। लखनऊ के नागरिकों का स्वच्छ हवा और हरियाली पर पूरा अधिकार है। हम सबको मिलकर एक नागरिक आंदोलन की तरह इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए। अगर हम अकेले विरोध करेंगे तो इसे राजनीतिक आंदोलन घोषित करके सरकार अपना उल्लू सीधा कर लेगी।

मदनी का बयान निंदनीय, जिहाद का मतलब समाज या देश के खिलाफ लड़ाई नहीं : मौलाना अबरार जमाल

सहारनपुर। मौलाना महमूद मदनी के जिहाद को लेकर हालिया बयान पर मुस्लिम संगठनों के भीतर से भी कड़ी प्रतिक्रिया आने लगी है। जमीयत हिमायतुल इस्लाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना कारी अबरार जमाल ने मदनी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जिहाद का वास्तविक अर्थ समझना जरूरी है। उन्होंने बताया कि जिहाद का मतलब किसी समाज या देश के खिलाफ लड़ाई नहीं, बल्कि बुराइयों के खिलाफ संघर्ष, सुधार और अच्छे कार्यों को बढ़ावा देना है। कारी अबरार जमाल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यदि

मौलाना महमूद मदनी अपने समुदाय के भीतर मौजूद समस्याओं, गलतफहमियों और उन लोगों के खिलाफ जिहाद की बात करते जो सीधे या परोक्ष रूप से आतंकवादियों का समर्थन करते हैं, तो उसका एक सकारात्मक और सार्थक संदेश जाता। उन्होंने कहा कि अगर वह आतंकवादियों के खिलाफ जिहाद का फतवा जारी करते, तो यह कदम वाकई समाज के लिए लाभकारी और प्रेरणादायक होता।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, मदनी की ओर से देश के करोड़ों सनातनियों के खिलाफ दिए जा रहे बयान अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। कारी अबरार जमाल ने कहा कि हिंदू समुदाय ने हमेशा मुसलमानों के साथ खड़े होकर भाईचारे और सद्भाव का परिचय दिया है। चाहे त्योहार हों, खुशियां हों या कठिन घड़ी।

उन्होंने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय भी हिंदू समाज ने मुसलमानों से कहा था कि यही आपका मुल्क है, हम आपकी हिफाजत करेंगे। ऐसे में हिंदुओं के खिलाफ जिहाद की बात करना निरर्थक और गलत है। कारी अबरार जमाल ने कहा कि ऐसे बयान देश के माहौल को खराब करते हैं और यह भारत की प्रगति के लिए भी ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है। ऐसे समय में जिहाद और आतंकवाद जैसे शब्दों को बढ़ावा देना समाज को गलत दिशा में ले जा सकता है।

उन्होंने मौलाना महमूद मदनी से अपील करते हुए कहा कि उन्हें मुसलमानों को राष्ट्रवाद और एकता का संदेश देना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करने वाला विमर्श। उलेमा को आतंकवाद के खिलाफ सख्त फतवा जारी करना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति आतंकवादी गतिविधियों में पकड़ा जाता है तो हम उसका जनाजा नहीं पढ़ेंगे, और उसे कब्रिस्तान में दफनाने की जगह भी नहीं देंगे।

यूपी : बिजली बिल राहत योजना से मिलेगी उपभोक्ताओं को बड़ी सहूलियत, सरचार्ज माफ और मूलधन में 25 प्रतिशत की कटौती

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एक दिसंबर से प्रारंभ हो रही बिजली बिल राहत योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का वह महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी कदम माना जा रहा है, जिसका सीधा लाभ आम नागरिकों और छोटे बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के घरेलू और छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को बिजली बिल के बोझ से राहत देना और उन्हें एक सरल, सम्मानजनक समाधान प्रदान करना है। इस योजना का लाभ उपभोक्ता एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक उठा सकेंगे। इस योजना के अंतर्गत पहली बार 100 प्रतिशत ब्याज और सरचार्ज माफी और मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट का प्रा-वधान किया गया है। 2 किलोवाट तक के छोटे घरेलू उपभोक्ता तथा एक किलोवाट तक के कनेक्शन वाले व्यावसायिक ग्राहकों को विशेष लाभ मिलेगा। इससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का विजन स्पष्ट होता है कि बिजली उपभोक्ताओं के साथ सहानुभूतिपूर्ण और सहयोगात्मक व्यवहार स्थापित किया जाए।

योगी सरकार में रोजगार और कौशल विकास की बदली तस्वीर, 5.66 लाख से अधिक युवाओं को मिली ट्रेनिंग

लखनऊ,30 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार की युवा-केंद्रित नीतियों ने न केवल राज्य के युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के नए द्वार खोले हैं, बल्कि उनमें स्वरोजगार, उद्यमिता और इनोवेशन का भी विकास किया है। एक ओर राज्य सरकार स्किल इंडिया मिशन और दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना के तहत युवाओं को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित कर रही है, वहीं दूसरी ओर रोजगार मेलों और इंक्यूबेशन सेंटरों के माध्यम से रोजगार के अवसर भी प्रदान कर रही है। जहां वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश में आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों तक किया गया है, तो वहीं उच्च तकनीकी के इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ की ये युवा केंद्रित पहलें विकसित यूपी, विकसित भारत-2047 के विजन को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वर्ष 2017 से अब तक स्किल इंडिया मिशन और दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना के तहत 5 लाख 66 हजार से अधिक आईटीआई और पॉलिटेक्निक प्रशिक्षित युवाओं को मिशन रोजगार के माध्यम से नौकरियां प्राप्त हुई हैं। इसके साथ

ही अप्रैल 2025 तक 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों के जरिए युवाओं को उद्योग उन्मुख कौशल प्रदान किया गया है, जिससे बेरोजगारी की दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

साथ ही सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं को स्व-रोजगार और स्टार्टअप अप भी विकसित करने के लिए हर संभव मदद की जाती है। उत्तर प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास व गुण-वत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए 1,747 सक्रिय ट्रेनिंग पार्टनर्स का चयन किया गया है। जिनके माध्यम से युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल प्रदान किया जाता है। साथ ही इनक्यूबेशन सेंटरों के माधयम से उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों जैसे डिजिटल मार्केटिंग, ईवी मैन्युफैक्चरिंग और एआई के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। यही नहीं समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा कौशल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलता है।

कौशल प्रशिक्षण अभियानों और प्रतियोगिताओं में रिकॉर्ड संख्या में प्रदेश के युवाओं की भागीदारी ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया है, साथ ही उन्हें प्रगति की नई राह भी दिखाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के प्रयासों से प्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थानों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2016-17 में यूपी में मात्र 42 मेडिकल कॉलेज थे तो वहीं वर्तमान में ये संख्या बढ़कर निजी व सरकारी को मिलाकर 80 हो चुकी है। इससे न केवल प्रदेश में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ी है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आया है।

इसी तरह उच्च तकनीकि प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी सीटों की संख्या में बढ़ोत्तरी की गई है। साथ ही इन संस्थानों में बनाए गए स्टार्टअप इंक्यूबेटर्स के जरिए युवा उद्यमिता को बढ़ावा मिला। ये पहलें न केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंची हैं, बल्कि महिलाओं, ओबीसी और एससी/एसटी समुदायों के लिए आरक्षण सुनिश्चित कर समावेशी विकास को भी सुनिश्चित कर रही हैं। रोजगार सृजन की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ का सबसे प्रभावी कदम नियमित रोजगार मेलों का आयोजन है। इसी क्रम में अगस्त 2025 में लखनऊ के तीन दिवसीय 'रोजगार महाकुंभ' में 100 कंपनियों ने 50,000 से अधिक नौकरियों के अवसर प्रदेश के युवाओं को प्रदान किए।

इन रोजगार मेलों में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों जैसे-एसबीआई, एचडीएफसी, स्विगी, जोमैटो, अमेजन और महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल होती हैं। आने वाले दिनों में लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, वाराणसी और मुजफ्फरनगर में रोजगार मेलों का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें 100 से अधिक कंपनियों की भागीदारी व 15,000 रोजगार के अवसरों के सृजन की संभावना है। साथ ही प्रत्येक जिले में मासिक प्लेसमेंट ड्राइव अभियान भी चलाया जाता है, जो युवाओं को सीधे नियोक्ताओं से जोड़ता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक आने वाले वर्षों में डिजिटल, एआई और ग्रीन जॉब्स पर फोकस के साथ उत्तर प्रदेश को स्किल हब बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मन को शांत करता है भ्रामरी प्राणायाम

मन को शांत कर तनाव और अवसाद दूर करने में बहुत फायदेमंद आसन है भ्रामरी प्राणायाम। भ्रामरी प्राणायाम करते समय भ्रमर अर्थात भंवरे जैसी गुंजन होती है, इसी कारण इसे भ्रामरी प्राणायाम कहते हैं। भ्रामरी प्राणायाम से जहां मन शांत होता है वहीं इसके नियमित अभ्यास से और भी बहुत से लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

कैसे करें यह आसन

भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए सुखासन, सिद्धासन या पद्मासन में बैठकर सबसे पहले दोनों हाथों की अंगुलियों में से अनामिका अंगुली से नाक के दोनों छिद्रों को हल्का सा दबाकर रखें। फिर तर्जनी को पाल पर, मध्यमा को आंखों पर, सबसे छोटी अंगुली को होठ पर और अंगुठे से दोनों कानों के छिद्रों का बंद कर दीजिए। फिर सांस को धीमी गति से गहरा खींचकर अंदर कुछ देर रोककर रखें और फिर उसे धीरे-धीरे आवाज करते हुए नाक के दोनों छिद्रों से निकालें। सांस छोड़ते वक्त अनामिका अंगुली से नाक के छिद्रों को हल्का सा दबाएं जिससे कंपन उत्पन्न होगा। जोर से पूरक करते समय भंवरी जैसी आवाज और फिर रेचक करते समय भी भंवरी जैसी आवाज उत्पन्न होनी चाहिए। पूरक का अर्थ सांस अंदर लेना और रेचक का अर्थ सांस बाहर छोड़ना।

इस आसन के फायदे

भ्रामरी प्राणायाम करने से मन शांत होता है और तनाव दूर होता है। इस ध्वनि के कारण मन इस ध्वनि के साथ बंध सा जाता है, जिससे मन की चंचलता समाप्त होकर एकाग्रता बढ़ने लगती है। यह मस्तिष्क के अन्य रोगों में भी लाभदायक है।

इसके अलावा यदि किसी योग शिक्षक से इसकी प्रक्रिया ठीक से सीखकर करते हैं तो इससे हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं। उच्च-रक्तचाप सामान्य होता है। हकलाहट तथा तुतलाहट भी इसके नियमित अभ्यास से दूर होती है। इससे पर्किन्सन, लकवा, इत्यादि स्नायुओं से संबंधी सभी रोगों में भी लाभ पाया जा सकता है।

बरतें थोड़ी सावधानी

भ्रामरी प्राणायाम को लेटकर नहीं किया जाता है। नाक या कानों में किसी प्रकार का संक्रमण होने कि स्थिति में यह अभ्यास ना करें। नहीं तो संक्रमण बढ़ सकता है। भ्रामरी प्राणायाम को शांत माहौल में ही करें, ताकि आप निकलने वाली आवाज हो आसानी से महसूस कर सकें।

फेसबुक फ्रेंड वजन घटाने में मददगार

ये युग टेक प्रेमियों का है और इसमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स का महत्वपूर्ण स्थान है। फेसबुक इन साइट्स में सबसे अव्वल है। इन सोशल साइट्स का हमारे जीवन में खासा दखल है और ये हमें कई प्रकार से प्रभावित भी करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फेसबुक फ्रेंड से भावनात्मक जुड़ाव आपका अतिरिक्त वजन कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद है तुलसी

सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

काम के साथ आंखों का रखें ख्याल

वर्तमान दिनचर्या में कंप्यूटर के बिना काम करना शायद असंभव है, लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठने के कारण इससे निकलने वाली नीली रोशनी से सबसे अधिक नुकसान आंखों को होता है। इसके कारण आंखों की रोशनी कम होती है। इसके अलावा लगातार कम्प्यूटर पर काम करने से आंखों में थकान, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द और आंखों के आसपास काले घेरे की समस्या आम बात है। ड्राई आई सिंड्रोम भी घंटों कंप्यूटर के प्रयोग के कारण होती है। इसलिए काम के साथ-साथ आंखों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अंधेरे में काम न करें

कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप हों वहां पर अंधेरा या कम रोशनी न हो। आपके कमरे की रोशनी कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी से कम न हो। अगर कमरे में अंधेरा होगा या कमरे की रोशनी कम होगी तो कंप्यूटर से निकलने वाली किरणें आंखों को अधिक प्रभावित करेंगी। कंप्यूटर से आंखों की दूरी काम करते वक्त अपनी कुर्सी की ऊंचाई को कम्प्यूटर के हिसाब से ही रखें। कंप्यूटर को अपनी आंखों से 30 सेमी की दूरी पर रखें।

पलकों को झपकाते रहें

काम के दौरान पलकों को झपकाते रहें, इससे आंखों की नमी बरकरार रहेगी और आंखों सूखेंगी नहीं। लंबे समय तक पलक नहीं झपकाने से आंखों से पानी बहने लगता है।

काम के बीच ब्रेक लें

अगर आप लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। कोशिश करें कि

30-40 मिनट के बाद अपनी नजर को दूर किसी वस्तु पर ले जाएं, अपने से लगभग 20 फिट की दूरी पर दूसरी वस्तु को देखें। एक घंटे तक काम करने के बाद 10 मिनट के लिए कंप्यूटर की स्क्रीन बंद कर दें।

हेल्दी स्नैक लेते रहें

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन बहुत जरूरी है। खाने में विटामिन ए, ई और सी को जरूर शामिल करें। ये आंखों के लिए आवश्यक हैं। दूध और दूध से बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, पपीता, गाजर विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं, इनको अपने आहार में शामिल करें। काम के बीच में भी स्वस्थ और विटामिन युक्त हेल्दी स्नैक लेते रहें।

आंखों के व्यायाम

काम के बीच में आंखों में थकान हो जाती है, इससे बचाने के लिए काम के दौरान ही आंखों के व्यायाम कीजिए। अपनी हथेली और उंगली से आंखों को बंद करके उनपर मालिश करें। बीच-बीच में आंखों की पुतलियों को चारों ओर घुमाएं। इससे आंखों को आराम मिलता है। बीच-बीच में पानी के छींटे भी मार सकते हैं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर नींद जरूरी है, कम से कम आठ घंटे की नींद लें, आंखों में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का ही प्रयोग करें। अपनी आंखों की नियमित रूप से जांच कराएं।

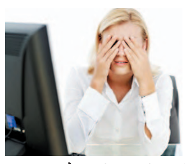

डिलीवरी के बाद महिलाओं में होते हैं ये बदलाव

जैसे कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं ठीक उसी प्रकार प्रसव के बाद भी महिला के शरीर में कई बड़े बदलाव आते हैं, विशेषकर पहले हफ्ते में। प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में बदलाव होना स्वाभाविक है। कुछ महिलाएं गर्भधारण के शुरूआत से ही अपना पूरा ख्याल रखती हैं, ऐसी महिलाओं के शरीर में प्रसव के बाद काफी कम बदलाव होते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि यह महिला गर्भवती हुई ही नहीं थी। जबकि कई महिलाओं के शरीर में काफी ज्यादा बदलाव देखने को मिलते हैं। फिर भी आमतौर पर प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में छोटे-छोटे बदलाव तो जरूर होते हैं।

त्वचा में बदलाव

बच्चे के जन्म के बाद जिन महिलाओं की त्वचा रूखी होती है, उनकी त्वचा पहले से और भी अधिक रूखी हो जाती है। गर्भावस्था में स्तन, पेट और जांघों की त्वचा खिंच जाती है। इस खिंचाव के कारण महिलाओं के शरीर की त्वचा पर हल्के रंग के दाग दिखाई पड़ने लगते हैं।

वजन बढ़ना

गर्भावस्था की अवधि के दौरान लगभग सभी महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। प्रसव के बाद भी महिलाओं का वजन अधिक ही बना रहता है। अधिक चिकनाईयुक्त भोजन करने, मेवे आदि के सेवन के कारण महिलाओं का भार बढ़ता चला जाता है। जिन महिलाओं का वजन अधिक होता है। उनके शरीर पर पके हुए लाल रंग के घाव दिखाई पड़ने लगते हैं। शरीर के वजन को कम करने के लिए किसी विशेषज्ञ की देखरेख में व्यायाम करना चाहिए।

बालों का झड़ना

बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के सर के बालों का टूटना, पतला होना, बालों का सफेद होना, बालों का न बढ़ना जैसी परेशानियां आम बात है। आमतौर पर यह खुद ही ठीक हो जाते हैं। इस समस्या से बचने के लिए पौष्टिक आहार लें और बालों की उचित देखभाल करें।

दांतों में परेशानी

प्रसव के बाद महिलाओं के दांतों की चमक कम हो जाती है। दांतों में दरारे, दांतों में छेद, मसूड़ों का सूजना एवं मवाद का आना आदि समस्याएं भी उत्पन्न हो जाती है।

पैरों में बदलाव

महिलाओं में प्रसव के बाद शरीर के लिंगामेंट मांसपेशियों तथा दो हड्डियों के बीच बांधने वाली नलिकाएं ढीली हो जाती है, जिससे पैरों के आकार में परिवर्तन हो जाता है। प्रसव के बाद हड्डियों का आकार बदल जाता है। इस कारण महिलाओं के चाल में भी परिवर्तन आ जाता है। इसकी वजह से कमर तथा कूल्हों में दर्द है।

मानसिक बदलाव

कई बार प्रसव के बाद महिलाओं को रोने का मन करता है। या कई अलग-अलग तरह के विचार दिमाग में आते हैं। यह शरीर में हुए हार्मोनल बदलाव के कारण हो सकता है।

भोजन के समय पानी पीने के नुकसान

यूं तो पानी पीना एक अच्छी आदत है। किसी भी रोग को दूर भगाने के लिए पानी एक रामबाण इलाज है। लेकिन क्या आपको पता है खाना खाते समय पानी पीना कितना हानिकारक है आपके स्वास्थ के लिए? इसका सीधा असर आपकी पाचन शक्ति पर होता है। कभी भी खाना खाने के आधे घंटे या 1 घंटे तक पानी नहीं पीना चाहिए।

क्यों न पीएं भोजन के दौरान पानी

भोजन के समय पानी पीने से यह पेट की सतह द्वारा सोख लिया जाता है। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक कि पेट में पाचन के लिए जरूरी द्रव्य इतने अधिक गाढ़े न हो जाएं कि वे भोजन को पचा सकें। लेकिन खूब सारे पानी पीने के कारण यह द्रव्य पेट में मौजूद भोजन से भी अधिक गाढ़ा हो चुका होता है, ऐसे में भोजन पचाने के लिए पेट में गैस्ट्रिक जूस बनना शुरू हो जाता है। परिणाम स्वरूप भोजन नहीं पचता और सीने में जलन होती है।

महत्वपूर्ण बातें

- यदि भोजन सादा हो तो भोजन के समय पानी न पीना लाभकारी होता है। लेकिन जब भोजन अधिक तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन, खट्टा हो तो पानी पीना आवश्यक है, ऐसे में पानी पीने से आपके शरीर को कोई नुकसान नहीं होगा।
- इसके विपरीत यदि भोजन प्राकृतिक हो और भोजन को अच्छी तरह से चबा-चबाकर खाते हैं तो भोजन के बीच पानी पीने की कोई आवश्यकता नहीं होती।
- तीखा या चटपटा भोजन करते समय ध्यान रखें कि प्यास लगने पर एक या दो घूंट पानी ही पीएं। ज्यादा पानी से पाचन सही से नहीं हो पाता है।
- भोजन करते समय अगर आपको खांसी आती हो और भोजन के बीचमें पानी पीने की जगह दूध, मट्ठा व दही का सेवन करें। इससे आपका भोजन सही से पच सकेगा।
- सर्दियों के मौसम में ठंडा पानी पीने से बचें क्योंकि इस मौसम में आपकी पाचन शक्ति काफी कमजोर होती है।
- भोजन के बीच में पानी पीने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है।
- भोजन के बाद एक कप गर्म पानी पीने से आपकी पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाने को पचने में मदद मिलती है।
- अगर आप खाने के साथ अन्य कोई पेय पदार्थ जैस कोल्ड ड्रिंक य दूध लेते हैं तो यह आपके पाचन शक्ति के लिए ठीक नहीं हैं। क्योंकि खाना खाने के साथ यह पेय पदार्थ भी कुछ हद तक वैसा ही काम करते हैं जैसा कि पानी।

कुल मिलाकर पानी पीना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, लेकिन दिन में पानी तो आप खूब पिएं लेकिन भोजन के साथ ज्यादा पानी न पिएं। आप सुबह उठकर खूप पानी पी सकते हैं, या दिन में थोड़ा-थोड़ा कर 3 से 4 लीटर पानी पी सकते हैं।

चुस्त रहने के लिए जरूरी है शरीर में पर्याप्त हो आयरन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अन्य विटमिन की ही तरह आयरन से भरपूर आहार लेना भी बहुत जरूरी होता है। आयरन की जरूरत हीमोग्लोबिन बनाने के लिए होती है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है जो अंगों व ऊत्तकों में ऑक्सीजन वहन करने का काम करता है। पर जब भी आयरन की बात आती है तो बेस्ट सोर्स के तौर पर पालक का नाम ही दिमाग में आ जाता है। लेकिन जानना होगा कि सिर्फ पालक ही आयरन का बेस्ट सोसज़ नहीं है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे पोषक तत्वों और सप्लीमेंट्स के जरिए हम खून में आयरन की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

गुड़ खाकर दूर करें आयरन की कमी

अगर आयरन की पयाज़्‍त मात्रा न हो, तो इसका असर हमारे शरीर के कई अंगों पर पड़ता है। गुड़ एक ऐसा आहार है जिसमें आयरन बहुत अधिक पाया जाता है। गुड़ गन्ने से तैयार एक शुद्ध, अपरिष्कृत चीनी है। यह खनिज और विटमिन है जो मूल रूप से गन्ने के रस में ही मौजूद हैं। गुड़ को चीनी का शुद्धतम रूप माना जाता है। गुड़ आयरन का एक प्रमुख स्त्रोत है और अनीमिया के शिकार व्यक्ति को चीनी के स्थान पर इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

आयरन अवशोषण ऐसे बढ़ाएं

शाकाहारी खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन आपके शरीर के ज्यादा से ज्यादा काम कैसे आए यह जानना भी जरूरी है। इसमें विटमिन सी आपकी मदद कर सकता है। ताजा सब्जियां और खट्टे फल विटमिन सी के सबसे अच्छे ेात हैं। इसके साथ ही आप चाहें तो मसूर के सूप में लाल शिमला मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर पिएं।

इतने आयरन की जरूरत

सामान्य महिला को एक दिन में 18 मिलीग्राम आयरन की आवश्यकता होती है, गर्भावस्था के दौरान महिला को 27 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। वहीं, पुरुषों को रोजाना 8 मिलीग्राम आयरन की जरूरत होती है। 14 से 18 साल की आयु की लड़कियों को 15 मिलीग्राम आयरन की रोजाना आवश्यकता होती है।

यह सोचना गलत है कि पालक में ही सबसे ज्यादा आयरन होता है। रेड मीट में ज्यादा मात्रा में आयरन होता है जो फायदेमंद है। पर इसे ज्यादा मात्रा में नहीं खाना चाहिए।

– **डॉ सरनजीत सिंह,** स्पोर्ट्स मेडिसिन स्पेशियलिस्ट

आयरन की कमी के लक्षण

■ जीभ में दर्द ■ बालों का झड़ना ■ सिर में दर्द ■ चक्कर आना ■ थकान लगना ■ भूख न लगना ■ नाखूनों में सफेदी आ जाना ■ कमजोरी

इन फूड्स से मिलेगा आयरन

■ **वेज:** फलियां, नट्स, बादाम, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां।

■ **नॉनवेज:** रेड मीट और मछली

■ **फल:** खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, अनार

ऑल टाइम फेवरेट शॉर्ट मिडी और वन पीस ड्रेसेज

इस बार सर्दी कम है, इसलिए पार्टी में ड्रेस का स्टाइल भी कुछ डिफरेंट होगा। यंगस्टर्स सेलिब्रेशन में लेटेस्ट फैशन कैरी कर रहे हैं। इसे देखते हुए मैटेलिक टच में वन पीस ड्रेस और गाऊन का ट्रेंड देखा जा रहा है। साथ ही लांग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को भी गर्ल्स पसंद कर रही हैं। पार्टी में शॉर्ट ड्रेस के साथ ही स्पेशल दिखने के लिए सिल्वर और गोल्डन कलर में ड्रेसेस डिजाइन यूथ ने सबसे ज्यादा कराई हैं।

लांग टॉप

यह एक तरह का टॉप है, जो थोड़ा डीप लेंथ का है। इसको लेगिंग्स, जेगिंग्स और जींस के साथ मैच किया जा सकता है। स्पेशल ओकेजंस को देखते हुए ये ड्रेस परफेक्ट है, क्योंकि इसे मलमल कॉटन से बनाया गया है, जो रात में लाइट से रिफ्लेक्ट होकर काफी चमकता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स

मक्खी नेट शॉर्ट्स का फैशन भी इन दिनों काफी पॉपुलर हो रहा है। फ्लॉवर इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। ये ड्रेस दिखने में जितनी ट्रेंडी है पहनने में उतनी ही आरामदायक भी है। ये ड्रेस कूल और डिसेंट दोनों ही लुक देती हैं। सेलिब्रिटी से हिट हुआ शॉर्ट मिडी का फैशन अब सिटी में भी एंट्री मार चुका है। यह एक तरह का लांग टॉप होता है जिसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ तो पहना ही जा सकता है साथ ही इसको वन पीस की तरह से भी यूज किया जा सकता है। ये ड्रेस पहनने में काफी कम्फर्टेबल होती हैं।

वेल्वेट ड्रेसेस

न्यू ईयर पार्टी के लिए लाइक्रा और वेल्वेट ड्रेसेस डिजाइन किए जा रहे हैं। वन पीस ड्रेस खासतौर पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन की जा रही हैं। वहीं, ईवनिंग गाउन से लेकर, वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में अवेलेबल हैं।

रेसिपी

करेले का चटपटा अचार

सामग्री

- 1 किलो करेला
- 2 चम्मच नमक
- 1 चम्मच हल्दी
- 1 चम्मच सोंठ
- 1/4 कप मिर्च पावडर
- 1/4 कप भुनी और कुटी अजवायन
- 2 चम्मच सौंफ, भुना और पावडर किया हुआ
- 2 कप नींबू का रस एक कांच का जार

विधि

करेले के ऊपर का कठोर हिस्सा चाकू से घिस लें, फिर उसे लंबा लंबा काट लें। करेले को नमक में मिलाएं और 3-4 घंटे के लिए रख दें। फिर करेले को हाथों से दबा कर निचोड़ लें और उसक बीज को निकाल कर साफ पानी से धो लें। उसके बाद फिर से करेले को निचोड़ें। अब मसाले में नींबू का जूस मिक्स करें, जिससे उसमें नमी आ जाए। फिर इस मसाले को करेले के अंदर भर कर उसे धागे से कटस कर लपेट दें, जिससे वह बंध जाए। अब इन करेलों को जार में भर दें और ऊपर से नींबू का रस मिला कर कवर कर दें। इसे 3-4 दिन धूप दिखा कर तीन चार हफ्तों बाद खाएं। एक बार जब करेले का अचार तैयार हो जाए तब इसे छोटे छोटे पीस में काट कर सर्व किया जा सकता है।

रागी डार्क चॉकलेट

सामग्री

- 100 ग्राम कंपाउंड डार्क चॉकलेट
- 2 अंडे 1/2 कप कैस्टर शुगर या ब्राउन शुगर
- 1/2 कप पिघला बटर
- 1/2 कप रागी आटा
- 1/2 चम्मच बेकिंग पावडर
- 2 टी स्पून विस्की

विधि

ओवन को पहले 100 डिग्री सेल्सियस पर गरम कर लें। फिर कंपाउंड चॉकलेट को छोटे टुकड़ों में तोड़कर डबल बॉइलर में पिघला लें। फिर इसे किनारे रखें और ठंडा होने के लिए किनारे रख दें। एक बाउल में अंडे अच्छे से फेटें और उसमें शक्कर धीरे धीरे मिलाएं। अब पिघला चॉकलेट और पिघला बटर एक साथ मिक्स करें। फिर इस मिश्रण को अंडे और शक्कर वाले मिश्रण में मिक्स करें। अब रागी और बेकिंग पावडर को छान लें। फिर इसे पहले बताए गए मिश्रण में धीरे धीरे मिक्स करें। ध्यान रखें कि गांठे ना पड़ें। साथ ही ओवर मिक्स भी ना करें। अब आखिर में विस्की मिलाएं और आखिरी बार चलाएं। इस मिश्रण को बेकिंग टिन जो कि 6 इंच की चौड़ाई में हो, उसमें पलटें। इसे ओवन में 15 मिनट तक पकाएं और जब यह हो जाए तब उसमें फोर्क घुसा कर चेक कर लें। फिर इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने के लिये रखें। फिर इसे सर्व करें।

संपादकीय

त्रासदी की चुनौतियां

भारत को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है। यह भारत की आर्थिक उन्नति, आधारभूत ढांचे, खेल की व्यवस्थाओं की बड़ी सफलता की शुरुआत है। यदि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 के राष्ट्रमंडल खेल कामयाबी से सम्पन्न हो गए, तो 2036 के ओलिंपिक की मेजबानी का भारत का दावा काफी मजबूत होगा। ओलिंपिक जैसे विराट आयोजन से हमारी अर्थव्यवस्था एक ऊंची छलांग लगा सकती है। बहरहाल राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत से पहले हरियाणा में बास्केटबॉल के दो होनहार, राष्ट्रीय खिलाडियों की त्रासदी सवाल भी पैदा करती है और चुनौती भी है। हम किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकते। बास्केटबॉल का उल्लेख होता है, तो महान खिलाड़ी शाक्विले ओ' नील की याद ताजा हो जाती है। एनबीए के कई बार चैम्पियन रहे नील का वजन, खिलाड़ी होने के बावजूद, 140 किग्रा से अधिक था। उन्होंने 19 साल के अपने करियर में 2626 बार गेंद हवा में उछाल कर बास्केट में जोर से पटकी। एक किस्म के गोल किए, लेकिन न तो कभी बास्केट का फ्रेम टूटा और न ही पोल गिरा। एनबीए खिलाडियों का औसत वजन 98 किग्रा होता है। उन्होंने हर सीजन में करीब 11,000 बार गेंद बास्केट में डाली है और गोल किए हैं, लेकिन कभी त्रासद दुर्घटना नहीं हुई। तो हरियाणा में अमन कुमार और हार्दिक राठी बास्केटबॉल के फ्रेम के नीचे दबकर कैसे मर गए? वे भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत सकते थे। वे किसी दिन नील के स्तर तक भी पहुंच सकते थे! उसे सिर्फ 'घटना' करार देकर अथवा खिलाडियों के परिजनों को मुआवजा देकर शांत नहीं किया जा सकता। उनकी मौत मानवीय एजेंसी के क्षेत्र के पार मानी जा रही है। अर्थात हालात मानवीय नियंत्रण के पार थे। क्या फ्रेम इसलिए गिरे, क्योंकि उसके स्टील पोल्स अत्यधिक जंग खा चुके थे, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थे? यह संभव हो सकता है, लेकिन यह फ्रेम और पोल्स के गिरने तक सीमित है। आखिर अमन और हार्दिक की मौत कैसे हुई? यही व्यवस्था का सवाल है, जो राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के दौरान बार-बार उठेगा, क्योंकि यह भारत की जिम्मेदारी और जवाबदेही होगी। हरियाणा के उस क्षेत्र में खेल-व्यवस्था क्या अंधी-बहरी थी, जो फ्रेम, पोल्स की जर्जर अवस्था देख नहीं सकी? उसे बार-बार आगाह किया गया, लेकिन व्यवस्था नजरअंदाज करती रही, लिहाजा खेल अधिकारियों का निलंबन ही पर्याप्त नहीं है। यदि हरियाणा सरकार खेल के प्रति गंभीर और संवेदनशील है, तो उस इलाके के सभी जिम्मेदार अफसरों को बर्खास्त किया जाए और जांच भी उच्चस्तरीय की जाए। हाल ही में भारत की दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट खिलाडियों ने पहली बार विश्व कप जीता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अपने आवास पर बुला कर न केवल प्रोत्साहित किया, बल्कि अपने हाथों से मिठाई भी खिलाई। उन खिलाडियों को जो नकद पुरस्कार मिलेंगे, वे अलग हैं। दृष्टिबाधित खिलाड़ी और क्रिकेट जैसे खेल का विश्व कप...सचमुच असंभव, अकल्पनीय लगता है, लेकिन खिलाडियों का हर स्तर पर पालन-पोषण करना पड़ता है, तब वे देश के लिए पदक और ट्रॉफी जीत सकते हैं। बेशक रोहतक में जिस तरह हार्दिक पर फ्रेम गिरा था, उसके वीडियो ने देश को खौफजदा कर दिया होगा! बास्केटबॉल को अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल करने पर गंभीर विचार जारी है, लेकिन अब हमारी पदक दावेदारी कमजोर होगी।

बहरहाल राष्ट्र मंडल खेलों की शुरुआत से पहले हरियाणा में बास्केटबॉल के दो होनहार, राष्ट्रीय खिलाडियों की त्रासदी सवाल भी पैदा करती है और चुनौती भी है। हम किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकते। बास्केटबॉल का उल्लेख होता है, तो महान खिलाड़ी शाक्विले ओ' नील की याद ताजा हो जाती है। एनबीए के कई बार चैम्पियन रहे नील का वजन, खिलाड़ी होने के बावजूद, 140 किग्रा से अधिक था। उन्होंने 19 साल के अपने करियर में 2626 बार गेंद हवा में उछाल कर बास्केट में जोर से पटकी। एक किस्म के गोल किए, लेकिन न तो कभी बास्केट का फ्रेम टूटा और न ही पोल गिरा। एनबीए खिलाडियों का औसत वजन 98 किग्रा होता है। उन्होंने हर सीजन में करीब 11,000 बार गेंद बास्केट में डाली है और गोल किए हैं, लेकिन कभी त्रासद दुर्घटना नहीं हुई। तो हरियाणा में अमन कुमार और हार्दिक राठी बास्केटबॉल के फ्रेम के नीचे दबकर कैसे मर गए? वे भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और राष्ट्र मंडल खेलों में पदक जीत सकते थे। वे किसी दिन नील के स्तर तक भी पहुंच सकते थे! उसे सिर्फ 'घटना' करार देकर अथवा खिलाडियों के परिजनों को मुआवजा देकर शांत नहीं किया जा सकता। उनकी मौत मानवीय एजेंसी के क्षेत्र के पार मानी जा रही है। अर्थात हालात मानवीय नियंत्रण के पार थे। क्या फ्रेम इसलिए गिरे, क्योंकि उसके स्टील पोल्स अत्यधिक जंग खा चुके थे, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थे? यह संभव हो सकता है, लेकिन यह फ्रेम और पोल्स के गिरने तक सीमित है।

भारत की सीमाओं के बदलने की उम्मीद तो देश का एक तबका काफी अरसे से कर रहा है

एक इतिहास की धारणा को बल, एक भूगोल का इंतजार

उमेश चतुर्वेदी

करगिल युद्ध के खलनायक तब तक पाकिस्तान का शासक हो चुका था। मुशर्रफ तानाशाह राष्ट्रपति बन चुके थे। करगिल का जख्म चूंकि अभी हरा था, लिहाजा मुशर्रफ की यात्रा उत्सुकता, उम्मीद और आशंका के दायरे में थी। जैसा कि ऐसी यात्राओं के दौरान होता है, कूटनीतिक तैयारियां भी खूब होती हैं। परवेज की यात्रा के ठीक पहले अपने चिर-परिचित अंदाज में पाकिस्तान ने कश्मीरी आत्मनिर्णय को लेकर कूटनीतिक दबाव बनाना शुरू कर दिया था। यात्रा के एक या दो दिनों पहले की बात है। दिल्ली में सिंधी समाज ने मुशर्रफ की यात्रा के मद्देनजर एक कार्यक्रम रखा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के सामने पाकिस्तान की उस कोशिश का जिक्र किया गया तो भरे मंच से उन्होंने पाकिस्तान को चेता दिया था, 'अगर पाकिस्तान कश्मीर का सवाल उठाएगा तो भारत जवाबी रूप से सिंध के आत्मनिर्णय का सवाल उठाएगा।'

जुलाई 2001 का दूसरा हफ्ता था। राजधानी दिल्ली और आगरा में बड़ी हलचल थी। इस हलचल पर समूचे देश या यूं कहिए कि दक्षिण एशिया की विशेष निगाह थी। वजह थी, पंद्रह जुलाई से शुरू हो रही परवेज मुशर्रफ की भारत यात्रा। करगिल युद्ध के खलनायक तब तक पाकिस्तान का शासक हो चुका था। मुशर्रफ तानाशाह राष्ट्रपति बन चुके थे। करगिल का जख्म चूंकि अभी हरा था, लिहाजा मुशर्रफ की यात्रा उत्सुकता, उम्मीद और आशंका के दायरे में थी। जैसा कि ऐसी यात्राओं के दौरान होता है, कूटनीतिक तैयारियां भी खूब होती हैं। परवेज की यात्रा के ठीक पहले अपने चिर-परिचित अंदाज में पाकिस्तान ने कश्मीरी आत्मनिर्णय को लेकर कूटनीतिक दबाव बनाना शुरू कर दिया था। यात्रा के एक या दो दिनों पहले की बात है। दिल्ली में सिंधी समाज ने मुशर्रफ की यात्रा के मद्देनजर एक कार्यक्रम रखा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के सामने पाकिस्तान की उस कोशिश का जिक्र किया गया तो भरे मंच से उन्होंने पाकिस्तान को चेता दिया था, 'अगर पाकिस्तान कश्मीर का सवाल उठाएगा तो भारत जवाबी रूप से सिंध के आत्मनिर्णय का सवाल उठाएगा।' इस वाकये का जिक्र इसलिए हो रहा है कि देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ठीक चौबीस साल बाद सार्वजनिक मंच से कहा है कि भविष्य में सिंध भारत का हिस्सा हो सकता है। भारत की सीमाओं के बदलने की उम्मीद तो देश का एक तबका काफी अरसे से कर रहा है। लेकिन उसका ध्यान सिंध की बजाय बलूचिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर ज्यादा रहा है। सिंध का सवाल अपेक्षाकृत कम चर्चित और कम ध्यातव्य रहा है। लेकिन यह बात चूंकि देश के रक्षा मंत्री ने कही है तो यह मामला गंभीर हो जाता है। हो सकता है कि यह राजनाथ सिंह का निजी विचार हो। लेकिन वे भारत की आधिकारिक शासक मोदी कैबिनेट के दूसरे नंबर के व्यक्ति हैं। इसलिए उनके शब्द कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाते हैं और उन शब्दों का प्रभाव राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पड़ने स्वाभाविक है। बंटवारे से पहले सिंध की ज्यादातर आबादी हिंदू थी। प्रचलित शब्दों में वहां के लोगों को सिंधी कहा जाता है। सिंध के बंटवारे को यहां के हिंदू समाज ने ना तो व्यवहारिक माना, और ना ही उचित। आज यह पाकिस्तान का तीसरा बड़ा प्रांत है, जिसका क्षेत्रफल एक लाख 40 हजार 914 वर्ग किलोमीटर है। गुजरात के कच्छ का रण और राजस्थान का थार रेगिस्तान इसके पूर्व में स्थित है, जबकि दक्षिण में इसका पांव अरब सागर पखार रहा है। अरब सागर के ही किनारे स्थित कराची पाकिस्तान का आर्थिक केंद्र है, जैसे भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई है। दुनिया के चाहे जिस भी हिस्से में हिंदू समाज रहता है, अपने धार्मिक और संस्कार वाले कामों, पूजा-अर्चना आदि में सबसे पहले खुद को एक मंत्र से पवित्र करता है और अर्चना में जिस जल का उपयोग

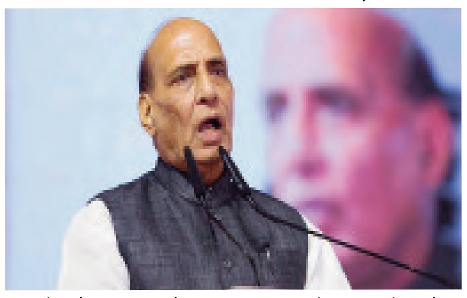

करता है, उसे वह एक मंत्र के जरिए पवित्र करता है। वह मंत्र है, ₹गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती, नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु₹। जिसका अभिप्राय है कि गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु और कावेरी के जले से यह अर्चन कार्य करता हूं। इस मंत्र से स्पष्ट है कि भारतीय मनीषा और संस्कृति के लिए सदियों से गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती , नर्मदा, सिंधु और कावेरी नदियों को पवित्रतम नदियां रही हैं। उनका जल हमारी सभ्यता का वाहक रहा है, उनके जरिए हमारी संस्कृति और सभ्यता का विकास हुआ है। भारत की सप्त पवित्र नदियों में से एक सिंधु इसी सिंध प्रांत से होकर गुजरती है। इस लिहाज से देखें तो भारत भूमि के लिए सिंध का महत्व समझ में आता है। लालकृष्ण आडवाणी भी सिंध के वासी रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि उनकी पीढ़ी के सिंध के लोग भारत के विभाजन को स्वीकार नहीं कर पाए। राजनाथ सिंह ने अपने व्याख्यान में इस लेख का भी जिक्र किया है। आडवाणी अपने राजनीतिक उत्कर्ष के दिनों में सिंधु दर्शन यात्रा नाम से आयोजन करते रहे हैं। जिसका मकसद सिंधु के जरिए सिंध की माटी से बिछड़कर भारत आ गए लोगों को जोड़ना और उनकी स्मृतियों को जिंदा रखना रहा। ब्रिटिश संसद द्वारा पारित कानून के तहत भारत विभाजन की योजना लार्ड माउंटबेटन ने बनाई। उन्होंने इसका जिम्मा कानून के जानकार सिरिल रेडक्लिफ को दिया। रेडक्लिफ को भूगोल और संस्कृति की जानकारी नहीं थी। विभाजन करते वक्त उन्होंने भारतीय वास्तविकताओं का ध्यान नहीं रखा। संस्कृतियों की भी समझ नहीं थी। इसका असर विभाजन पर भी दिखा। रेडक्लिफ रेखा एक तरह से उनकी मूर्खताओं का प्रतीक बन गई। उनकी संस्कृतिहीन सोच की वजह से भारत को विभाजन के वक्त भयानक विभीषिका को झेलना पड़ा। कई जगह पर विभाजन अगर कृत्रिम लगता है तो उसकी वजह रेडक्लिफ की संस्कृति, भूगोल और जमीनी हालात की नासमझी है। इसी वजह से सिंध से भी भारत में विलय के लिए क्षीण ही सही, आवाजें उठती रहीं है। भारत से पाकिस्तान गए मुसलमानों को भी सम्मान नहीं मिला. उन्हें बिहारी और मुहाजिर कहा जाता रहा। एक दौर में सिंध में मुहाजिर कौमी मूवमेंट चलता रहा, जिसके प्रमुख अल्ताफ हुसैन रहे। हालांकि उनके आंदोलन का मकसद पाकिस्तान में भारत से गए उर्दू भाषी मुसलमानों के अधिकारो की रक्षा रहा। लेकिन पाकिस्तान सरकार उसे भारत समर्थक और विभाजनकारी मानती रही। बाल्टिस्तान, बलूचिस्तान और पाकिस्तान के अधिकार वाले कश्मीर से तो भारत के साथ जुड़ने की मांग उठती रही है। हाल के दिनों में इस मांग ने तेजी पकड़ी है। वहां से आने वाले वीडियो में 'मोदी-मोदी ' के नारे भी सुनाई देने लगे हैं। हालांकि सिंध प्रांत से ऐसी आवाजें कम उठती रहीं। यहां याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान के एक प्रमुख राजनीतिक दल 'पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी' का सबसे ज्यादा असर सिंध प्रांत में ही है। जिसकी प्रमुख एक दौर में बेनजीर भुट्टो रही हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी भुट्टो परिवार की जागीर मानी जाती है। इन संदर्भों में देखें तो राजनाथ सिंह के बयान इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि सिंध में विभाजन को लेकर मांग बढ़ रही है। पाकिस्तान की बदहाली, उर्दू भाषी मुसलमानों के साथ दोयम दर्जे के व्यवहार की वजह से सिंध प्रांत में रह से मुहाजिर लोगों में भी भारत के प्रति अनुराग बढ़ रहा है। बेशक भारत से सीधी जुड़ी रही पीढ़ी अब नहीं रही, लेकिन उसने अपना दर्द, अपने सुहाने सपने और गौरवशाली अतीत को नई पीढ़ी के साथ साझा किया है। नई पीढ़ी के पास सूचना तकनीक है, सूचना के तमाम साधन है। इसलिए वह देख पा रही है कि सीमा के उस पार की हालत कैसी है। उसके लिए भारत का नजारा दर्द और क्षोभ का कारण बन जाता है। क्योंकि आजादी के पहले संयुक्त भारत में सिंध की गिनती समृद्ध राज्यों में होती थी। सिंध कभी हिंदू बहुल राज्य था। कराची शहर हिंदू प्रधान था। पाकिस्तान की जनसंख्या में सिर्फ 2.17 फीसद हिंदू हैं। जो करीब 52 लाख हैं। इनमें से करीब 49 लाख सिंध में ही रहते हैं। 2023 की जनगणना से अनुसार सिंध की आबादी करीब 5.57 करोड़ है। इस लिहाज से देखें तो यहां की आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी करीब 8.8 प्रतिशत है। ग्रामीण आबादी में करीब 13.3 प्रतिशत हिंदू हैं. ये लोग ज्यादातर सिंध के थारपारकर और उमरकोट जिले में रहते हैं। विभाजन से पहले सिंध के कई जिलों में हिंदुओं की आबादी करीब 90 फीसद थी। 1941 की जनगणना के अनुसार, कराची में ही हिंदुओं की बड़ी संख्या में हिंदू आबादी थी। इसके अलावा शिकारपुर, खैरपुर, लरकाना, सुक्कुर में भारी संख्या में हिंदू रहते थे। आज भी उमरकोट जिले में मुस्लिम समुदाय की तुलना में हिंदुओं की संख्या ज्यादा है। इसकी दूरी भारतीय सीमा से सिर्फ 60 किलोमीटर है। कह सकते हैं कि राजनाथ सिंह के बयान ने वहां के हिंदू समुदाय के लोगों की उम्मीदें जगा दी होंगी। उन्हें लगता होगा कि एक न दिन वे भारत का उसी तरह हिस्सा होंगे, जैसे उनके पुरखे विभाजन के पहले थे। इस बयान ने एक अतीत और इतिहास की धारणा को जिंदा तो कर दिया है, एक भूगोल की उम्मीदें भी जगा दी हैं। एक भूगोल कब हकीकत बन पाएगा, यह कहना फिलहाल मुश्किल है।

देश दुनिया से

इथियोपिया में फटा ज्वालामुखी, दिल्ली तक पहुँची 'साइलेंट किलर काँच वाली' राख

अफ्रीका के इथियोपिया में एक बड़ा ज्वालामुखी फटा है। इस ज्वालामुखी का नाम है हायली गुब्बी। यह ज्वालामुखी करीब 10 से 12 हजार साल बाद फटा है। विस्फोट के बाद राख का एक बड़ा बादल उठा। यह राख लगभग 4000 किलोमीटर दूर भारत तक आ गया है। राख का यह बादल 130 किलोमीटर प्रति घंटे की बहुत तेज रफ्तार से आया। यह लाल सागर और अरब सागर को पार करते हुए आया। सोमवार (24 नवंबर 2025) रात करीब 11 बजे यह राख दिल्ली पहुंची । सबसे पहले यह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और जैसलमेर के ऊपर देखी गई। इसके बाद यह दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के बड़े हिस्सों में फैल गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह राख जमीन से 25,000 से 45,000 फीट की बहुत ऊँचाई पर है, इसलिए, अभी लोगों की सेहत को खास खतरा नहीं है लेकिन इस राख से हवाई उड़ानों पर असर पड़ा है। अकासा एयर और इंडिगो जैसी कई एयरलाइंस ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं या उनके रास्ते बदल दिए हैं। भारत सरकार के विमानन नियामक डीजीसीए ने सभी एयरलाइंस को चेतावनी दी है। उन्हें राख वाले खतरनाक इलाकों से दूर रहने को कहा गया है। इथियोपिया में ज्वालामुखी कैसे फटा और राख इतनी दूर कैसे पहुँची? राख बादल ने सबसे पहले राजस्थान के जोधपुर और जैसलमेर के आसमान को ढका, फिर धीरे-धीरे दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की ओर बढ़ गया। क्योंकि यह राख जमीन से लगभग 25,000 से 45,000 फीट की ऊँचाई पर थी, इसलिए लोगों को यह सीधे दिखाई नहीं दी , लेकिन इसके असर ने हवा को भारी और जहरीला बना दिया है। दिल्ली के आनंद विहार में एक्युआई 400 के ऊपर चला गया और यह 'सीवियर' श्रेणी में पहुँच गया। एम्स और सफदरजंग के आसपास भी घना जहरीला स्मॉग दिखाई दिया। हवा में चुभन, सांस लेने में भारीपन और आँखों में जलन महसूस होने लगी। यह स्थिति स्थानीय प्रदूषण और ज्वालामुखी राख के ऊपरी परत में मिलने से बनी। सुबह का सूरज सामान्य से ज्यादा लाल और चमकीला दिखा क्योंकि राख के सूक्ष्म कण रोशनी को अलग तरह से मोड़ते हैं। इस तरह का दृश्य बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद आम होता है। जानकारों के अनुसार ज्वालामुखी राख विमान के लिए बेहद खतरनाक

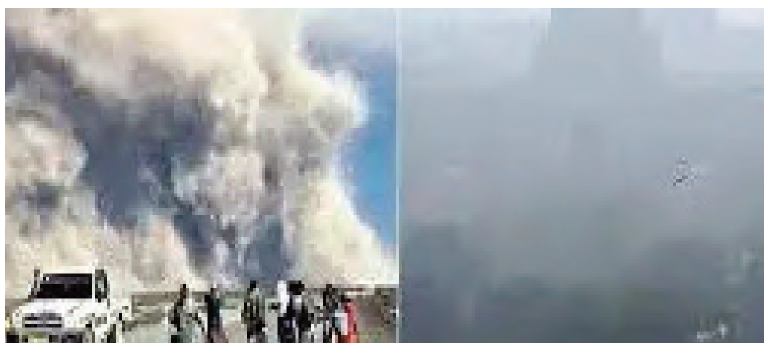

मानी जाती है। राख दिखती भले धूल जैसी हो लेकिन असल में यह बारीक कांच और जली चट्टानों के कण होते हैं। ये गर्म इंजन में जाते ही पिघलकर कांच जैसी परत बना देते हैं जिससे इंजन बंद हो सकता है। इसके अलावा राख विंडशील्ड को धुंधला कर देती है, सेंसर खराब कर सकती है और पंखों की सतह पर चिपककर विमान की लिफ्ट भी प्रभावित कर सकती है। 1982 में ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट ऐसे ही राख के कारण चारों इंजन फेल होने के बाद 25,000 फीट नीचे गिर गई थी, हालांकि बाद में पायलट इंजन को दोबारा स्टार्ट करने में कामयाब रहे थे। यही कारण है कि अकासा एयर, इंडिगो और कई एयरलाइंस को उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कुछ उड़ानों को बीच में डायवर्ट किया गया। डीजीसीए ने तत्काल एडवाइजरी जारी करके एयरलाइंस को राख वाले क्षेत्रों से बचकर उड़ान भरने और पोस्ट-फ्लाइट इंजन जाँच अनिवार्य करने को कहा। एयर इंडिया और इंडिगो ने भी यात्रियों को सतर्क करते हुए कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जानकारों की माने तो अच्छी बात यह है कि राख अभी ऊपरी वायुमंडल में है। जमीन पर यह भारी मात्रा में गिरने की संभावना बहुत कम है। मौसम विभाग ने कहा है कि कुछ इलाकों में हल्की परत दिख सकती है लेकिन फिलहाल इसका सीधा खतरा मामूली है। हालाँकि, हवा की गुणवत्ता पहले से खराब होने के कारण दिल्ली-छब्ब में स्मॉग और भारी हो गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को अस्थमा, सीओपीडी, दिल की बीमारी या एलर्जी की समस्या है, उन्हें ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए। आँखों में जलन, गले में खराश, सांस फूलना और सिरदर्द जैसे लक्षण बढ़ सकते हैं। यह भी बताया जा रहा है कि यह पूरा राख का गुबार हवा के साथ पूर्व की ओर खिसकता रहेगा और धीरे-धीरे बंटकर खत्म हो जाएगा। अगर ज्वालामुखी में दूसरा बड़ा विस्फोट होता है या राख की ऊँचाई और बढ़ती है तो उड़ानों पर असर लंबे समय तक रह सकता है। मौसम विभाग और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ लगातार इसकी निगरानी कर रही हैं। जानकारों का कहना है कि ज्वालामुखी राख सूर्य की रोशनी को रोकती है, इसलिए जिस क्षेत्र में यह पहुँचती है, वहाँ अस्थायी रूप से धुंध जैसा माहौल बन जाता है। बड़े विस्फोटों में तापमान तक गिर सकता है हालाँकि इस बार ऐसा असर नहीं दिखेगा क्योंकि राख की मात्रा बहुत बड़ी वैश्विक स्तर की नहीं है। राख में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड गैस बाद में सल्फेट एयरोसोल बनाती है, जो हवा की गुणवत्ता खराब कर सकते हैं। यूपी के तराई इलाके और नेपाल के ऊपर इन गैसों का असर थोड़ा बढ़ सकता है क्योंकि राख वाले बादल हिमालय से टकराकर दिशा बदलेंगे। बचाव के लिए लोगों को जरूरी सलाह देते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हवा में चुभन या भारीपन महसूस हो तो सुबह बाहर निकलने से बचें। एन-95 मास्क मददगार है क्योंकि यह सूक्ष्म कणों को फिल्टर करता है। आँखों में जलन हो तो साफ पानी से धोएँ और बच्चों या बुजुर्गों को अनावश्यक यात्रा से बचाएँ।

आप का नजरिया

सुक्खू की सुबह से मुलाकात

शीतकालीन सत्र के कालीन पर कदमों के निशां कहां होते, वो मंजिलें मेरे दरिया की हैं इनके पांव नहीं होते। धर्मशाला इस वक्त अपने नूर की फिजां में एक चश्मदीद गवाह, दीदार कर रहा है कल सुबह हो न हो। यही फितरत रही होगी उस आर्किटेक्ट यानी स्व. वीरभद्र सिंह की, जिन्होंने सत्ता को धौलाधार का आंचल दिया। इस सफर की कहानियां अब मुख्यमंत्रियों के अंदाज में बनने लगी हैं। वीरभद्र सिंह चले, धूमल चले, जयराम चले और सुखविंद्र सिंह सुक्खू चल रहे हैं। होगी इबारत तेरे जश्न की, मगर तू चला तो हमने पढ़ लिया तेरा मुकाम। पिछले तीन दिन से शीतकालीन सत्र के चरित्र में कई उभार, कई ठहराव और मंद-मंद मुस्कराती हवाओं से टकराती सियासी शैलियां। कभी जोरावर स्टेडियम, तो कभी विधानसभा परिसर की तरफ निकलती टोलियां और बदलती बोलियां। खनकते उद्गार, स्वागत की मुद्राएं और प्रश्नों के अंबार। यह 'बिजनेस' है, सदन और पटल पर रखे सरोकारों का, लेकिन एक विधानसभा बाहर भी सीधे जनता के मन में सजती है हर बार। एक स्पर्श भंवरे की तरह जब मंडराता है, तो राजनीतिक कोलाहल से दूर उन कदमों की आहट मात्र से सबेरा हो जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के दीदार ही शायद शिमला के सत्र को धर्मशाला स्थानांतरित करते हैं। इस शहर को अब आदत सी होने लगी है, सुबह की सुक्खू से मुलाकात होने लगी है। होगा अलग रूप सत्ता का, विधानसभा सत्र का उसूल भी अलग होगा, लेकिन जब कोई मुख्यमंत्री सुबह अपने कर्म के बागीचों में टहलता है, तो हवाओं का रुख बदलता है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने कचहरी में उसी सब्जी विक्रेता लडक़ी से जब पिछले साल का जिक्र किया, तो धंधे में जोश भर गया। वह बस स्टॉप में युवा पीढ़ी के मंतव्यों के सहचरी बन जाते हैं। वह शुक्रवार शहर में खेल नगरी का उत्साह देखते हैं, तो ट्रैक पर बच्चों के साथ सरकार चलती है। खेल परिसर में कितने ही खिलाडियों का पसीना भारत को अंतरराष्ट्रीय विजय के पथ पर ले जाता है ओर इसे तसदीक करतीं, तीन कबड्डी खिलाड़ी विश्व विजेता के पल मुख्यमंत्री से जोड़ देती हैं। प्रदेश गुजारिश करेगा कि भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने वाली पांच हिमाचली बेटियों के गले में सरकार का पुरस्कार और प्रोत्साहन राशि का पुष्पहार पड़े। जाहिर तौर पर जब मुख्यमंत्री अनौपचारिक ढंग से निकलते हैं, तो वास्तविक हिमाचल दिखाई देता है। उम्मीद है अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री की सुबह की सैर विभिन्न विभागों को नींद से जगाएगी। वैसे आजकल बहुत सारे सोए हुए महकमे जाग रहे हैं। प्रशासन ऐसा जागा कि शहर से आवारा पशु भाग गए। पुलिस ऐसी जागी कि सडक़ों पर पार्किंग की दामाद बनीं गाडियां अचानक गायब हो गईं। ट्रैफिक जाम नहीं होते इस शहर में आजकल वीआईपी चलते हैं। चाहे यह भ्रम हो, लेकिन चंद दिनों के लिए आम नागरिक को भी भरोसा हो जाता है कि व्यवस्था बदली जा सकती है। इसी शहर के बस स्टैंड को देखने एक बार बतौर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी रात को आए थे, लेकिन वहां दिन का अंधेरा कायम है। मुख्यमंत्री एक चक्कर वहां भी लगा लें, क्योंकि वहां कांग्रेस के नेता के नाम से पूरा अस्त-व्यस्त बस स्टैंड टंगा है। टंगी हैं कई परियोजनाएं और परियोजनाओं के खाके। यूनिटी मॉल के नक्शे और कान्वेंशन सेंटर की जमीन पर दो कदम चलके तो देखें। तपोवन के पास जदरांगल की जमीन पर केंद्रीय विश्वविद्यालय की हरितिमा में सुबह के कदम राहत देंगे, एक साथ हजारों लोगों को। यह दीगर है कि शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष भी खूब चल रहा है। पेंशनर्स ने पुलिस स्टेडियम के आंचल में अपना दर्द भरा है, तो हर दिन हिमाचली फरियाद के कुनबे तपोवन में बसते हैं। शायद इस तरह का फीडबैक मॉल रोड पर की गई सैर से भी नहीं निकलेगा, क्योंकि राजधानी से दूर हिमाचल की सदियां अभी भी आंख नहीं खोल पाई हैं। हिमाचल में मुख्यमंत्री की सैर की तरह, हर जिला का प्रशासन सुबह-सुबह देखे तो पता चलेगा कि मंडी में आपदा बड़ी या नगर निगम के चुनाव जरूरी। देखनी चाहिएं जलशक्ति विभाग की पाइपें। सुबह-सुबह कितनी जगह फट जाती हैं जलापूर्ति की आंतें। कितने विद्रूप होने लगे हैं सुबह-सुबह हिमाचल के शहर, जब आंखों में काजल की जगह गंदगी का आलम पसरा रहता है। अस्पतालों की गंध, बिस्तरों पर उदासी और कन्नी काटते प्रबंध अगर देखने हैं, तो प्रदेश को सुबह उठना पड़ेगा। सुबह वोल्वो बसों में आ रहे आशावान टूरिस्ट के लिए निजी आपरेटरों और होटल मालिकों को शाबाशी दें कि वह आपदा के बाद भी सुबह देख रहे हैं, जबकि पीडब्ल्यूडी का मलबा सडक़ों पर पहाड़ बने खड़ा है।

धर्मशाला इस वक्त अपने नूर की फिजां में एक चश्मदीद गवाह, दीदार कर रहा है कल सुबह हो न हो। यही फितरत रही होगी उस आर्किटेक्ट यानी स्व. वीरभद्र सिंह की, जिन्होंने सत्ता को धौलाधार का आंचल दिया। इस सफर की कहानियां अब मुख्यमंत्रियों के अंदाज में बनने लगी हैं। वीरभद्र सिंह चले, धूमल चले, जयराम चले और सुखविंद्र सिंह सुक्खू चल रहे हैं। होगी इबारत तेरे जश्न की, मगर तू चला तो हमने पढ़ लिया तेरा मुकाम। पिछले तीन दिन से शीतकालीन सत्र के चरित्र में कई उभार, कई ठहराव और मंद-मंद मुस्कराती हवाओं से टकराती सियासी शैलियां। कभी जोरावर स्टेडियम, तो कभी विधानसभा परिसर की तरफ निकलती टोलियां और बदलती बोलियां। खनकते उद्गार, स्वागत की मुद्राएं और प्रश्नों के अंबार। यह 'बिजनेस' है, सदन और पटल पर रखे सरोकारों का, लेकिन एक विधानसभा बाहर भी सीधे जनता के मन में सजती है हर बार। एक स्पर्श भंवरे की तरह जब मंडराता है, तो राजनीतिक कोलाहल से दूर उन कदमों की आहट मात्र से सबेरा हो जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के दीदार ही शायद शिमला के सत्र को धर्मशाला स्थानांतरित करते हैं।

कुछ अलग

संत की शिष्यों को सीख

पुराने समय में एक संत अपने कुछ शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे। संत अपने आसपास घटने वाली घटनाओं से शिष्यों को सफलता और शांति पाने के सूत्र बताते रहते थे। एक दिन वे एक ऐसे गांव में पहुंचे, जहां निर्माण कार्य चल रहा था। जगह-जगह पत्थरों की ढेरियां लगी हुई थीं और कई मजदूर उन पत्थरों को तराशने में जुटे हुए थे। संत ने अपने शिष्यों से कहा कि इन लोगों के काम करने के तरीके को ध्यान से देखो और मालूम करो यहां क्या हो रहा है। गुरु की बात मानकर शिष्य आगे बढ़े और पत्थर तराशते एक मजदूर से पूछा कि भय्या, यहां क्या बन रहा है? मजदूर ने बिना चेहरा उठाए चिड़ते हुए कहा कि मुझे क्या पता। मुझे अपना काम करना है, आगे बढ़ो बाबा। उसकी आवाज में बोझ और नाराजगी झलक रही थी। संत मुस्कुराए और शिष्य के साथ आगे बढ़ गए। अब वे दूसरे मजदूर के पास पहुंचे। वही प्रश्न पूछा कि यहां क्या बन रहा है? दूसरे मजदूर ने थकान भरे स्वर में कहा कि गुरु जी, मुझे इससे क्या मतलब? मैं तो यहां सिर्फ मजदूरी करने आता हूं। दिनभर काम करता हूं और शाम को पैसे लेकर घर लौट जाता है। इस मजदूर की बातों में उदासीनता और मजबूरी साफ दिख रही थी। संत अपने शिष्यों के साथ आगे बढ़ें। एक अन्य मजदूर सहज भाव से काम करता दिखाई दे रहा था। संत ने उससे पूछा कि यहां क्या बन रहा है? मजदूर ने तुरंत छेनी-हथौड़ी रखी और संत को प्रणाम किया। उसने प्रसन्न स्वर में कहा कि गुरुजी, यहां मंदिर बन रहा है। हमारे गांव में कोई मंदिर नहीं है। अब लोगों को पूजा-पाठ के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

दृष्टि कोण

बिखराव के कगार पर कर्नाटक कांग्रेस

कर्नाटक में सत्ता के लिए मचा संग्राम कांग्रेस की जगहंसाई का कारण बन गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही मारामारी से जाहिर है कि कांग्रेस का अनुशासन से कोई वास्ता नहीं रह गया है। सत्ता की कमजोरी कांग्रेस के बिखराव का कारण बनी हुई है। शिवकुमार धड़ा 2023 में सरकार बनाने के समय तय फॉर्म्युला को लागू करने की मांग कर रहा है। यह निश्चित है कि यदि शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद नहीं मिला तो पार्टी में विद्रोह के हालात पैदा होंगे। यह पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस में सत्ता को लेकर घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस अपने स्थापनाकाल से 70 बार टूटी-बिखरी है। कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस के अंदर संकट गहराता चला जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनावी सफलताओं को छोड़ दें, तो बीते 8 सालों में देश की सबसे पुरानी पार्टी की हालत लस्त-पस्त नजर आ रही है। एक ओर जहां कांग्रेस अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी कर रही थी तो दूसरी ओर इस पद के दावेदार अशोक गहलोत के समर्थकों ने ही बगावत का झंडा उठा लिया था। सचिन पायलट 28 विधायकों के साथ बागी हो गए थे। वो अब कांग्रेस के सिपहसालार नजर आ रहे हैं तो दूसरी ओर गांधी परिवार के बेहद करीबी अशोक गहलोत ने अपने ही समर्थक विधायकों की बगावत पर हाथ खड़े कर दिए। कांग्रेस में टूट और बगावतों का इतिहास एक लंबा चौड़ा इतिहास रहा है। कांग्रेस का इतिहास ऐसी ढेरों घटनाओं से भरा हुआ है, जब कांग्रेस की सत्ता को लेकर हुई टूट से किरकिरी हुई है। मोतीलाल नेहरू और सुभाष से लेकर गुलाम नबी आजाद तक, कांग्रेस में विद्रोह और टूटने का इतिहास रहा है। 28 दिसंबर 1885 को अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यूम की अध्यक्षता में कांग्रेस का गठन किया गया था। इसमें दादा भाई नौरोजी और दिनशा वाचा भी शामिल थे। कांग्रेस का

पहला अध्यक्ष व्योमेश चंद्र बनर्जी को बनाया गया था। कांग्रेस बनाने का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार और भारत के नेताओं और आम जनता के बीच संवाद कायम करना था। लेकिन बाद में यह पार्टी आजादी के आंदोलन का सबसे प्रमुख मंच बन गई। साल 1922 में चौरी चौरा कांड की वजह से गांधी जी ने असयोग आंदोलन वापस ले लिया था। ये कांग्रेस के अंदर ही कुछ नेताओं को अच्छा नहीं लगा क्योंकि उनको लगता था कि ये आंदोलन अंग्रेज सरकार को उखाड़ फेंकने की स्थिति में आ गया था। इसके बाद इसी साल गया कांग्रेस अधिवेशन हुआ जिसमें तय किया गया कि कांग्रेस के नेता विधान परिषद के चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। इस फैसले से चितरंजन दास नाराज हो गए। खास बात यह थी कि अधिवेशन उन्हीं की अध्यक्षता में हो रहा था। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। अगले साल यानी 1923 में उन्होंने नरसिंह चिंतामन केलकर और मोतीलाल नेहरू बि_लभाई पटेल के साथ मिलकर कांग्रेस स्वराज्य पार्टी का गठन किया, जिसके अध्यक्ष चित्तरंजन दास और महासचिव मोतीलाल नेहरू सचिव बनाए गए। गांधी जी सुभाष चंद्र बोस की नीतियों से सहमत नहीं थे। वो सुभाष की जगह किसी और को कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते थे। लेकिन सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि ऐसा अध्यक्ष बने जो अंग्रेजों से सत्ता छीनने के आए मौके को नहीं गंवाए। उस समय देश की प्रमुख हस्तियां भी सुभाष चंद्र बोस को ही कांग्रेस अध्यक्ष पद पर देखना चाहती थी। लेकिन गांधी जी ने पट्टाभि सीतारमैय्या को चुनाव के लिए खड़ा कर दिया।

पाकिस्तान का तालिबान सरकार पर गंभीर आरोप : आतंकियों की घुसपैठ में मदद का दावा

इस्लामाबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि वह जानबूझकर पाकिस्तानी सीमा पर आतंकवादियों और तस्करों की घुसपैठ कराने में सहयोग कर रही है। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह खुलासा किया और इसके समर्थन में एक वीडियो भी जारी किया।

जनरल चौधरी ने कहा कि अफगान तालिबान की सेनाएं पाकिस्तानी चौकियों पर पहले गोलीबारी शुरू करती हैं, जिससे जवाबी कार्रवाई होती है और इसी दौरान आतंकवादी और तस्कर सीमा पार कर लेते हैं। उन्होंने इसे सुनियोजित रणनीति बताया। उनके शब्दों में, 'सीमा सुरक्षा दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी होती है, लेकिन एक तरफ की चौकियां पहले फायरिंग करती हैं, गोलीबारी का आदान-प्रदान शुरू होता है और इसी अफरा-तफरी में आतंकवादी सरहद पार करवा दिए जाते हैं। ये हमले बेहद जटिल और मिले-जुले होते हैं; चौकियों पर हमला और उसी वक्त तस्करों के वाहन सीमा पार कर जाते हैं। इसी बीच पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। डेरा इस्माइल खान जिले में खुफिया सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 22 खतरनाक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना इन आतंकियों को फितना अल-खवारिज कहकर संबोधित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादियों के ठिकाने को सटीक निशाना बनाया गया और भारी गोलीबारी के बाद सभी 22 आतंकी ढेर कर दिए गए। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की धरती से टीटीपी को संरक्षण और सहायता मिल रही है, जिससे सीमा पार आतंकवाद बढ़ रहा है। तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रेंट से पंगा मत लेना- हम पकड़ेंगे और 100 पाउंड जुर्माना भी लगाएंगे

लंदन। लंदन की ब्रेंट काउंसिल ने खुलासा किया है कि वह हर साल दुकानों, फुटपाथों और इमारतों की सफाई पर 30,000 पाउंड से ज्यादा खर्च करती है, जो पान से सने होते हैं। ये आंकड़े ब्रेंट काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर शेयर किए गए हैं और समस्या की गंभीरता को उजागर करते हैं, जिसे महंगा और सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता के लिए नुकसानदायक बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट काउंसिल के इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कर्मचारियों को कई जगहों पर पान के दाग साफ़ करते दिखाया गया है। क्लिप में एक आवाज़ सुनाई दे रही है हमारी सड़कों पर पान के दाग लगाने वाले लोग बहुत हो गए हैं। जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए ब्रेंट की सड़कों पर और ज्यादा पुलिस तैनात की गई हैं, साथ ही इस दाग को हटाने के लिए एक सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है। हरे-भरे पार्कों और सुरक्षित सड़कों तक, हम उन रोजमर्रा की चीजों में लाखों पाउंड का खर्च कर रहे हैं जो आपके लिए सबसे ज़्यादा मायने रखती हैं। आप जहां भी रहते हैं, आपको फर्क जरूर दिखेगा और महसूस होगा। वीडियो को एक लंबा कैप्शन देकर पोस्ट किया गया था, जिसमें बताया कि पान के दाग साफ करने पर कितना खर्च हो रहा है और अब क्या सख्त नियम लागू किए जाएंगे।

इजराइली स्ट्राइक में हिजबुल्लाह के इलाके में गिरा बम नहीं फटा, अमेरिका टेंशन में

वाशिंगटन। अमेरिका बम को लेकर टेंशन में है, एक बम जो फटा नहीं और अब उसके गलत हाथों में जाने का खतरा बढ़ गया है। लेबनान के हिजबुल्लाह वाले इलाके में इजराइल की स्ट्राइक के दौरान एक अमेरिकी जीबीयू-39बी स्मॉल डायमीटर बम नहीं फटा जिससे अमेरिका टेंशन में आ गया था। रिपोर्ट के मुताबिक यह बम पूरी तरह सुरक्षित हालत में मिल गया है। यही बात अमेरिका को डरा रही है, क्योंकि अगर यह बम ईरान के हाथ लगा जाता, तो उसे रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए कॉपी करने की संभावना थी। दुश्मन के हाथ इस बम का लगना अमेरिका के लिए सिरदर्द बन सता था। जून की रिपोर्ट बताती है कि जब इज़राइल ने ईरान में 'हर्मीस' और एफपीवी ड्रोन से हमला किया था, उनमें से कई ड्रोन नष्ट नहीं हुए। ईरान ने उन्हें जब्त कर लिया और रिवर्स इंजीनियरिंग से वैसा ही ड्रोन बना लिया और कई मामलों में उससे भी बेहतर। ईरान पहले भी अमेरिकी आरक्यू-170 स्टेल्थ ड्रोन को कॉपी करके अपनी स्टेल्थ ड्रोन लाइन बना चुका है यानी अगर यह जीबीयू-39बी बम ईरान के पास पहुंच गया होता, तो वह उसका ब्लूप्रिंट समझकर उसी तरह की स्मार्ट, लंबी दूरी वाली, जीपीएस-गाइडेड मूनिशन तैयार कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने लेबनान सरकार से तत्काल संपर्क कर इस बम को वापस करने की मांग की है। वॉशिंगटन को डर सिर्फ यह नहीं है कि यह म्यूनिशन ईरान तक पहुंच जाएगा।

मलेशिया में बच्चों के लिए सोशल मीडिया होगा बैन

कुआलालंपुर। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मलेशिया अब 16 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह नियम अगले साल से लागू हो सकता है और सरकार उम्मीद कर रही है कि सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस फैसले का पालन करेंगे। दुनिया भर में बढ़ते साइबर जोखिमों और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए मलेशिया का यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मलेशिया के संचार मंत्री फहमी फदजिल ने बताया कि सरकार ऑस्ट्रेलिया सहित उन देशों के मॉडल का अध्ययन कर रही है, जिन्होंने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर उम्र-आधारित सीमाएं तय की हैं। उनका कहना है कि युवाओं को साइबरबुलिंग, फाइनेंशियल फ्रॉड, डेटा दुरुपयोग और बच्चों के यौन शोषण जैसे खतरों से बचाने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है। स्थानीय मीडिया 'द स्टार' के अनुसार, सरकार चाहती है कि अगले वर्ष तक सभी प्लेटफॉर्म 16 वर्ष से कम आयु वाले यूजर्स को अकाउंट बनाने की अनुमति न दें। सोशल मीडिया के बच्चों की मानसिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव को लेकर वैश्विक चिंता पहले से ही बढ़ रही है।

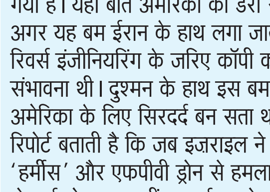

श्रीलंका में दितवाह ने मचाई तबाही, 150 की मौत, भारत ने शुरु किया ऑपरेशन सागर बंधु

कोलंबो, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

चक्रवात दितवाह ने श्रीलंका को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तेज हवाओं, मूसलाधार बारिश और बाढ़-भूस्खलन से पूरे द्वीप राष्ट्र में भयंकर तबाही हुई है। इस विपदा में 2 लाख से अधिक लोग (करीब 61,000 परिवारों से) प्रभावित हुए हैं। पूरे देश में बाढ़ का कहर है, खासकर राजधानी कोलंबो और पूर्वी तटों पर। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, रविवार की सुबह तक कम से कम 150 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 130 अन्य अभी भी लापता हैं। वहीं 300 भारतीय फंसे हुए हैं। यह आंकड़े पिछले कुछ दिनों की लगातार बढ़ती तबाही को दर्शाते हैं, जहां शुरुआत में 40-50 मौतों की खबरें थीं, जो अब 150 तक पहुंच गई हैं।

केलानी नदी शनिवार शाम को उफान पर आ गई, जिससे सैकड़ों लोग अस्थायी आश्रयों में स्थानांतरित हो गए। उत्तरी क्षेत्रों में अभी भी हल्की बारिश जारी है, लेकिन अधिकांश जगहों पर वर्षा थम चुकी है। डीएमसी ने बताया कि चक्रवात के अवशेषों के कारण बिजली कटौती, सड़कें बंद और रेल सेवाएं ठप हो गई हैं। स्कूलों और कार्यालयों को भी बंद रखा गया है। चक्रवात दितवाह 24 नवंबर से श्रीलंका के आसपास सक्रिय हो गया था। यह धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ा और 26 नवंबर (बुधवार) को पूर्वी तट पर लैंडफॉल कर गया। उसके बाद 28 नवंबर (शुक्रवार) को तेज हवाओं (50-70 किमी/घंटा) के साथ भारी बारिश शुरू हो गई, जो रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची- कुछ इलाकों में 24 घंटों में 300 मिमी से अधिक। इससे भूस्खलन और बाढ़ ने पूरे द्वीप को घेर लिया।सबसे ज्यादा तबाही पूर्वी और मध्य पहाड़ी इलाकों (जैसे बदुल्ला, नुवारा एलिया) में हुई। कोलंबो की सड़कें जलमग्न हो गईं, जहां लोग नावों या अस्थायी राफ्ट पर घूमने को मजबूर हैं। 600 से अधिक घर पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं, और हजारों बेघर हो गए हैं। मौतों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। लापता लोगों में कई वे हैं जो भूस्खलन में फंस गए। डीएमसी प्रमुख प्रदीप कोटुवेगोदा ने कहा- चक्रवात अब भारत की ओर जा रहा है, लेकिन श्रीलंका में राहत कार्य तेज हैं। सेना की मदद से बचाव अभियान चल रहे हैं।

भारत ने 21 टन राहत सामग्री भेजी

भारत ने एक बार फिर नेबरहुड फर्स्ट नीति को साकार किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट कर श्रीलंका के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल राहत सामग्री और मानवीय सहायता भेजी है। एनडीआरएफ की दो टीमों में 80 जवान (जिनमें 4 महिला सदस्य और 4 स्निफर डॉग शामिल) को शनिवार को ही हिंदन एयर बेस से कोलंबो भेजा गया। वे विशेष उपकरणों के साथ बचाव कार्य में जुटे हैं। भारतीय वायुसेना ने सी-130 और आईएल-76 विमानों से 21 टन राहत सामग्री (खाने-पीने का सामान, दवाइयां, कंबल आदि) और 8 टन विशेष उपकरण एयरलिफ्ट किए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी ट्वीट कर सहयोग की पुष्टि की। यह ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चलाया जा रहा है, जो भारत की विजन महासागर नीति का हिस्सा है। इससे पहले भी भारत ने श्रीलंका को कई आपदाओं में मदद की है।

व्हाट्सएप यूजर्स अब सीधे किसी स्टेटस पर रिएक्शन स्टीकर भेज सकेंगे

WhatsApp

सैन फ्रांसिस्को, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

व्हाट्सएप ने एंड्राएड के लिए बीटा वर्जन 2.25.36.6 में एक नया और दिलचस्प फीचर रोलआउट करना शुरू कर दिया है, इससे अब यूजर्स सीधे किसी स्टेटस पर रिएक्शन स्टीकर भेज सकेंगे। यह फीचर उन यूजर्स के अनुभव को और बेहतर बनाएगा जो स्टेटस के माध्यम से अपनी भावनाएं या प्रतिक्रिया साझा करते हैं। नए फीचर में, जैसे ही आप कोई स्टेटस देखते हैं, नीचे रिएक्शन भेजने का विकल्प दिखाई देगा, जहां यूजर्स सीधे स्टिकर के रूप में अपनी प्रतिक्रिया चुन सकते हैं। शुरुआत में डिफ़ॉल्ट रिएक्शन स्टिकर 'स्माइलिंग फेस विथ हर्ट आईज' उपलब्ध है, लेकिन इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि यूजर पूरी इमोजी लाइब्रेरी से अपने मनपसंद इमोजी को स्टिकर के रूप में चुन सकता है।

इसका मतलब जो भी आपकी भावना या मूड को बेहतर दर्शाता हो, बस एक टैप में भेज दें। यह बिल्कुल वैसा ही अनुभव देता है जैसा इंस्टाग्राम स्टोरिज या स्नेपचैट में देखने को मिलता है, जिससे व्हाट्सएप स्टेटस अब और भी इंटरएक्टिव और एंगेजिंग हो जाएगा।

हालांकि, यह फीचर फिलहाल सीमित बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है, लेकिन कंपनी जल्द ही इसे सभी यूजर्स के लिए जारी करेगी। अगर आप बीटा टेस्टिंग प्रोग्राम का हिस्सा हैं, तो आपको यह अपडेट मिलना शुरू हो सकता है। खास बात यह है कि यूजर द्वारा भेजा गया रिएक्शन पूरी तरह प्राइवेट रहेगा यानी सिर्फ वही व्यक्ति देख पाएगा जिसने स्टेटस शेयर किया है कि कौन-सा कॉन्टैक्ट किस स्टिकर से रिएक्ट कर रहा है। इसके साथ ही व्हाट्सएप ने एक और खास फीचर वाइस मैसेज ट्रांसस्क्रीप्टस भी रोलआउट कर दिया है। इस फीचर की मदद से अब उपयोगकर्ता किसी भी वॉइस मैसेज को बिना सुने सीधे टेक्स्ट के रूप में पढ़ सकेंगे। यह कई स्थितियों में बेहद उपयोगी साबित होगा, जैसे भीड़भाड़ या शोरगुल वाली जगह पर, मीटिंग या क्लास में, या जब ईयरफोन उपलब्ध न हों। यह सुविधा सुनने में कठिनाई वाले लोगों के लिए भी काफी सहायक है। कुल मिलाकर, व्हाट्सएप लगातार अपने प्लेटफॉर्म को और बेहतर और यूजर-फ्रेंडली बनाने पर काम कर रहा है।

रूस ने दी वॉट्सऐप को ब्लॉक करने की धमकी

मास्को। रूस की कम्युनिकेशन रेगुलेटर रोसकॉमनाडज़ोर ने फिर वॉट्सऐप को ब्लॉक करने की धमकी दी है। संस्था का आरोप है कि मेटा के स्वामित्व वाला यह मैसेजिंग ऐप रूस के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। इस बयान के बाद रूस के कई बड़े शहरों में वॉट्सऐप ब्लॉक हो गया था, साथ ही साइबेरिया और उरल्स क्षेत्रों में भी पिछले दिन इसी तरह की समस्याएं देखी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस की कम्युनिकेशन रेगुलेटर रोसकॉमनाडज़ोर का आरोप है कि वॉट्सऐप का इस्तेमाल देश में आतंकवादी गतिविधियां करने, अपराधियों को भर्ती करने और नागरिकों के खिलाफ धोखाधड़ी जैसी घटनाओं में किया जा रहा है। अगर वॉट्सऐप रूसी कानूनों का पालन नहीं करता है, तो इसे पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया जाएगा। बता दें वॉट्सऐप की पैरेंट कंपनी मेटा रूस में पहले ही प्रतिबंधित है और इसे अत्यधिक चरमपंथी संगठन घोषित किया गया है। यह कदम रूस के यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद उठाया गया। अगस्त में रोसकॉमनाडज़ोर ने देश के दूसरे लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर भी पाबंदी और बैन लगाए थे। विशेषज्ञ मानते हैं कि रूस यूज़र्स को कैमलिन-मान्य मैसेजिंग सेवा मेक्स की ओर मजबूर कर सकता है। वॉट्सऐप की तरह मेक्स एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड नहीं है और यह रूसी कानून प्रवर्तन के साथ यूज़र का डेटा शेयर करती है।

सैकडों साल पुराने युद्धपोत का खजाना बरामद कर कोलंबिया ने चौकाया

न्यूयॉर्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

समुद्र की गहराई से तीन शताब्दी पुराने स्पेनिश युद्धपोत 'सैन जोस' का खजाना निकालकर कोलंबिया ने दुनिया को चौंकाया है। समुद्र में से जहाज के मलबे से सोने और कांसे के सिक्के, चीनी मिट्टी का एक कप और एक तोप बरामद की गई हैं। इसे 'जहाजों का होली ग्रेल' भी कहा जाता है। यह पहली बार है जब आधिकारिक तौर पर इन अवशेषों को समुद्र से बाहर निकाला गया है। कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो भी इस ऐतिहासिक खोज को देखने पहुंचे। 'सैन जोस' लगभग 300 साल पहले कैरिबियाई समुद्र में डूब गया था। यह जहाज स्पेनिश कॉलोनियों से सोना, चांदी और पन्ने लेकर स्पेन के राजा के लिए रवाना हुआ था। इतिहासकारों के अनुसार, जहाज पर मौजूद खजाना आज की कीमतों में अरबों डॉलर के बराबर है। हालांकि, खजाने की बरामदगी के साथ ही कानूनी विवाद भी खड़ा हो गया है।

अमेरिका की समुद्री कंपनी सी सर्च-आर्माडा (एसएसए) दावा करती है कि उसने 1980 के दशक में ही इस जहाज को ढूंढ लिया था और इसलिए उसे लगभग 10 अरब डॉलर का हिस्सा मिलना चाहिए। एसएसए का मामला पर्मानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में लंबित है और जटिलता बढ़ती जा रही है। कोलंबियाई सरकार का कहना है कि यह अभियान केवल खजाना निकालने के लिए नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक शोध परियोजना का हिस्सा है। उनका मानना है कि समुद्र से निकाले गए अवशेष 18वीं सदी के यूरोप की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों को समझने में मदद करेंगे। कोलंबिया की संस्कृति मंत्री यानाई कादामानी फॉनरोडोना ने इसे देश के इतिहास और पहचान से जुड़ा 'ऐतिहासिक कदम' बताया।

वहीं मानवविज्ञान एवं इतिहास संस्थान की निदेशक अलेहना कैसिडो फर्नांडीज का कहना है कि इस खोज से नागरिक 300 साल पुराने कालखंड को प्रत्यक्ष रूप से देख और समझ सकते हैं। सरकार के अनुसार, ये वस्तुएं अंडरवॉटर रोबोट्स की मदद से समुद्र की तली से निकाली गई हैं और अब इन्हें प्रयोगशाला में लंबे समय तक संरक्षण और अध्ययन के लिए रखा जाएगा। ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि 'सैन जोस' फ्लोटा दे तिएरा फिर्मे नामक जहाजों के बेड़े का हिस्सा था, जो 1707 में पेरू से रवाना हुआ था। लेकिन 1708 में ब्रिटिश नौसेना से लड़ाई के बाद यह जहाज कोलंबिया के तट के पास डूब गया और कभी स्पेन नहीं पहुंच सका।

इमरान की पार्टी के ही सांसद ने किया दावा कहा- घबराने की बात नहीं है वे जिंदा हैं

इस्लामाबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा का दौर जारी है। हाल के दिनों में उनकी मौत की अफवाहों ने सोशल मीडिया पर तूफान मचा दिया था, लेकिन अब उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक प्रमुख सांसद ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। सांसद खुर्शीद जीशान ने दावा किया है कि इमरान खान जीवित हैं और अडियाला जेल में ही कैद हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान शासन उन्हें पाकिस्तान छोड़ने के लिए जबरदस्ती दबाव डाल रहा है। यह बयान एक इंटरव्यू में आया, जब पिछले एक सप्ताह से इमरान की मौत की खबरें तेजी से फैल रही थीं।

खुर्शीद जीशान ने कहा कि अफवाहें फैलाने का मकसद इमरान की लोकप्रियता को कमजोर करना है। उन्होंने स्पष्ट किया, पिछले कुछ दिनों में हमें आश्वासन दिया गया है। इमरान खान जीवित हैं और फिलहाल अडियाला जेल में ही बंद हैं। लेकिन उन्होंने जेल प्रशासन की आलोचना की और कहा कि इमरान को जानबूझकर अलग-थलग रखा जा रहा है, जो एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा लगता है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। एक महीने से अधिक हो गया, इमरान को जेल के अंदर अलग रखा गया है। उनके परिवार, वकीलों और यहां तक कि पीटीआई के नेताओं को भी उनसे मिलने की इजाजत नहीं दी जा रही। यह स्पष्ट मानवाधिकार उल्लंघन है। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें किसी बड़े फैसले के लिए मजबूर किया जा रहा है, उनकी हिम्मत तोड़ने की कोशिश हो रही है।

यह विवाद तब भड़का जब इमरान के बेटे कासिम ने अपने पिता से मिलने का समय मांगा। कासिम ने कहा, मेरे पिता को पिछले 845 दिनों से कैद में रखा गया है। आखिरी छह हफ्तों से उन्हें मौत की सजा वाले ब्लॉक में डाला गया है। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं है। अदालत के आदेश के बावजूद इमरान की बहनों नूरीन नियाज़ी, अलीमा खान और डॉ. उज़्मा खान को जेल के बाहर मिलने नहीं दिया गया। इससे अफवाहों को बल मिला कि इमरान की जेल में ही हत्या कर दी गई है। बहनों ने पंजाब पुलिस प्रमुख को पत्र लिखकर पुलिस की क्रूर और सुनियोजित कार्रवाई का आरोप लगाया, जिसमें प्रदर्शन के दौरान उन्हें पीटा गया। पीटीआई समर्थकों ने जेल के बाहर धरना दिया, जो हिंसक प्रदर्शन में बदल गया।

अडियाला जेल प्रशासन ने अफवाहों को बेबुनियाद बताते हुए स्पष्ट किया कि इमरान पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें पूर्ण चिकित्सा सुविधाएं दी जा रही हैं। जेल अधिकारियों ने कहा, उनके स्थानांतरण की कोई खबर सही नहीं है। वे जेल में ही हैं और अच्छे स्वास्थ्य में हैं। पाकिस्तानी सरकार और पीटीआई नेताओं ने भी संयुक्त बयान जारी कर इमरान की स्थिर स्थिति की पुष्टि की। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने बताया, इमरान बिल्कुल ठीक हैं, उनकी सेहत में कोई समस्या नहीं।

इन आश्वासनों के बाद पीटीआई नेताओं और वकीलों को इमरान से मिलने की अनुमति मिली। परिवार को सोमवार और मंगलवार को मुलाकात का समय दिया गया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण रूप से हट गए। कासिम के बयान से पाकिस्तान आर्मी और शहबाज सरकार पर भारी दबाव बना था। पीटीआई ने मांग की कि सरकार इमरान की सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों की जिम्मेदारी निभाए। इमरान खान अगस्त 2023 से विभिन्न भ्रष्टाचार और आतंकवाद से जुड़े मामलों में जेल में हैं। अडियाला जेल, जो मूल रूप से 1,927 कैदियों के लिए बनी थी, अब 6,000 से अधिक लोगों को समेटे हुए है। पीटीआई का दावा है कि इमरान की लोकप्रियता से सत्ता पक्ष डरा हुआ है, इसलिए कोई फोटो या वीडियो जारी नहीं किया जा रहा। यह घटना पाकिस्तान की राजनीति में तनाव को और गहराती है, जहां इमरान समर्थक इमरान कहां हैं हैशटैग चला रहे हैं। जेल की कुख्याति के कारण अफवाहें जल्दी फैलती हैं, लेकिन अब आधिकारिक पुष्टि से मामला शांत होता दिख रहा है।

इंटर मियामी ने मेसी की अगुवाई में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल जीता, पहली बार एमएलएस कप के फाइनल में पहुंची

फोर्ट लॉडरडेल, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

लियोनेल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने शनिवार को न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से हराकर पहली बार मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप के फाइनल में जगह बना ली। ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल के इस मुकाबले में तदेओ अलेंदे ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि मातेओ सिल्वेत्ती और टेलास्को सेगोविया ने एक-एक गोल दागा। इस जीत के साथ मियामी अगले शनिवार को अपने घरेलू मैदान फोर्ट लॉडरडेल में एमएलएस के चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी करेगा। यह फाइनल वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के विजेता — सैन डिएगो एफसी और वैंकूवर व्हाइटकैप्स — के बीच खेले जाने वाले मुकाबले के बाद तय होगा।

पिछले दौर में एफसी सिनसिनाटी को 4-0 से मात देने के बाद मियामी का आत्मविश्वास पहले ही चरम पर था, और न्यूयॉर्क के खिलाफ भी टीम ने वही धाक जमाई। अलेंदे, जिन्होंने सिनसिनाटी के खिलाफ भी दो गोल किए थे, एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी हमलावर साबित हुए।

मैच का हाल - मुकाबले की शुरुआत में ही 14वें मिनट में सर्जियो बुस्केट्स के बेहतरीन थ्रू बॉल पर अलेंदे ने न्यूयॉर्क की ऑफसाइड ट्रैप को तोड़ते हुए पहला गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद जोर्डी अल्बा के सटीक क्रॉस पर अलेंदे ने शानदार हेडर से बढ़त को 2-0 कर दिया।

37वें मिनट में न्यूयॉर्क ने मैक्सी मोरालेज़ की फ्री-किक पर जस्टिन हाक के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 कर दिया, और हाफटाइम तक मुकाबला रोमांचक बना रहा। दूसरे हाफ में न्यूयॉर्क ने बराबरी का मौका भी पाया, लेकिन इंटर मियामी के गोलकीपर रोक्को रियोस नोवो ने जूलियन फर्नांडीज़ की खतरनाक शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। इसके तुरंत बाद 67वें मिनट में मियामी ने काउंटर अटैक पर बेहतरीन मूव बनाया और मेसी की सटीक पास पर सिल्वेत्ती ने गोल दागकर स्कोर 3-1 किया। 83वें मिनट में सेगोविया ने चौथा गोल किया, और एक मिनट बाकी रहते अलेंदे ने अपनी हैट्रिक पूरी की, जिससे स्टेडियम में जश्न का माहौल छा गया।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में ओमान को 17-0 से पराजित किया

हैदराबाद। मनमीत सिंह,अर्शदीप सिंह और अर्शदीप सिंह की हैट्रिक से भारतीय टीम ने जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप बी के एक मैच में ओमान को 17-0 से हराक निया रिकार्ड बनाया। भारतीय टीम की ओर से मनमीत ने 17 वे, 26वे और 36 जबकि अर्शदीप ने चौथे, 33वें , और 40 वें मिनट में गोल दागे। वहीं दिलराज सिंह ने 29वें , 32 वें और 58वें मिनट में गोल किये जबकि अनमोल एक्का ने 29वें , अजीत यादव ने 34वें और 47वें व गुरजोत सिंह ने 39, 45 मिनट में गोल दागे।, इंगालेम्बा थौनाओजम लुवांग ने भी 43 वें, 50 और सरदा नंद तिवारी ने 55 वें मिनट में गोल किए। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम अंकतालिका में स्विट्जरलैंड से 24 गोल रहने के साथ ही नंबर एक पर है। वहीं शुरुआती क्वार्टर काफी अलग था। भारतीय टीम ने चौथे मिनट में पहले गोल किया और इसके बाद ये सिलसिला नये रखा। ओमान ने अच्छा बचाव किया पर वह भारतीय टीम का मुकाबला नहीं कर पायी। भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर के तीन मिनट के अंदर, मनमीत सिंह के जरिए दूसरा गोल कि। मनमीत ने 26वें मिनट में फिर से गोल किया, जबकि अनमोल और दिलराज ने 29वें मिनट में गोल दागा।

डब्ल्यूबीबीएल 2025 : पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची मेलबर्न स्टार्स

मेलबर्न। विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 28वें मुकाबले में शनिवार को मेलबर्न स्टार्स ने जंक्शन ओवल में खेले गए मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स पर 45 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ मेलबर्न स्टार्स ने प्वाइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। स्टार्स ने अब तक खेले गए 7 मुकाबलों में से 5 में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। दूसरी ओर मेलबर्न रेनेगेड्स ने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम ने 4 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। अंक तालिका में रेनेगेड्स वर्तमान में तीसरे स्थान पर है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न स्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 14 रन पर रिस मैककेना का विकेट गंवा दिया, जो सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुई। शुरुआती झटके के बाद मेग लैनिंग और एमी जोन्स ने मिलकर टीम को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 62 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। एमी जोन्स ने 33 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 43 रन की उपयोगी पारी खेली।

कंधे की सर्जरी के कारण जेस जोनासेन डब्ल्यूबीबीएल बाहर

मेलबर्न। विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के बीच ब्रिस्बेन हीट को बड़ा झटका लगा है। टीम की

कप्तान जेस जोनासेन दाहिने कंधे की सर्जरी के कारण बाकी टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी अनुपस्थिति में ऑलराउंडर चार्ली नॉट टीम की कप्तानी संभालेंगी। उम्मीद है कि जोनासेन करीब तीन महीने तक मैदान से दूर रहेंगी और वह विमेंस नेशनल क्रिकेट लीग के अंत तक वापसी कर सकती हैं। चार्ली नॉट नॉर्थ सिडनी ओवल में एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ मैच में पहली बार ब्रिस्बेन हीट की कप्तानी करेंगी। इस सीजन में वह टीम की उपकप्तान थीं और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ए की भी कप्तानी कर चुकी हैं। ब्रिस्बेन हीट के लिए यह सीजन अब तक बेहद खराब रहा है। टीम ने अब तक 7 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 6 में हार मिली है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे बनी हुई है। क्लब की ओर से जारी बयान में जेस जोनासेन ने कहा, 'हमने सोचा था कि फिजियो जोलांडी जैकब्स और मेडिकल टीम की निगरानी में मैं खेल सकती हूं, लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, योजना बदलनी पड़ी। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से काफी कठिन समय रहा है, लेकिन मैं मजबूत वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह सुकून देता है कि वापसी के समय मुझे घर से पूरा समर्थन मिलेगा। भले ही यह टूर्नामेंट हमारी उम्मीदों जैसा नहीं रहा, लेकिन टीम की मेहनत और जज़्बे पर मुझे गर्व है। मुझे भरोसा है कि टीम सीजन को सकारात्मक तरीके से खत्म करेगी।

भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पहले वनडे में 17 रन से हराकर तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। रविवार को रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली के शतक और रोहित शर्मा तथा केएल राहुल के अर्धशतकों की मदद से 50 ओवर में आठ विकेट खोकर 349 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 49.2 ओवर में 332 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। मेहमानों की तरफ से मैथ्यू ब्रीत्जके (72), मार्को यानसेन (70) और कॉर्बिन बॉश (67) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। भारत के लिए कुलदीप यादव ने चार विकेट लिए जबकि हर्षित राणा ने तीन सफलताएं हासिल कीं। इसके अलावा अर्शदीप को दो और प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला। अब दोनों टीमें 3 दिसंबर को रायपुर में दूसरे मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत झटकों के साथ हुई। हर्षित राणा ने पारी के दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन को बोल्ड किया। इसके बाद क्विंटन डिकॉक को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच कराया। दोनों बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। टीम को तीसरा झटका महज 11 रन के स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने दिया। उन्होंने कप्तान एडेन मार्करम को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद मोर्चा टोनी डी जॉर्जी और मैथ्यू ब्रीत्जके ने संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी हुई, जिसे कुलदीप यादव ने तोड़ा। उन्होंने जॉर्जी को एलीडब्ल्यू आउट किया। वह 35 गेंदों में 39 रन बनाकर लौटे। इसके बाद ब्रीत्जके को डेवाल्ड ब्रेविस का साथ मिला, लेकिन हर्षित राणा ने ब्रेविस को भी गायकवाड़ के हाथों कैच करा दिया। वह 27 रन बना पाए।इससे पहले यशस्वी जायसवाल ने भारत को तेज शुरुआत दिलाई थी, लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख सके और विकेट के पीछे डि कॉक को कैच थमा बैठे। इसके बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 109 गेंदों पर 136 रनों की साझेदारी हुई। रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन मार्को यानसेन ने एलबीडब्ल्यू आउट कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इस तरह रोहित और कोहली के बीच यह साझेदारी टूट गई। रोहित 51 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने 43 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 60वां पचासा पूरा किया। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस मुकाबले में अपने वनडे करियर का 52वां शतक पूरा किया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 83वां शतक है। इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली से पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था जिन्होंने टेस्ट में 51 शतक लगाए थे, लेकिन अब कोहली उनसे आगे निकल गए हैं। कोहली 294 पारियों में इस उपलब्धि पर पहुंचे हैं। कोहली वनडे प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में पहले ही सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं। सचिन के नाम वनडे में 49 शतक हैं।यह इस साल कोहली का वनडे प्रारूप में दूसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए थे। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्के की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है। सचिन और वॉर्नर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में पांच-पांच शतक लगाए हैं, जबकि कोहली इस टीम के खिलाफ वनडे में छह शतक लगा चुके हैं।

वीजा विवाद: ईरान फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल ड्रॉ का करेगा बहिष्कार

तेहरान, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

ईरान की फुटबॉल फेडरेशन ने घोषणा की है कि वह 5 दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित होने वाले फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल ड्रॉ का बहिष्कार करेगी। इसका कारण अमेरिका द्वारा ईरान प्रतिनिधिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों को वीजा देने से इनकार करना बताया गया है। फेडरेशन के प्रवक्ता आमिर मेहदी अलावी ने मीडिया को बताया कि यह निर्णय आंतरिक चर्चा, खेल एवं युवा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की सलाह के बाद लिया गया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कदम खेल भावना के खिलाफ है और उन्होंने इस मामले की जानकारी फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और अन्य अधिकारियों को भी दी है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अलावी ने बताया कि फीफा ने इस मामले को गंभीरता से लेने का वादा किया है। वीजा न मिलने के कारण फेडरेशन के अध्यक्ष और कई उच्च पदस्थ अधिकारियों पर इसका असर पड़ा है। हालांकि पुरुष टीम के हेड कोच आमिर घालेनोई और तीन अन्य सदस्यों को वीजा मिल गया है। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी और यह 19 जुलाई तक चलेगा। इस टूर्नामेंट में कुल 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार की 12 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज के बाद प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और आठ सबसे ऊंची रैंक वाली तीसरे स्थान की टीमें नॉकआउट राउंड में प्रवेश करेंगी, जिससे एक बड़ा और प्रतिस्पर्धी एलिमिनेशन फेज बनेगा।

इस बार विश्व कप का आयोजन संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होगा, जो पहली बार है कि यह टूर्नामेंट तीन देशों में खेला जाएगा। कुल 16 स्टेडियम चुने गए हैं, जिनमें से 11 अमेरिका, 3 मेक्सिको और 2 कनाडा में स्थित हैं। ईरान की टीम ने 2026 विश्व कप के लिए अपनी जगह पहले ही सुनिश्चित कर ली है। यह टीम लगातार चौथी बार विश्व कप में भाग लेगी और कुल सातवीं बार इसमें शामिल होगी। वीजा विवाद के बीच, ईरान का यह बहिष्कार फीफा और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कम्युनिटी के लिए एक बड़ी राजनीतिक और खेल संबंधी चुनौती बन गया है।

फिलीपींस में फीफा फुटसल महिला विश्वकप

फिलीपींस में फीफा फुटसल महिला विश्वकप में खेलती हुई पुर्तगाल की लीडिया मोरेरी और अन्य खिलाड़ी।

फ्लेमिंगो ने कोपा लिबर्टाडोरेस जीता, पाल्मेरास को 1-0 से हराया

लिमा, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

फ्लेमिंगो ने शनिवार को पाल्मेरास को 1-0 से हराकर कोपा लिबर्टाडोरेस का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में फ्लेमिंगो चौथी बार चैंपियन बना और यह उपलब्धि हासिल करने वाली ब्राज़ील की सबसे सफल टीम बन गई।

लिमा के एस्टादियो मोन्यूमेंटल में खेले गए इस मुकाबले में सेंटर-बैक डैनिलो के दूसरे हाफ में लगाए गए हेडर ने मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल बनाया। यह पिछले छह सीज़न में पांचवीं बार था जब फाइनल में दो ब्राज़ीलियाई क्लब आमने-सामने थे।

फ्लेमिंगो ने इस जीत के साथ 2021 के फाइनल में पाल्मेरास से मिली 1-2 की हार का बदला भी चुका लिया और 2025 में ट्रॉफियों की हैट्रिक की राह पर मज़बूती से आगे बढ़ गया है। टीम ने साल की शुरुआत ब्राज़ीलियन सुपर कप जीतकर की थी और अब घरेलू लीग खिताब पर कब्ज़ा करने के लिए केवल दो मैचों में दो अंकों की जरूरत है।

टूर्नामेंट में 2019 के बाद से फ्लेमिंगो की यह तीसरी और कुल चौथी जीत है। इसके साथ क्लब अब अर्जेंटीना के एस्तुदियान्तेस के बराबर पहुंच गया है, जबकि अर्जेंटीना के ही इंडिपेंडिएंते सात खिताबों के साथ शीर्ष पर है।

दूसरी ओर, पाल्मेरास 89वें मिनट में बराबरी का सुनहरा मौका गंवाने पर पछताता रह गया, जब विटोर रोके ने बेहद करीब से शॉट बार के ऊपर मार दिया। यह पाल्मेरास का शायद सबसे बड़ा मौका था, एक ऐसा फाइनल जिसमें 33 फाउल और सात पीले कार्ड दिखाए गए।

पहले हाफ में खेल काफी टकरावपूर्ण रहा, लेकिन बेहतर मौके फ्लेमिंगो ने ही बनाए। 15वें मिनट में ब्रूनो हेनरिक ने पहला खतरा बनाया, जिसका शॉट ऊपर चला गया। इसके बाद सामुएल लीनो ने भी बाएं फ्लैंक से काटते हुए जोरदार शॉट लगाया जो बाहर निकल गया।

पहले हाफ के दौरान एक बड़ी झड़प तब देखने को मिली जब पाल्मेरास के डिफेंडर ब्रूनो फुच्स ने जॉर्जियन डी अरास्काइता को गिरा दिया। इस पर फ्लेमिंगो के एरिक पुलगार ने आक्रामक प्रतिक्रिया देते हुए फुच्स को लात मारी, लेकिन उन्हें केवल पीला कार्ड मिला।

दूसरे हाफ में भी फ्लेमिंगो अधिक खतरनाक दिखा, हालांकि स्पष्ट मौके कम मिले। अंततः 67वें मिनट में अरास्काइता के दाएँ छोर से आए कार्नर पर डैनिलो बिना किसी दबाव के उछले और हेडर के जरिए विजयी गोल दाग दिया।

कतर ग्रां प्री: पियास्त्री ने नॉरिस को पछाड़ किया पोल पर कब्ज़ा, वेरस्टापेन तीसरे स्थान पर

दोहा, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्कर पियास्त्री ने शनिवार को कतर ग्रां प्री की क्वालिफाइंग में अपने मैकलेरन टीममेट और चैम्पियनशिप लीडर लैंडो नॉरिस को पीछे छोड़ते हुए पोल पोज़िशन अपने नाम कर ली। फ़ॉर्मूला वन की खिताबी दौड़ में शामिल शीर्ष तीन चालक ग्रिड के पहले तीन स्थानों पर रहे, जिससे रविवार को होने वाली रेस रोमांचक होने की उम्मीद है।

नॉरिस रविवार को ही चैंपियन बन सकते हैं, लेकिन अगर पियास्त्री रेस जीतते हैं तो खिताबी मुकाबला अगले सप्ताह अबू धाबी में होने वाली अंतिम रेस तक जाएगा।

मैकलेरन के फ्रंट-रो लॉकआउट के बीच रेड बुल के चार बार के विश्व चैम्पियन मैक्स वेरस्टापेन तीसरे स्थान पर रहे और क़तर में लगातार तीसरी जीत की उम्मीदों के साथ रेस में उतरेंगे।

नॉरिस का रिकॉर्ड, पियास्त्री का जवाब - नॉरिस ने अंतिम फेज़ में 1:19.495 के लाप के साथ सर्किट रिकॉर्ड तोड़ा था, लेकिन पियास्त्री ने उससे भी तेज़ 1:19.387 का समय निकालकर पोल अपने नाम किया। नॉरिस ने अंतिम प्रयास में गलती के चलते लैप छोड़ दिया।

पियास्त्री ने कहा, 'हमने कार में कोई बदलाव नहीं किया। शुरुआत से सब कुछ बेहतरीन महसूस हुआ। अगर चीज़ें ठीक चल रही हों तो उन्हें बदलने की ज़रूरत नहीं।'

नॉरिस ने माना कि उनकी कार में अंडरस्टियर था और इस कारण उन्हें अंतिम प्रयास छोड़ना पड़ा।

वेरस्टापेन की कार में उछाल की समस्या - वेरस्टापेन ने फिर से शिकायत की कि उनकी कार तेज़ रफ्तार पर बाउंस कर रही है और वे पियास्त्री के समय से 0.264 सेकंड पीछे रहे। उन्होंने कहा, 'क्वालिफाइंग थोड़ा बेहतर रहा, लेकिन अभी भी कई सीमाएँ थीं।'

ग्रिड में अन्य स्थान - जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मर्सिडीज के किमी एंटोनेली ने पाँचवां स्थान हासिल किया।

रेसिंग बुल्स के इसाक हद्जार छठे, विलियम्स के कार्लोस सैंज़ सातवें और एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो आठवें स्थान पर रहे। अल्पाइन के पियरे गैस्ली नौवें और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर दसवें स्थान पर रहे। लेक्लेर अंतिम चरण में घूम गए, जिसके बाद सैंज़ की कार से निकले मलबे को हटाने के लिए सत्र को लाल झंडी दिखानी पड़ी।

विलियम्स को सैंज़ की कार को 'अनसेफ रिलीज़' करने के चलते 5,000 यूरो का जुर्माना लगा, क्योंकि उनकी कार के रियर टायर पर फ्लोर स्टिकर्स चिपके रह गए थे।

हैमिल्टन का निराशाजनक प्रदर्शन - सात बार के विश्व चैम्पियन लुईस हैमिल्टन एक बार फिर संघर्ष करते दिखाई दिए और लगातार दूसरे सप्ताह शुरुआती चरण पार नहीं कर सके। वे 18वें स्थान पर रहे, हालांकि सॉबर के गैब्रियल बोर्तोलेतो की पाँच स्थान की पेनल्टी के कारण वे एक स्थान ऊपर आएंगे।

वेरस्टापेन को अपने साथी युकी त्सुनोडा से भी मदद मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही, क्योंकि जापानी चालक 15वें स्थान पर हैं और अगले वर्ष उनके स्थान पर हद्जार के आने की संभावना है।

यह रेस रविवार को क़तर के लुसैल सर्किट में आयोजित की जाएगी, जहां ओवरटेकिंग हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है।

मिनी डायमंड और सीएएमएस इस हफ्ते करेंगे स्टॉक स्प्लिट, निवेशकों में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

इस हफ्ते शेयर बाजार में दो प्रमुख कंपनियां मिनी डायमंड इंडिया और कम्प्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (सीएएमएस) अपने स्टॉक स्प्लिट को लेकर सुर्खियों में रहने वाली हैं। दोनों कंपनियों ने स्टॉक स्प्लिट की तारीखें तय कर दी हैं और जिन निवेशकों के पास एक्स-डेट तक शेयर मौजूद होंगे, उन्हें इस कॉर्पोरेट ऐक्शन का पूरा लाभ मिलेगा। लैब-ग्रोन डायमंड और ज्वेलरी प्रोसेसिंग से जुड़ी कंपनी मिनी डायमंड (सिक्योरिटी कोड: 523373) ने 2 दिसंबर को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। कंपनी अपने शेयर का फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर 2 रुपए करने जा रही है। इसका अर्थ है कि निवेशकों के शेयरों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन कुल निवेश की कीमत अपरिवर्तित रहेगी। आमतौर पर स्टॉक स्प्लिट के बाद शेयर की कीमत अनुपात में कम हो जाती है, जिससे छोटे निवेशकों के लिए इसमें एंट्री आसान हो जाती है।

दोनों कंपनियों ने फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर 2 रुपए करने का फैसला लिया

दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड सर्विसिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सीएएमएस (सिक्योरिटी कोड: 543232) भी इसी हफ्ते स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने 5 दिसंबर को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। सीएमएमएस भी अपने शेयर का फेस वैल्यू 10 से 2 रुपए कर रही है। पहले से लोकप्रिय इस स्टॉक में स्प्लिट के बाद ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ने की उम्मीद है। स्टॉक स्प्लिट का मुख्य उद्देश्य लिक्विडिटी बढ़ाना और शेयर कीमत को निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाना होता है। हालांकि, इससे कंपनी के मार्केट कैप में कोई बदलाव नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाला सप्ताह दोनों कंपनियों के शेयरों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। एक्स-डेट से पहले इन स्टॉक्स में गतिविधि बढ़ सकती है और निवेशकों की निगाहें स्प्लिट के बाद के भावों और वॉल्यूम पर टिकी रहेंगी।

न्यूज़ब्रीफ

अरबपतियों में शामिल वेणु श्रीनिवासन आखिर हैं कौन............

मुंबई। भारत के 100 अरबपति कारोबारियों की सूची में कई नामी उद्योगपतियों के नाम शामिल हैं। पहले और

दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी व गौतम अदाणी हैं। लेकिन क्या आप इस सूची में 50वें नंबर पर आने वाले उद्योगपति को जानते हैं, इनका नाम है वेणु श्रीनिवासन, जो भारत की तीसरी सबसे बड़ी टू व्हीलर बनाने वाली कंपनी टीवीएस मोटर के मानद चेयरमैन हैं। बात दें कि वेणु श्रीनिवासन, टाटा ट्रस्ट्स में भी शामिल हैं। फोर्ब्स की भारत के 100 अमीर कारोबारी की लिस्ट में श्रीनिवासन का नाम 50वें नंबर पर आता है। टीवीएस मोटर, टीवीएस समूह की प्रमुख कंपनी है, जिसकी स्थापना 1911 में टी.वी. सुंदरम अयंगर ने की थी, और वेणु श्रीनिवासन तीसरी पीढ़ी के सदस्य हैं। हालांकि, अब चौथी पीढ़ी के रूप में वेण श्रीनिवासन के बेटे, सुदर्शन वेणु यह फैमिली बिजनेस देख रहे हैं। उन्होंने अगस्त 2025 में टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन का कार्यभार संभाला है। 1980 के दशक में जब वेणु ने टीवीएस मोटर कंपनी, जो श्रमिक समस्याओं से जूझ रही थी और भारी वित्तीय घाटे का सामना कर रही थी, उन हालात में उन्होंने बागडोर संभाली और अपने परिवारिक कारोबार को विश्वस्तरीय उद्यम में बदल दिया।

एपिस इंडिया का बड़ा बोनस इश्यू निवेशकों के लिए खास मौका

मुंबई। एपिस इंडिया लिमिटेड (सिक्योरिटी कोड: 506166), जो हनी, फूड प्रोडक्ट्स और एफएमसीजी सेक्टर में काम करती है, इस हफ्ते अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा अवसर लेकर आ रही है। कंपनी ने 24:1 के बेहद बड़े अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि निवेशकों के पास जितने भी शेयर हैं, उन्हें हर 1 शेयर पर 24 नए बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने 5 दिसंबर को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे इस बोनस का लाभ उठा सकेंगे। बोनस इश्यू का मुख्य उद्देश्य कंपनी के मजबूत रिजर्व और वित्तीय स्थिति का संकेत देना होता है। यह निवेशकों के लिए फ्री शेयर पाने का मौका है और इसे अक्सर सकारात्मक संकेत माना जाता है। बोनस शेयर मिलने के बाद निवेशकों की होल्डिंग बढ़ जाती है, हालांकि शेयर की कीमत अपने अनुपात में एडजस्ट हो जाती है। इससे कुल वैल्यू लगभग वही रहती है, लेकिन शेयर की संख्या बढ़ने से लिक्विडिटी तेज होती है और नए निवेशकों के लिए प्रवेश आसान हो जाता है।

महिंद्रा ने नई 3-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस की लॉन्च

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने नई 3-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस को लॉन्च कर दिया

है। कंपनी ने इसे सिर्फ 19.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर पेश किया है, जो एक्सईवी 9एस से 1.95 लाख रुपये सस्ती है। इसी के साथ यह देश की पहली मास-मार्केट 3-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी बन गई है। इस ईवी की बुकिंग 14 जनवरी 2026 से शुरू होगी, जबकि डिलीवरी 23 जनवरी 2026 से दी जाएगी। टेस्ट ड्राइव की सुविधा 5 दिसंबर 2025 से उपलब्ध होगी। नई एक्सईवी 9एस, महिंद्रा के इंग्लो बॉर्न-ईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिस पर बीई रेंज और एक्सईवी 9एस भी तैयार होती है। इसका डिजाइन मॉडर्न और बोल्ड लुक देता है। इसमें क्लोज्ड ग्रिल, फुल-लेंथ डीआरएलएस, ट्रायंगुलर एलईडी हेडलैंप, 2,762 एमएम व्हीलबेस, और 219 एमएम ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। इसके साथ 527 लीटर का बूट स्पेस और 150 लीटर फ्रंक भी दिया गया है। इंटीरियर फीचर्स की बात करें तो एसयूवी में ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप, सेकेंड रो ड्यूल स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ, एआर हेड-अप डिस्प्ले, 3-रो सिटिंग, हार्मन कार्डन साउंड सिस्टम, मल्टी-कलर एम्बियंट लाइट और ऑटो पार्किंग व अडास सेफ्टी सिस्टम जैसी प्रीमियम सुविधाएँ मिलती हैं। परफॉर्मेंस के मोर्चे पर एक्सईवी 9एस बेहद दमदार है। यह 79केडब्ल्यूएच वेरिएंट में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार सिर्फ 7 सेकंड में पकड़ लेती है। एक्सईवी 9एस का मुकाबला फिलहाल बीवायडी ईमैक्स 7, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी और टाटा हैरियर ईवी से माना जा रहा है, लेकिन कीमत और 3-रो क्षमता के साथ यह सेगमेंट में एक बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। कंपनी दावा करती है कि यह ईवी सिंगल चार्ज पर 670 किलोमीटर की रेंज देगी।

भारत 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की राह पर

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत ने 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने का बड़ा लक्ष्य तय किया है, और ताज़ा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि यह लक्ष्य अब पहले से अधिक संभव नजर आ रहा है। दूसरी तिमाही के वित्त वर्ष 26 में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी दर्ज की गई, जो बताती है कि अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ रही है। भारत की मौजूदा नॉमिनल जीडीपी लगभग 4.15 ट्रिलियन डॉलर है और लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पूरे 25 साल का समय उपलब्ध है।

आर्थिक गणनाओं के अनुसार, यदि भारत लगातार 8.23 फीसदी नॉमिनल ग्रोथ रेट बनाए रखता है, तो 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर का स्तर हासिल किया जा सकता है। मौजूदा परिदृश्य में 8.2 फीसदी रियल ग्रोथ के साथ इन्फ्लेशन जोड़ने पर नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी से अधिक रहती है, यानी भारत लक्ष्य के लिए आवश्यक ग्रोथ से भी तेज़ चल रहा है। विश्लेषण बताते हैं कि अगर भारत अगले 25 वर्षों तक 8.2 फीसदी रियल ग्रोथ बनाए रखता है, तो 2050 में जीडीपी लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच सकती है। वहीं यदि नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी पर बनी रहती है, तो भारत 70 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। यहां तक कि 7 फीसदी रियल ग्रोथ की स्थिति में भी भारत आराम से 40 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

8.2 फीसदी रियल जीडीपी ग्रोथ ने बढ़ाई उम्मीदें, नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी तक पहुंची

फिर भी चुनौतियां मौजूद हैं, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, ट्रेड वॉर्स, जलवायु जोखिम, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट की धीमी गति और जॉब क्रिएशन का दबाव ग्रोथ को प्रभावित कर सकते हैं। इसके बावजूद, भारत के पास मजबूत सकारात्मक कारक हैं। पीएलआई स्कीम्स, जीएसटी सुधार, बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और आईटी व एआई सेक्टर का विस्तार भारत की आर्थिक रफ्तार को आगे बढ़ा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मैन्युफैक्चरिंग को और मजबूत करना होगा, सर्विस सेक्टर में तकनीक का अधिक उपयोग करना होगा और इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार निवेश जारी रखना होगा। साथ ही एफडीआई बढ़ाना, लेबर रिफॉर्म्स और क्लीन एनर्जी पर फोकस आगे की ग्रोथ के अहम स्तंभ होंगे।

आरबीआई पॉलिसी से पहले बैंकों ने सस्ते किए होम लोन

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति की घोषणा से ठीक पहले देशभर के बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरों में कमी कर दी है। इसका सीधा फायदा उन ग्राहकों को मिलेगा जो नया घर खरीदने या निर्माण करने के लिए किफायती फाइनेंस की तलाश में थे। मौजूदा हालात में कई बैंक न्यूनतम 7 प्रतिशत तक की सालाना ब्याज दर पर लोन उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे मासिक किस्तों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

पब्लिक सेक्टर बैंकों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने नवंबर 2025 तक के लिए 7.35 प्रतिशत की शुरुआती दरों की घोषणा की है। केनरा बैंक 7.40 प्रतिशत और देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई 7.50 प्रतिशत सालाना से ब्याज दरें ऑफर कर रहा है। एसबीआई का रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क रेट 1 अगस्त 2025 से लागू है, जिसके आधार पर ग्राहकों की क्रेडिट प्रोफाइल के मुताबिक ब्याज तय किया जाता है।

कई बैंकों ने ब्याज दरें घटाकर 7 फीसदी से शुरू कीं

दूसरी ओर, प्राइवेट सेक्टर में एचडीएफसी बैंक 7.90 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 8.35 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 8.75 प्रतिशत से होम लोन दे रहे हैं। ये सभी बैंक 30 साल तक की लंबी अवधि के साथ अधिकतम 90 प्रतिशत तक फाइनेंस उपलब्ध करा रहे हैं। सरकारी बैंकों में बैंक ऑफ बड़ौदा की पेशकश खास तौर पर आकर्षक है, जहां होम लोन 7.35 प्रतिशत से शुरू होता है और 10 करोड़ रुपये तक का लोन लिया जा सकता है। वेरिएबल रेट वाले लोन पर कोई प्रीपेमेंट चार्ज नहीं लिया जाता।

कुल मिलाकर, होम लोन की यह नई दरें घर खरीदारों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई की आगामी पॉलिसी के बाद ब्याज दरों में फिर बदलाव संभव है। इसलिए ग्राहक किसी भी फैसले से पहले संबंधित बैंक से मौजूदा दरों की पुष्टि अवश्य करें।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एआई और डेटा...

पुलिस पदक प्रदान किए। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन शहरों को भी पुरस्कार प्रदान किए। यह सम्मान शहरी पुलिस व्यवस्था में नवाचार और सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार स्थापित किया गया है।

इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, गृह राज्य मंत्री और केंद्रीय गृह सचिव ने भाग लिया। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक, साथ ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि देश भर से विभिन्न रैंकों के 700 से अधिक अधिकारी वर्चुअल माध्यम से इस सम्मेलन में शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार...

और कृषि-आधारित उत्पादकता को मजबूत किया जाएगा। तेलंगाना, जो एक प्रमुख बीज उत्पादक राज्य है, का लक्ष्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार करते हुए मूल्यवर्धन और पोषण को बढ़ाना है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार राज्य को वैश्विक शैक्षणिक संस्थानों के साथ एक ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य 2034 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, जिसका लक्ष्य राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत का योगदान देना है।

उन्होंने तेलंगाना के विकास पथ के लिए चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर के वैश्विक सफलता मॉडलों को संदर्भ के रूप में श्रेय दिया, जबकि यह भी कहा कि राज्य आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु या पड़ोसियों के साथ प्रतिस्पर्धा में नहीं है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा में है।

उन्होंने आगामी तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट की तैयारियों की भी घोषणा की, जहां निवेशकों और विचारकों को आमंत्रित किया जाएगा, और कहा कि निवेश को ट्रैक करने और निष्पादित करने के लिए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के तहत एक वॉर रूम स्थापित किया गया है।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस शासन के दो साल पूरे होने के जश्न के हिस्से के रूप में तेलंगाना राइजिंग 2047 रोडमैप तैयार किया है।

तेलंगाना राइजिंग 2047 समिट 1 से 6 दिसंबर तक तत्कालीन जिलों में आयोजित की जाएगी, जिसमें मक्थल, कोठागुडेम, हुस्नाबाद, आदिलाबाद, नरसामपेट और देवरकोंडा में कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री इन कार्यक्रमों में मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ शामिल होंगे।

7 दिसंबर को, मुख्यमंत्री प्रमुख विकास कार्यों की आधारशिला रखने और शिक्षाविदों के साथ बातचीत करने के लिए उस्मानिया विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। ग्लोबल समिट 8 और 9 दिसंबर को फ्यूचर सिटी में आयोजित किया जाएगा, जहां सरकार की दो साल की उपलब्धियां प्रस्तुत की जाएंगी, जिसके बाद 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की तेलंगाना अर्थव्यवस्था के मार्ग की रूपरेखा वाला एक विज़न डॉक्यूमेंट्री जारी किया जाएगा। विज़न लॉन्च को देखने के लिए भारत और विदेश के वैश्विक उपलब्धि हासिल करने वालों को आमंत्रित किया जाएगा।

11, 12 और 13 दिसंबर को प्रदर्शनी स्टॉल आम जनता के लिए खुले रहेंगे। समारोह के हिस्से के रूप में, वैश्विक फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी को हैदराबाद आमंत्रित किया जाएगा, जहां 13 दिसंबर को उप्पल स्टेडियम में एक विशेष मैच की योजना है।मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट का औपचारिक आमंत्रण भी जारी किया। कैबिनेट मंत्री, सरकारी सलाहकार और अधिकारी मौजूद थे।

तमिलनाडु में दो...

और उन्हें इलाज के लिए राज्य-संचालित सुविधाओं में ले जाया गया।

दुर्घटना के कारण के बारे में अधिकारी ने कहा, यह एक आमने-सामने की टक्कर थी, कारण स्पष्ट नहीं है। हम इसकी जांच कर रहे हैं।

चक्रवात दितवाह से....

पहुंचने का अनुमान है। समुद्र में खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। विभाग के अनुसार समुद्र की स्थिति 1 दिसंबर की सुबह तक धीरे-धीरे सुधर सकती है।

राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने बताया कि राज्य सरकार ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की कुल 38 टीमों को अलर्ट मोड पर रखा है। अन्य राज्यों से आई 10 अतिरिक्त टीमें भी राहत और पुनर्वास कार्य में जुटी हुई हैं।

मंत्री ने बताया कि अब तक तीन लोगों की मौत, 149 मवेशियों की मृत्यु और करीब 57 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचने की खबर है, जिससे डेल्टा जिलों के किसानों को भारी क्षति का सामना करना पड़ रहा है। तूफान के कारण हवाई और रेल सेवाओं पर भी बड़ा असर पड़ा है। चेन्नई एयरपोर्ट पर शनिवार को 35 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि रविवार को 47 उड़ानें स्थगित की गईं।

केंद्र सरकार ने रेलवे तैयारियों की समीक्षा की है और रेलवे बोर्ड से लेकर डिवीजन स्तर तक वॉर रूम सक्रिय कर दिए गए हैं। कई ट्रेनों को भी सुरक्षा कारणों से रद्द किया गया है। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका में ङ्घदितवाहफने व्यापक तबाही मचाई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक तूफान की वजह से वहां 123 लोगों की जान चली गई है और बड़े पैमाने पर जन-धन का नुकसान हुआ है।

तीन नए मिलिट्री बेस...

ढाका की विदेश नीति में चीन और पाकिस्तान की ओर झुकाव देखा जा रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश चीन से 2.2 अरब डॉलर में जे-10सी लड़ाकू विमान खरीदने की तैयारी में है, साथ ही ड्रोन निर्माण में भी चीन मदद कर रहा है। पाकिस्तान ने भी उसे जेएफ-17 ब्लॉक-सी थंडर जेट ऑफर किए हैं।

ऐसे में भारत के लिए बांग्लादेश सीमा का सैन्य दृष्टि से संवेदनशील होना स्वाभाविक है। सीधा खतरा यह है कि किसी टकराव की स्थिति में दुश्मन देश सिलिगुड़ी कॉरिडोर को निशाना बनाकर पूर्वोत्तर को बाकी भारत से अलग-थलग करने की कोशिश कर सकते हैं।

भारत ने पूर्वी सीमा पर राफेल लड़ाकू विमान, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल, और ड-400 एयर डिफेंस सिस्टम की तैनाती कर दी है। इसके साथ ही नई सैन्य संरचनाएँ सिलिगुड़ी कॉरिडोर पर 360-डिग्री सुरक्षा कवरेज प्रदान करती हैं, जिससे किसी भी तरह की घुसपैठ या खतरे की स्थिति में प्रतिक्रिया ङ्घमिनटोंफ में संभव होगी।

चोपड़ा बेस की लोकेशन ऐसी है कि भारत बांग्लादेश के भीतर तक गहराई से निगरानी रख सकता है।

ईडी ने नकली कॉल...

साथी आईटी पार्क में बिना किसी वैध अनुमति के कॉल सेंटर चलाकर अमेरिकी नागरिकों से ठगी कर रहे थे।

जांच में सामने आया कि आरोपी नेटफ्लिक्स, अमेजन, स्पेक्ट्रम, एटीएंडटी जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर झूठे टेक्निकल-सपोर्ट कॉल करते थे। वीओआईपी डायलर और रिमोट-एक्सेस टूल के माध्यम से यूएस नागरिकों को डराया जाता था कि उनके सिस्टम में तकनीकी समस्या है। इसके बाद उनसे 100 से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक की ठगी की जाती थी।

ईडी के मुताबिक, ठगी की गई राशि को जेल्ल, रेमिटली, बिटकॉइन और कैश ऐप गिफ्ट कार्ड जैसे माध्यमों से वसूला जाता था और इसके बाद हवाला चैनलों के जरिए भारत ट्रांसफर किया जाता था।

जांच में महेश शेट्ये के साथ सुरभि दुहन, ऋषभ दुहन और राहुल छूकर की भूमिका भी सामने आई।

कॉल सेंटर के कर्मचारियों ने भी महेश शेट्ये को मुख्य संचालक के तौर पर पहचाना है।

ईडी ने जांच में पाया कि यूएस से कमाए गए पीओसी को हवाला के जरिए कैश में भारत लाया गया। यह राशि पहले महेश शेट्ये के व्यक्तिगत खाते और उसकी फर्म एमएसी एंड क्रिस इंटरप्राइजेज के खाते में जमा की गई। इसके बाद उसकी मां शालिनी के बैंक खाते में फंड को जमा किया गया। बाद में इसी गैर-कानूनी कमाई का इस्तेमाल प्रॉपर्टी, कार और व्यक्तिगत खर्चों के लिए किया गया।

गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी आज

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

अगहन यानी मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 30 नवंबर को रात्रि 9:29 मिनट से शुरू होगी, वहीं एकादशी तिथि की समाप्ति 1 दिसंबर को शाम 7:01 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी का पवित्र त्योहार 1 दिसंबर को ही मनाया जाएगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मोक्षदा एकादशी को सभी एकादशियों में बहुत ही पुण्यदायी और विष्णुप्रिया एकादशी कहा गया है। इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है। कहते हैं कि इस दिन पूजन मात्र करने से श्रीहरि व्यक्ति का कल्याण कर देते हैं। जिन पितरों को मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती, इस दिन उनका तर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होने की मान्यता है।

आज सबसे खास एकादशियों में से एक मोक्षदा एकादशी है। इस तिथि पर गीता जयंती मनाई जाती है। गीता एकमात्र ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाते हैं। द्वापर युग में अगहन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इसी वजह से इस तिथि को गीता जयंती के रूप में मनाने की परंपरा है। व्रत-उपवास करने वाले लोगों के लिए एकादशी का महत्व काफी अधिक होता है। हर साल 24 एकादशियां होती हैं, लेकिन जिस साल अधिकमास भी रहता है, उस साल एकादशी 26 हो जाती हैं, जैसे इस साल सावन मास में अधिक मास आया था।

मोक्षदा एकादशी

अगहन यानी मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 30 नवंबर को रात्रि 9:29 मिनट से शुरू होगी, वहीं एकादशी तिथि की समाप्ति 1 दिसंबर को शाम 7:01 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी का पवित्र त्योहार 1 दिसंबर को ही मनाया जाएगा।

ऐसे करें गीताजी का पूजन

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि गीता जयंती के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। इसके बाद भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण स्वरूप को प्रणाम करें। फिर गंगाजल का छिड़काव करके पूजा के स्थान को साफ करें। इसके बाद वहां चौक बनाकर और चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा और श्रीमद्भागवत गीता रखें। इसके बाद भगवान कृष्ण और श्रीमद् भागवत गीता को जल, अक्षत, पीले पुष्प, धूप-दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें। इसके बाद गीता का पाठ जरूर करें।

गीता दान करने से मिलता है पुण्य

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि श्रीमद्भागवत गीता में ही इस बात का जिक्र है कि इस परम ज्ञान को दूसरो तक पहुंचाना चाहिए। ऐसा करने से पुण्य मिलता है। वहीं, कुछ ग्रंथों में भी कहा गया है कि ग्रंथ का दान महादानों में एक है। भगवान के मुख से निकले परम ज्ञान का दान करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी पर श्रीकृष्ण ने दिया था गीता का उपदेश

महाभारत युद्ध की शुरुआत में मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इसी वजह से इस ग्रंथ में कहीं भी श्रीकृष्ण उवाच नहीं लिखा है, हर जगह श्री भगवान उवाच लिखा गया है। इसका अर्थ है श्री भगवान कहते हैं। गीता जयंती की तिथि को मोक्षदा एकादशी भी कहते हैं।

सभी वेदों, उपनिषद और पुराणों का सार है गीता

श्रीमद् भागवत गीता में सभी वेद, उपनिषद और पुराणों का सार है। इस ग्रंथ का पाठ करने से और इसमें बताए गए सूत्रों को जीवन में उतारने से हमारी सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं। ग्रंथ में कर्म, भक्ति और ज्ञान मार्ग के बारे में बताया गया है। इस ग्रंथ के 18 अध्यायों में श्रीकृष्ण के उपदेश हैं। इन उपदेशों से हमारी सभी शंकाएं दूर होती हैं और हम जीवन में सफलता के साथ ही सुख-शांति भी हासिल कर सकते हैं।

जीने की कला सिखाती है गीता

गीता हमें जीने की कला सिखाती है। गीता का मूलमंत्र यह है कि हमें हर स्थिति में कर्म करते रहना है। कभी भी निष्काम न रहें, क्योंकि कर्म न करना भी एक कर्म ही है और हमें इसका भी फल जरूर मिलता है।

मोक्षदा एकादशी से जुड़ी खास बातें

इस एकादशी के व्रत-उपवास और धर्म-कर्म से व्रत करने वाले के पितरों को मोक्ष मिलता है। व्रत करने वाले व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा से सफलता और सुख-शांति मिलती है। शास्त्रों के मुताबिक, श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया था। मोक्षदा एकादशी पर गीता का पाठ करना चाहिए। अगर पूरी गीता का पाठ नहीं कर पा रहे हैं तो गीता के कुछ अध्यायों का पाठ कर सकते हैं।किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं। इस दिन किसी मंदिर में गीता ग्रंथ का दान भी कर सकते हैं।

मोक्ष की प्राप्ति: इस व्रत को करने से मृत्यु के बाद मोक्ष मिलता है और वह पुनर्जन्म के बंधन से मुक्त हो जाता है।

पितरों का उद्धार: इस व्रत के नियमों का पालन करके प्राप्त पुण्यफल को पितरों को अर्पित करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।.

गीता जयंती: मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन ही श्री कृष्ण ने महाभारत के युद्ध के दौरान अर्जुन को भगवद्गीता का ज्ञान दिया था।

पापों का नाश: यह व्रत सभी प्रकार के पापों को नष्ट करता है और जीवन में सकारात्मकता लाता है।

मनोकामनाओं की पूर्ति: इस दिन व्रत और पूजा करने से संतान, धन और विवाह जैसी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

बैकुंठ लोक की प्राप्ति: मान्यता के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से साधक को बैकुंठ लोक में स्थान प्राप्त होता है।

गीता जयंती पूजा विधि

❋ गीता जयंती के मौके पर सुबह स्नान करके घर के पूजास्थल को साफ करें इसके बाद भगवान कृष्ण की प्रतिमा स्थापित करें।

❋ इसके बाद भगवान कृष्ण के सामने घी का दीपक जलाएं। इसके बाद भगवान कृष्ण को पीले फूल, तुलसी दल, फल, पीले रंग की मिठाई आदि का भोग लगाएं।

❋ इसके बाद भगवत गीता का पाठ करें। यदि आप सारे अध्याय नहीं पढ़ रहे हैं तो कम से कम 12वें और 15वें अध्याय को जरुर पढ़ें।

❋ अब भगवान कृष्ण के मंत्रों का जप करें। इसके बाद भगवान को प्रणाम करें और पूजा में भूल चुक के लिए माफी मांगे।

भगवान कृष्ण के मंत्र

❋ कृष्णाया वासुदेवाय हरये परमात्मने प्रणतः क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः और हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे।

❋ कृं कृष्णाय नमः

❋ ॐ क्लीं कृष्णाय नमः

❋ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय:

❋ ॐ देविकानन्दनाय विधमहे वासुदेवाय धीमहि तन्नो कृष्णः प्रचोदयात:

क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नमः'।

इनमें से किसी भी मंत्र का जप आप गीता जयंती के मौके पर कम से कम 108 बार जरुर करें। ताकि आप पर भी भगवान कृष्ण की कृपा सदैव बनी रहे।

पंचमहापुरुष योग में वृषभ और सिंह समेत अन्य राशियों के जातक रहेंगे भाग्यशाली

आज यानी 1 दिसंबर दिन सोमवार है। और इसके साथ ही आज मार्गशीर्ष मास की एकादशी तिथि है जिसे मोक्षदा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस पर आज चंद्रमा का गोचर मीन राशि में हो रहा है। और गुरु की चंद्रमा पर शुभ दृष्टि होने के साथ ही गुरु और चंद्रमा के बीच राशि परिवर्तन योग भी बना है। इस उत्तम संयोग यह बना है कि गुरु और मंगल दोनों ग्रह पंचमहापुरुष राजयोग बना रहे हैं। साथ ही आज रेवती नक्षत्र के संयोग में व्यतिपात योग बना है। ऐसे में आज का दिन भगवान श्रीकृष्ण और महापुरुष राजयोग के प्रभाव से वृषभ, सिंह, कन्या, तुला और मकर राशि के जातकों के लिए बहुत ही शुभ लाभदायक रहेगा।

वृषभ राशि –आज के दिए वृषभ राशि के जातकों की कोई बड़ी महत्वाकांक्षा पूरी होगी। नौकरी में आपका दिन अनुकूल बीतेगा। सहकर्मियों से आपको सहयोग मिलेगा। अधिकारियों से भी आपका तालमेल बना रहेगा। कुछ ऐसा काम या जिम्मेदारी आपको मिल सकती है जिसे आप पाना चाहते हैं। आपके लिए करियर में उन्नति का संयोग बनेगा। आर्थिक लाभ का भी योग बना हुआ है। आपको पूर्व मे जमा किए हुए धन का भी लाभ मिल सकता है। फैमिली लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

उपाय : किसी मंदिर में गीता का दान करें।

सिंह राशि – आज का दिन सिंह राशि के जातकों के प्रभाव और सम्मान में वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको आज पिता और पैतृक पक्ष से आज लाभ मिल सकता है। किसी को दिया हुआ धन आपको वापस मिल जाएगा। आप किराना और परचून के कारोबार में अच्छी कमाई कर सकते हैं। कुछ नए संपर्क भी आपके बनेंगे जिससे आपको भविष्य में फायदा होगा। आर्थिक लाभ का योग बना हुआ है, किसी अप्रत्याशित स्रोत के माध्यम से भी आप लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आपको आज परिवार के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। पिता के मार्गदर्शन से आपको फायदा हो सकता है।

उपाय : आज आपको उपाय के तौर पर भगवान शिव का दूध से अभिषेक करना चाहिए।

कन्या राशि – कन्या राशि के लोगों के लिए आज सोमवार का दिन अत्यंत ही भाग्यशाली रहने वाला है। आपको अपने बिजनेस में आज उम्मीद से बढ़कर लाभ मिलेगा। आपका कोई बड़ा ही महत्वपूर्ण काम पूरा हो जाएगा। आपको किसी किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से फायदा हो सकता है। आप अगर बैंक से लोन लेने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपका प्रयास सफल हो सकता है। आपको सगे संबंधियों से सहयोग मिलेगा जिससे आपका पारिवारिक जीवन आज सुखद बीतेगा। नौकरी में आज का दिन आपका अनुकूल बीतेगा। आप अपने पेंडिंग काम को निपटाने में सफल होंगे। अधिकारियों से भी आपको सपोर्ट प्राप्त होगा।

उपाय : कन्या राशि के जातकों को आज दिन को अनुकूल बनाए रखने के लिए गीता के दसवें अध्याय का पाठ करना चाहिए।

तुला राशि – तुला राशि के लोगों के लिए आज दिसंबर महीने का पहला दिन भाग्यवर्धक रहने वाला है। आपकी कोई मनोकामना पूरी होगी जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आप आज किसी अनजाने व्यक्ति से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। आपको आज का दिन खुशी मनाने का आर्ज मौका देगा। आप धार्मिक और पुण्य काम में भी भाग ले सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ का मौका मिलता रहेगा। आपका अटका धन भी आपको आज मिल सकता है। लव लाइफ के मामले में आप आज भाग्यशाली रहेंगे। आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

उपाय : कन्या राशि के जातकों को आज उपाय के तौर पर श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करना चाहिए और किसी जरूरतमंद व्यक्ति को फलों का दान दें।

मकर राशि – मकर राशि के लोगों के लिए आज सोमवार का दिन अत्यंत ही लाभदायक रहेगा। आपको आज नौकरी में विरोधियों से भी सपोर्ट और सहयोग मिलेगा। आपको अधिकारियों से आज किसी बात को लेकर मार्गदर्शन और सपोर्ट मिलेगा। आपकी कोई बड़ी चाहत पूरी होगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको आज कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। आप आज फैमिली लाइफ में खुशियां पाएंगे। लव लाइफ के मामले में आज आपको प्रेमी से कोई गिफ्ट और सहयोग मिल सकता है। आपको आज बिजनेस में कमाई का अच्छा मौका मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि सरकारी क्षेत्र के काम में भी आज आपको सफलता मिल जाएगी।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर श्रीमद्भागवत गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए।

उच्च के बृहस्पति दिलाएंगे करियर में तरक्की नए साल में होगा धन लाभ

साल 2026 मीन राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से बेहद परिवर्तनकारी रहने वाला है। इस वर्ष आपको अपने प्रयासों का पूरा फल मिलेगा। हालांकि, साल की शुरुआत में रफ्तार थोड़ी धीमी रहेगी। जैसे-जैसे साल आगे बढ़ेगा आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी और करियर में नए अवसर सामने आएंगे। साल के पहले 6 महीनों में बृहस्पति आपके सुख और संपत्ति के चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे। इस अवधि में आप संपत्ति , वाहन खरीदने या किसी बड़े निवेश की योजना बना सकते हैं। ऐसे में परिवार का भी आपको पूरा समर्थन मिलेगा। कई लोगों को इस समय में पारिवारिक संपत्ति या किसी तरह की आर्थिक सहायता प्राप्त हो सकती है। यह समय दीर्घकालिक और सुरक्षित निवेश करने के लिए भी बेहद शुभ रहेगा।

मीन राशि वालों के लिए 2 जून 2026 से लेकर 31 अक्टूबर 2026 तक का समय सबसे शुभ रहने वाला है। इस दौरान बृहस्पति आपके पंचम भाव में उच्च के रहेंगे। यह समय आपकी आर्थिक प्रगति और निवेश के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। छोटे निवेश, शेयर बाजार से भी आपको लाभ मिल सकता है। हालांकि, आपको बड़े जोखिम लेने से बचना चाहिए। इस अवधि में आपको वरिष्ठों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यह समय लेखन, संगीत, कला, शिक्षा, कोचिंग, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक रहेगा। बच्चों के लिए यह समय नया सीखने और आगे बढ़ने का अवसर लेकर आएगा।

गुरु दिलाएंगे नौकरी में प्रमोशन

2026 के अंतिम दो महीनों में बृहस्पति आपकी लाभ भाव पर शुभ दृष्टि डालेंगे, जिससे आपकी आमदनी और भी बढ़ सकती है। इस अवधि में आपको अपनी शर्तों पर आसानी से लोन भी मिलने की संभावना है। कुछ लोगों को नौकरी में प्रमोशन या नए काम के अवसर मिलेंगे। यह समय अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर साबित होगा। हालांकि, इस अवधि में आपके खर्च भी बढ़ सकते हैं। इसलिए वित्तीय अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी होगा।

शनि दिलाएंगे मेहनत का पूरा फल

वहीं, नए साल में शनि आपके प्रथम भाव में स्थित रहेंगे। ऐसे में आपको घरेलू और पेशेवर दोनों मोर्चों पर अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। कार्यस्थल पर चुनौतियां बढ़ेगी और नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। जीवनसाथी और बिजनेस पार्टनर के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। हालांकि शनि की चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद इस साल आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आपकी कड़ी मेहनत धीरे-धीरे लाभ में बदलने लगेगी।

राहु-केतु दिलाएंगे कर्जों से मुक्ति

राहु पूरे साल आपके व्यय स्थान यानी बारहवें भाव में रहेंगे, जिसके कारण विदेश से जुड़े मामलों में प्रगति देखने को मिलेगी। ऐसे में आपको विदेश से लाभ मिलेगा। कुछ लोगों को विदेश में बसने या वर्क परमिट का अवसर भी मिल सकता है। हालांकि, राहु की वजह से कुछ अप्रत्याशित खर्च भी सामने आ सकते हैं। वहीं, 2026 में केतु आपके छठे भाव में रहेंगे, जिससे नौकरी में परिवर्तन की प्रबल संभावना दिख रही है। यह बदलाव आपके लिए आर्थिक रूप से भी अच्छा साबित होगा। इस दौरान पुराने कर्जों से मुक्ति और बचत में बढ़ोतरी भी इस वर्ष संभव है।

5 दिसंबर से देवगुरु बृहस्पति की फिर बदली चाल

देवगुरु बृहस्पति का व्रकी अवस्था में होना इस बात का सूचक है कि यह ग्रह व्यक्ति विशेष को पुरानी चीजों को सुधारने का मौका दे रहा है, यदि कोई पुराना निवेश, रिश्ता या कार्य अटका हुआ है, तो उसे सुलझाने के लिए यह 5 दिसंबर 2025 से समय उत्तम है। इस गोचर के दौरान इन 5 राशियों पर गुरु की विशेष कृपा रहेगी।

मेष राशि– गुरु आपके तीसरे भाव में होंगे, साहस और पराक्रम बढ़ेगा, लेकिन छोटे भाई-बहनों के साथ संबंधों पर ध्यान दें, यात्राएं अधिक हो सकती हैं।

वृष राशि– गुरु आपके दूसरे भाव यानी धन भाव में आ रहे हैं। यह समय आर्थिक रूप से शानदार रहेगा। फंसा हुआ धन वापस मिल सकता है, और वाणी में मधुरता आने से बिगड़े कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि– गुरु आपकी ही राशि यानी पहले भाव में आ रहे हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यक्तित्व में निखार आएगा, लेकिन वक्री होने के कारण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। आत्म-चिंतन के लिए अच्छा समय है।

कर्क राशि– गुरु 12वें भाव में जाएंगे। खर्चों में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह खर्च धार्मिक या शुभ कार्यों पर होगा। विदेश से जुड़े मामलों में लाभ मिल सकता है।

धनु राशि– गुरु आपके 7वें भाव में आएंगे। अगर आप विवाह योग्य हैं, तो बात पक्की हो सकती है, व्यापारिक साझेदारी में मुनाफा होगा और दांपत्य जीवन में मिठास आएगी।

सिंह राशि– गुरु आपके 11वें भाव यानी लाभ भाव में गोचर करेंगे। जन्मकुण्डली की दशा अगर आपकी सही चल रही होगी तो यह सुनहरा समय हो सकता है। आय के नए स्रोत बनेंगे, पुरानी इच्छाएं पूरी होंगी और सामाजिक दायरे का विस्तार होगा।

वृष, कुम्भ, धनु, तुला, सिंह, इन पांच राशियों पर गोचर गुरु का प्रभाव बताने के बाद अन्य राशियों पर गोचर गुरु का प्रभाव इस प्रकार रहेगा।

कन्या राशि– गुरु 10वें भाव में होंगे। करियर में बदलाव या कुछ पुराने अधूरे काम दोबारा सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत थोड़ी बढ़ सकती है, लेकिन परिणाम अच्छे मिलेंगे।

तुला राशि– गुरु आपके 9वें भाव यानी भाग्य भाव में होंगे, किस्मत का पूरा साथ मिलेगा, लंबी यात्राएं सफल होंगी और आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी, पिता या गुरु का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि– गुरु 8वें भाव में होंगे। यह समय शोध और गुप्त विद्याओं के लिए अच्छा है, स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और वाहन सावधानी से चलाएं।

मकर राशि– गुरु छठे भाव में होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी। शत्रुओं से सावधान रहें और किसी भी तरह का कर्ज लेने से बचें। पेट से जुड़ी समस्याओं का ध्यान रखें।

कुंभ राशि– गुरु आपके 5वें भाव यानी संतान और शिक्षा भाव में होंगे। छात्रों के लिए यह बेहतरीन समय है, संतान पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है और प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी।

मीन राशि– गुरु चौथे भाव में होंगे, माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, कोई भी नया कार्य करने से पहले सतर्कता अवश्य बरतें, वरना लेने के देने पड़ सकते हैं।

सटीक फलादेश के लिए गुरु के गोचर के साथ अन्य ग्रहों का गोचर तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जन्मकुण्डली तथा अपने ऊपर चलने वाली महादशा, अन्तर्दशा को ध्यान में अवश्य रखना चाहिए। गोचर में अष्टवर्ग विचार, मूर्ति निर्णय पद्धति आदि का भी विचार आवश्यक है।

सुभाष घई ने खोला पुराने दौर का राज, बोले

पैसे नहीं दिल के कनेक्शन से बनता था सदाबहार संगीत

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने 80-90 के दशक के गोल्डन म्यूजिक के पीछे का असली राज बताया। इंस्टाग्राम हैंडल पर सुभाष घई ने लिखा कि किसी फिल्म का संगीत तब तक यादगार नहीं बनता जब तक डायरेक्टर और म्यूजिक कंपोजर के बीच गहरा इमोशनल तालमेल न हो। उनका कहना है कि पैसे का लेन-देन नहीं, दिल से दिल का रिश्ता ही असली जादू लाता है। फिल्म मेकर ने बताया कि इस पोस्ट की प्रेरणा उन्हें एक वायरल रील से मिली। इसमें एक गांव की 95 साल की बुजुर्ग महिला पूरे सुर और जोश के साथ उनकी सुपरहिट फिल्म 'राम लखन' का मशहूर गाना 'बड़ा दुख दीना' गा रही थी। यह वीडियो देखकर सुभाष घई इतने भावुक हो गए कि उन्होंने तुरंत प्यारेलाल जी को वीडियो कॉल किया और पुराने दिनों को याद किया। दोनों ने उस दौर के जुनून और आपसी लगाव को याद किया। उन्होंने लिखा, डायरेक्टर और म्यूजिक कंपोजर के बीच इमोशनल तालमेल ही फिल्म में बढ़िया म्यूजिक ला सकता है। पैसे का लेन-देन नहीं। मुझे सोशल मीडिया पर एक वीडियो रील मिली जिसमें 95 साल की गांव की महिला 'बड़ा दुख दीना' गा रही थी, जिससे मुझे प्यारेलाल जी को वीडियो पर कॉल करने और 80-90 के दशक में ऐसा म्यूजिक लाने और इमोशनल जुड़ाव के बारे में बात करने की प्रेरणा मिली। हमें खुशी हुई।

सुभाष घई ने पोस्ट में प्यारेलाल के लिए प्रार्थना करते हुए लिखा, भगवान उन्हें लंबी उम्र और अच्छी सेहत दें। साथ ही उन्होंने दिवंगत लक्ष्मीकांत जी को याद करते हुए लिखा कि हम लक्ष्मीजी को भी बहुत याद करते हैं। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने सुभाष घई के साथ कई सफल फिल्मों में काम किया है। इनकी जोड़ी ने 'राम लखन' के साथ ही 'हीरो', 'खलनायक' और 'परदेस' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया।

मैं गलत पते पर आ गया हूं, इन चंद शब्दों ने बदल दी राकेश बेदी की पूरी जिंदगी

हिंदी सिनेमा में ऐसे बहुत कम कलाकार हैं, जिन्होंने हंसी के साथ-साथ सादगी को भी दर्शकों तक पहुंचाया हो। इन्हीं में से एक हैं अभिनेता राकेश बेदी, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और सहज अभिनय ने उन्हें हर पीढ़ी का पसंदीदा कलाकार बना दिया। 70 और 80 के दशक में जब मनोरंजन के साधन बेहद सीमित थे, तब दूरदर्शन के कुछ कलाकार परिवारों का हिस्सा बन चुके थे। उसी दौर में 'श्रीमान श्रीमती' के दिलरुबा, 'ये जो है जिंदगी' के राजा और 'चश्मे बद्दूर' के ओमी लोगों की रोजमर्रा की बातचीत में शामिल हो चुके थे। उन्होंने कभी मजाक में कहा था कि वह शायद गलत पते पर आ गए हैं, उस समय उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका वही वाक्य उनके जीवन की दिशा तय कर देगा। राकेश बेदी का जन्म 1 दिसंबर 1954 को दिल्ली के करोल बाग में हुआ। पिता गोपाल बेदी इंडियन एयरलाइन्स में एयरक्राफ्ट इंजीनियर थे और चाहते थे कि बेटा भी पढ़ाई में आगे बढ़े। राकेश ने अपनी शुरुआती पढ़ाई दिल्ली से की, लेकिन उनका मन पढ़ने में कम और अभिनय में अधिक था। उन्होंने कई इंटरव्यूज में बताया कि उन्हें पढ़ाई से ज्यादा मजा मंच पर किसी किरदार को निभाने में आता था।

स्कूल के दिनों में ही उन्होंने मोनो-एक्टिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था और कई पुरस्कार भी जीते। इन छोटे-छोटे मंचों पर मिलने वाली तालियों ने उनके भीतर का कलाकार जगाया, लेकिन घर पर इस फैसले का विरोध होता रहा। उनके माता-पिता चाहते थे कि वे इंजीनियरिंग करें, इसलिए उन्हें इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम देने के लिए भेजा गया। यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। परीक्षा शुरू होने के पांच मिनट बाद ही वह आंसर शीट लेकर बाहर आ गए। बाहर आकर उन्होंने परीक्षकों से सिर्फ इतना कहा, 'मैं गलत पते पर आ गया हूं।' यह सुनकर सब चौंक गए, लेकिन राकेश बेदी के लिए यही पल निर्णायक साबित हुआ।

उन्होंने अपने दिल की बात सुनी, जो उन्हें अभिनय की ओर खींच रहा था। इसी फैसले ने उन्हें पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एफटीआईआई) तक पहुंचाया। यहां उन्होंने अभिनय को गहराई से सीखा और थिएटर की दुनिया में कदम रखा। एफटीआईआई के दौरान ही उन्होंने 'लव इन पेरिस, वॉर इन कच्छ' नामक नाटक में शानदार प्रस्तुति दी।

इस प्रस्तुति ने दर्शकों में बैठे 'शोले' के निर्माता जे.पी. सिप्पी पर गहरा प्रभाव छोड़ा। सिप्पी ने वहीं खड़े होकर उन्हें अपनी फिल्म 'एहसास' में काम करने का मौका दे दिया। यह उनके लिए किसी कैम्पस प्लेसमेंट से कम नहीं था। यहीं से राकेश बेदी की फिल्मी यात्रा शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने थिएटर, फिल्मों और टीवी, तीनों ही माध्यमों में लगातार काम किया। उनका मशहूर वन-मैन शो 'मसाज' आज भी थिएटर इतिहास में दर्ज है, जिसमें उन्होंने एक ही नाटक में 24 अलग-अलग किरदार निभाए। 150 से ज्यादा फिल्मों में उन्होंने अभिनय किया, जिनमें 'चश्मे बद्दूर', 'राम तेरी गंगा मैली', 'दिल है कि मानता नहीं', 'गदर', 'उरी' और 'कूली नंबर 1' प्रमुख हैं। दूरदर्शन पर उनका जलवा और भी ज्यादा रहा। 'ये जो है जिंदगी', 'श्रीमान श्रीमती', 'यस बॉस' और बाद में 'भाबीजी घर पर हैं' जैसे सीरियल्स ने उन्हें हर उम्र के दर्शकों का पसंदीदा कलाकार बना दिया।

राकेश बेदी ने अपने करियर में टाइपकास्ट होने की चुनौती भी झेली, लेकिन उन्होंने इसे कभी कमजोरी नहीं माना। उनका कहना है कि उस दौर में फिल्मों में तय टेम्पलेट होते थे, एक हीरो, एक हीरोइन और एक खलनायक। ऐसे में उनके जैसे कलाकारों के लिए कॉमेडी ही सबसे मजबूत रास्ता था और उन्होंने इसे बेहतरीन तरीके से अपनाया। यही कारण है कि आज भी उनके किरदार लोगों की यादों में ताजा हैं।

फिल्म महासेना में हर शॉट से पहले हाथी को जलेबी खिलाते थे अभिनेता विमल

जंगलों, रहस्यमय कथाओं और प्रकृति के अद्भुत दृश्य हमेशा से ही दर्शकों को अपनी ओर खींचते रहे हैं। ऐसे में अभिनेता विमल की आने वाली फिल्म 'महासेना' दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें एक अलग दुनिया में ले जाएगी। यह फिल्म प्रकृति, आध्यात्म और मानव लालच के बीच के संघर्ष की कहानी है। फिल्म के निर्देशक धीनेश कालाइसेल्वन ने इसे सिर्फ जंगल की कहानी के रूप में नहीं, बल्कि इंसान और प्रकृति के बीच संतुलन की कहानी के रूप में पेश किया है। अभिनेता विमल ने बताया कि 'महासेना' की शूटिंग मेरे लिए एक खास और रोमांचक अनुभव रहा। उन्होंने कहा, ''फिल्म में हाथी के साथ मेरे कई सीन हैं। शुरुआत में मैं थोड़ा डरा हुआ था। मेरा डर इसलिए भी था, क्योंकि उस समय खबरें आई थीं कि तिरुचेंदूर में एक हाथी ने दो लोगों को मार दिया, लेकिन शूटिंग के दौरान हाथी का मालिक और महावत हमेशा मुझे भरोसा दिलाते रहे।'' विमल ने बताया कि हाथी को जलेबी बहुत पसंद थी, इसलिए हर सीन से पहले वह हाथी को जलेबी खिलाते थे ताकि हाथी उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करने लगे। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्माण मरुधर प्रोडक्शन्स के बैनर के तहत हुआ है। फिल्म की कहानी प्रकृति, जंगल की मिथक कथाओं और आध्यात्मिक तत्वों से गहराई से जुड़ी हुई है।

फिल्म में विमल के अलावा श्रुति डांगे, योगी बाबू, महिमा गुप्ता, जॉन विजय, कबीर दुहन सिंह, अल्फ्रेड जोस, इलक्किया और विजय सियोन जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। साथ ही हाथी 'सेना' भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। धिनेश कालाइसेल्वन ने बताया कि 'महासेना' सिर्फ जंगल की कहानी नहीं है। यह फिल्म विश्वास, शक्ति और इंसान और प्रकृति के बीच संतुलन के बारे में है।

उनका कहना है कि लालच इस दिव्य संतुलन को बिगाड़ता है, जबकि आध्यात्मिकता इसे बहाल कर सकती है। उन्होंने कहा कि हर फ्रेम में जंगल की भावनाओं और उसकी जीवंतता को दिखाया गया है। जंगल खुद ही इस फिल्म में एक जीवित चरित्र की तरह है। फिल्म की शूटिंग गुलुर, वायनाड, कोल्लिमलाई और ऊटी के घने जंगलों में की गई है।

देश में बढ़ते वायु प्रदूषण पर रवीना टंडन ने जताई चिंता

दिल्ली और दिल्ली से सटे राज्यों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बन गया है। दिवाली के बाद से ही प्रदूषण का स्तर बदलते मौसम के साथ बढ़ता जा रहा है। अब इस समस्या पर बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने चिंता जताई है और ढेर सारे पोस्ट शेयर किए हैं, जिसमें बढ़ते प्रदूषण से होने वाले शारीरिक नुकसान पर फोकस किया गया है। रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम पर बढ़ते प्रदूषण को लेकर बहुत सारे पोस्ट किए हैं, जिसमें एयर पॉल्यूशन को परमानेंट हेल्थ डैमेज बताया है। पोस्ट पर लिखा है, अगर पीएम 2.5 प्रदूषण हो और एक्यूआई 200-300 हो, तो महज घंटे भर में ये कण शरीर में जाकर फेफड़े, दिल और ब्रेन को नुकसान पहुंचाते हैं। अगर यही एक्यूआई 4 हफ्तों तक बना रहे, तो अस्थमा, श्वसन संबंधी रोग, आंखों में जलन और गले से जुड़ी परेशानी हो सकती हैं।''

पोस्ट में आगे लिखा है, अगर यही एक्यूआई 1 से 3 महीनों तक बना रहता है, तो धीरे-धीरे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है, फेफड़े की अंदरुनी परत मोटी होने लगती है, बच्चों के फेफड़ों का विकास प्रभावित होता है, और रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ जाती है। रवीना टंडन का पोस्ट डराने वाला है और यूजर्स भी एक्ट्रेस के पोस्ट पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

बात अगर देश की राजधानी दिल्ली की करें तो शनिवार को भी सुबह सात बजे एक्यूआई 338 दर्ज किया गया। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग एक्यूआई दर्ज किया गया। मौसम विभाग और एयर क्वालिटी एजेंसियों का कहना है कि आने वाले दिनों में प्रदूषण का स्तर और खराब होने वाला है, क्योंकि हवा में प्रदूषण फैलाने वाले तत्व तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रदूषण से बचने के लिए दिल्ली सरकार समेत आस-पास के बाकी राज्यों की सरकारें सख्त तरीके से कार्रवाई कर रही हैं। प्रदूषण को कम करने के लिए हवा में पानी का छिड़काव किया जा रहा है और पराली जलाने वाले किसानों पर भी जुर्माना लगाया जा रहा है। बता दें कि रवीना टंडन प्रकृति और पशु प्रेमी हैं। वे आए दिन पशुओं पर क्रूरता से बचने के लिए इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं और यूजर्स से भी अपील करती हैं कि वे पशुओं के प्रति दयालुता का भाव रखें। रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा टंडन ने पेटा इंडिया के साथ मिलकर कर्नाटक के मूडबिद्री के जैन मंदिर में एक हाथी को भेंट स्वरूप दिया था।

मीठा खाने की क्रेविंग? समीरा रेड्डी ने शेयर की हेल्दी ओट्स कुकीज की रेसिपी

अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने बीच में कुछ समय के लिए सिल्वर स्क्रीन से ब्रेक लिया था। हालांकि, वे अब फिल्म चिमनी से फिर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री अपने अभिनय के साथ फिटनेस और हेल्दी डाइट पर काफी ध्यान देती हैं और अपने प्रशंसकों को भी उसे अपनाने की सलाह देती हैं। वे सोशल मीडिया पर अक्सर फिटनेस और हेल्दी रेसिपी के वीडियो शेयर करती रहती हैं। शनिवार को भी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने हेल्दी ओट्स कुकीज की रेसिपी बताई है। इस वीडियो में उन्होंने बताया है कि आप बिना किसी गिल्ट के हेल्दी कुकीज खा सकते हैं। अभिनेत्री ने इसके बनाने की विधि कैप्शन में दी है। उन्होंने लिखा, जब भी मीठा खाने का मन करे या कुछ हेल्दी खाना चाहें, तो ये कुकीज

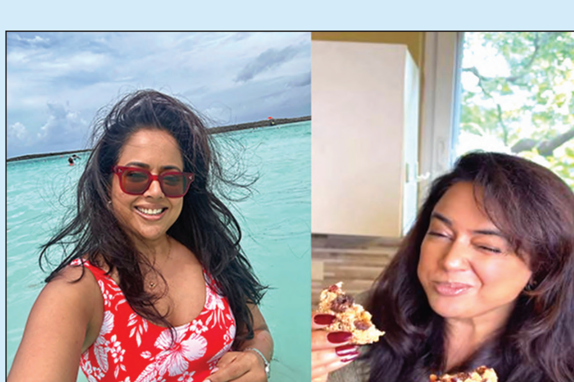

आपकी क्रेविंग भी पूरी करेंगी और सेहत का भी ध्यान रखेंगी।

उन्होंने विधि बताते हुए लिखा, इसको बनाने के लिए 100 ग्राम मैश किया हुआ केला, 45 ग्राम ओट्स, थोड़ा-सा कटे हुए खजूर और चॉकलेट चिप्स को आपस में मिला लें। आप चाहें तो 30 ग्राम प्रोटीन पाउडर भी मिला सकते हैं ताकि कुकीज और ज्यादा हेल्दी और प्रोटीन से भरपूर बन जाएं। एक बाउल में सारी सामग्री डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक बेकिंग ट्रे पर बटर पेपर लगा लें और मिश्रण को 6-8 छोटे गोल हिस्सों में रखें। हाथ से हल्का सा दबाकर कुकी का आकार दे दें। अब इसे बनाने के लिए 180ओ पर ओवन में रख दें। 15-20 मिनट तक बेक करें, जब तक कुकीज सुनहरी और अच्छी तरह पक न जाएं।

ये कुकीज सेहत के लिए फायदेमंद हैं। इनके सेवन से फाइबर, विटामिन (बी6, सी), और मिनरल्स (पोटेशियम, मैग्नीशियम) मिलते हैं, जो पाचन, हृदय स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिए फायदेमंद हैं। ये वजन घटाने में मदद कर सकती हैं क्योंकि ये लंबे समय तक पेट को भरा रखती हैं। साथ ही, ये ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और मधुमेह रोगियों के लिए भी अच्छा विकल्प हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जी–वनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 दिसंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 07:02 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 11:18 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 12:58 तक
करण : वणिज प्रातः 08:21 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 11:18 तक
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– मोक्षदा एकादशी व्रत, गीता जयंती , भद्रा प्रातः 08:21 से रात्रि 07:02 तक , पंचक समाप्त रात्रि 11:18 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

'मन की बात' प्रधानमंत्री के देशवासियों से आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक : भजनलाल

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 128वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर कैंप कार्यालय में आमजन के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि क्षेत्र में भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 357 मिलियन टन के खाद्यान्न उत्पादन का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले की तुलना में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 100 मिलियन टन और बढ़ गया है। मोदी ने कहा कि देश में डेढ़ लाख मीट्रिक टन से भी ज्यादा शहद का उत्पादन हो रहा है और शहद का निर्यात भी तीन गुना से ज्यादा बढ़ गया है। उन्होंने देश के विभिन्न इलाकों में स्थानीय लोगों एवं संस्थाओं द्वारा शहद उत्पादन की भी चर्चा की। उन्होंने कोयम्बटूर में आयोजित विशाल नैचुरल फार्मिंग सम्मेलन को भारत की प्राचीन परंपराओं का हिस्सा बताते हुए इसे

निरंतर बढ़ावा देने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने जी–20 शिखर सम्मेलन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि देशवासियों की ओर से उन्होंने विश्व के नेताओं को जो उपहार भेंट किए, उसमें वोकल फॉर लोकल की भावना का विशेष ध्यान रखा। मोदी ने बताया कि उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री को चांदी के अश्व की प्रतिकृति भेंट की जो राजस्थान के उदयपुर की बेहतरीन शिल्पकला को दर्शाती है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि वोकल फॉर लोकल की भावना को देश के करोड़ों लोगों ने अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है।

प्रधानमंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में महाभारत अनुभव केंद्र में 3डी लाइट एण्ड साउण्ड शो के माध्यम से महाभारत की गाथा के प्रस्तुतीकरण के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में यूरोप और मध्य एशिया सहित विश्व के कई देशों के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। श्री मोदी ने काशी के नमो घाट पर आयोजित होने वाले चौथे काशी–तमिल संगमम में अधिक से अधिक भागीदारी कर 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की भावना मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा आईसीसी महिला विश्व कप, महिला कबड्डी खिलाड़ियों द्वारा कबड्डी वर्ल्ड कप तथा महिला टीम द्वारा ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतना ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने डेफलिम्पिक्स तथा वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भरपूर सराहना की।

मोदी ने कहा कि 4 दिसम्बर को मनाया जाने वाला नौसेना दिवस हमारे सैनिकों के अदम्य साहस और पराक्रम को सम्मान देने का एक खास दिन है। उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न स्थानों पर नौसेना से संबंधित संग्रहालय है जहां नौसेना के इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने आईएनएस 'माहे' को भारतीय नौसेना में शामिल करने, हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन एमआरओ फैसिलिटी शुरू होने तथा स्काईरूट स्टार्टअप के इन्फिनिटी कैम्पस की स्थापना को भारत की नई सोच, इनोवेशन और युवा शक्ति का प्रतिबिम्ब बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई देशों में विन्टर टूरिज्म अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत में भी उत्तराखण्ड जैसे राज्यों में इसकी अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि हिमालय की वादियां एडवेन्चर्स गेम्स और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए प्रसिद्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश की गौरवशाली उपलब्धियों के बारे में हमें बताते हैं। वे हमेशा स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ ही देशवासियों में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को प्रबल करते हैं।

जीएनडीयू शूटर आशी चौकसे ने टीम की साथी सिफ्ट कौर को हराकर लगातार चौथा केआईयूजी गोल्ड जीता

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की आशी चौकसे ने रविवार को जगतपुरा शूटिंग रेंज में जारी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में अपनी टीम की साथी और ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा को हराकर लगातार चौथा केआईयूजी गोल्ड मेडल जीता।

केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल खेलों में मुकाबला कर रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तहत राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इन्हें होस्ट कर रही है।

23 साल की आशी (जो 2022 एशियन गेम्स की मेडलिस्ट हैं) ने 50मी फाइनल में शुरू से आखिर तक लीड किया और 462.3 पॉइंट्स के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने अपनी सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 2.7 पॉइंट्स से हराया।

असल में, आशी आखिरी चार शॉट में सिफ्ट से चार पॉइंट से ज़्यादा आगे थीं, लेकिन आखिर में उन्होंने 10 से कम के दो शॉट लगाए, लेकिन इससे उनके गोल्ड मेडल जीतने के मौके पर कोई असर नहीं पड़ा।

गोल्ड मेडल जीतने के बाद आशी ने साई मीडिया से कहा, मैं स्कोर पर बिल्कुल भी फोकस नहीं कर रही थी। मैंने पिछले तीन सालों से केआईयूजी में गोल्ड मेडल जीता था और मैंने पक्का इरादा कर लिया था कि इस बार गोल्ड नहीं गंवाना है। इसलिए मैं सिर्फ अपनी शूटिंग पर फोकस कर रही थी और सिर्फ आखिरी कुछ शॉट में ही मैंने स्कोर पर ध्यान दिया। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने 10मी एयर पिस्टल टीम में भी गोल्ड जीता, जबकि साइक्लिस्ट निया सेबेस्टियन ने महिलाओं की केरिन रेस जीतकर अपने गोल्ड मेडल की संख्या 30 कर ली। केएलईएफ यूनिवर्सिटी के मुकेश नेलावल्ली ने 10मी एयर पिस्टल इंडिविजुअल में 243.3 पॉइंट्स के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने पेरिस ओलंपिक्स के ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट सरबजोत सिंह को हराया, जिन्होंने फाइनल में 220.8 पॉइंट्स बनाकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। सिल्वर मेडल पंजाब यूनिवर्सिटी के आदित्य मालरा ने 240.2 के स्कोर के साथ जीता।

पर्यटन भवन में नवनियुक्त प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता का स्वागत

पर्यटन उद्योग से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर स्थित पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग के नवनियुक्त प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता का होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान की ओर से शनिवार को आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।उदयपुर संभाग अध्यक्ष राकेश चौधरी ने बताया कि फेडरेशन के पदाधिकारियों के साथ–साथ होटल, रिसॉर्ट, ट्रैवल और संबंधित क्षेत्र से जुड़े कई संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी गुप्ता का अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के बाद पर्यटन सेक्टर से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा हुई। कम पर्यटक संख्या वाले स्थलों को बढ़ावा देने पर जोर बैठक में सबसे पहले राजस्थान के उन पर्यटन स्थलों के प्रभावी प्रचार–प्रसार पर बात हुई, जहाँ अभी भी पर्यटकों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम है। प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि ऐसी जगहों को नई पहचान देने और मुख्य पर्यटन सर्किट में जोड़ने के लिए विशेष मार्केटिंग अभियान की जरूरत है।

राज्य की प्राचीन हवेलियों और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर भी विचार–विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान इन धरोहरों से ही है, इसलिए इनके रखरखाव के लिए योजनाबद्ध प्रयास जरूरी हैं। पर्यटन उद्योग ने डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से राजस्थान के पर्यटन स्थलों का आधुनिक, आकर्षक और वैश्विक स्तर का प्रचार अभियान शुरू करने की आवश्यकता बताई।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शक्तिपीठ मां भद्रकाली मंदिर में किया पूजन

चंडीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कुरुक्षेत्र के विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां भद्रकाली मंदिर में पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उनके साथ इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। मंदिर के पीठाधीश पंडित सतपाल महाराज ने परंपरा अनुसार उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से पूजा–अर्चना करवाई । इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने श्री शक्तिपीठ पर माथा टेका। पूजा–अर्चना के बाद पंडित सतपाल महाराज ने उपराष्ट्रपति को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन अपने कुरुक्षेत्र दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ मंदिर पहुंचे। उपराष्ट्रपति के इस दौरे ने न केवल धार्मिक माहौल को और समृद्ध किया, बल्कि कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पर भी प्रकाश डाला। मंदिर में उनकी उपस्थिति से श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि भारत की धार्मिक परंपराएं न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं, बल्कि समाज में एकता, शांति और समृद्धि के मूल्यों को भी सुदृढ़ करती हैं। मां भद्रकाली मंदिर, जिसे शक्तिपीठों में एक प्रमुख स्थान प्राप्त है, अपने ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के लिए देशभर में प्रसिद्ध है।

हरियाणा की स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं, जनता परेशान, सरकार तुरंत कदम उठाए : सैलजा

चंडीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रदेश में कभी निजी चिकित्सकों की हड़ताल, तो कभी सरकारी डॉक्टरों की पेन–डाउन स्ट्राइक ने आम जनता को गंभीर संकट में डाल दिया है। अस्पतालों में मरीज इलाज के लिए भटक रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से न तो संवेदनशीलता दिख रही है और न ही ठोस समाधान की कोई कोशिश नजर आ रही है। सरकार को तुरंत स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय करते हुए ठोस कदम उठाने चाहिए। जनता का जीवन सर्वोपरि है और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जा सकती। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में आई रिपोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग की खामियों को साफ उजागर किया है। कोविड–काल में मिले 727 वेंटिलेटरों में से करीब 30 प्रतिशत खराब पड़े हैं। कई जिलों में 15 महीने से एक भी मरीज को वेंटिलेटर सुविधा नहीं मिल सकी। करोड़ों रुपये खर्च कर मशीनें खरीद ली गईं, लेकिन न तो उनका रख–रखाव हुआ और न ही विशेषज्ञ स्टाफ नियुक्त किया गया। यह सरकार की लापरवाही का गंभीर उदाहरण है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। सरकार को तुरंत डॉक्टरों से वार्ता कर हड़ताल की स्थिति को समाप्त करना चाहिए ताकि इमरजेंसी और सामान्य दोनों तरह की सेवाएं सही ढंग से बहाल हो सकें। वेंटिलेटरों की खराब स्थिति पर तत्काल तकनीकी जांच जरूरी है और जो मशीनें अनुपयोगी पड़ी है, उनका त्वरित मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाए।

अग्रवाल वैश्य समाज की प्रेरणादायी यात्रा पंच संकल्पों के अनुरूप संगठित समाज की नई पहचान : बुवानीवाला

कैथल, 30 नवंबर (एजेंसियां)। हम कोई अस्पताल या अन्य संस्थान नहीं चलाना चाहते बल्कि नेता बनाने की फैक्ट्री चलाना चाहते हैं इसी उद्देश्य को अपना ध्येय मानकर साल 2009 में जब हमने पंच संकल्पों के साथ यात्रा शुरू की थी, तब न संसाधन थे न कोई बड़ा संगठनात्मक ढांचा। परंतु आज जब हम 17 वर्षों की यात्रा को पीछे मुडक़र देखते हैं, तो हमें गर्व होता है कि हमारे पंच संकल्प केवल विचार नहीं रहे, वे जमीन पर उतरे हैं, फल–फूल रहे हैं और समाज की नई दिशा तय करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहें हैं। ये उद्गार अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने आज कैथल की ऐतिहासिक और पावन भूमि पर आयोजित अग्रवाल वैश्य समाज के 17वें स्थापना दिवस समारोह में प्रदेशभर से आए वैश्यजनों को संबोधित करते हुए कही। महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए समारोह को वैश्यजनों के उत्साह ने ऐतिहासिक बना दिया।

एनआईटी कुरुक्षेत्र शोध व नवाचार का मजबूत स्तंभ बनकर नई ऊँचाइयाँ छूएगा : राज्यपाल

चंडीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि एनआईटी कुरुक्षेत्र, जो भारत के रिसर्च और इनोवेशन इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में तेजी से उभर रहा है, आने वाले समय में गौरव और उपलब्धियों की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष रविवार को एनआईटी कुरुक्षेत्र के 20वें दीक्षांत समारोह में युवा स्नातकों और मेडल प्राप्तकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल

हुए। नव–स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी उपलब्धियाँ विकसित भारत 2047 के उस व्यापक विज़न से गहराई से प्रेरित हैं, जिसके प्रति हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शिक्षा सुधार, डिजिटल गवर्नेंस, औद्योगिक साझेदारी और समावेशी ग्रामीण विकास को लेकर दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में एनआईटी कुरुक्षेत्र ने शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय रूपांतरण किया है। यह संस्थान अब 15 स्नातक कार्यक्रम तथा 28 स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जिनमें 17 एम.टेक, चार एम.एससी, एमबीए, एमसीए तथा इंटीग्रेटेड बी.टेक–एम.टेक सहित अन्य कार्यक्रम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्रदान करने का अवसर न रहे, बल्कि अपने ज्ञान का उपयोग विनम्रता, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ करने का एक संकल्प बने। मेरी कामना है कि आप आजीवन सीखते रहें और एक समृद्ध, समावेशी तथा सतत भारत के निर्माण में निरंतर योगदान दें, एक ऐसा भारत, जो एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के आदर्श में सच्चे मन से विश्वास करता है।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बदलते दौर में चुनौतियों का सरल व प्रभावी समाधान केवल नवाचार से संभव है।

भोजपुरी देश-विदेश की भाषा, आठवीं अनुसूची में होगी शामिल: सम्राट चौधरी

पटना/एजेंसियां।

बिहार के अमनौर में आयोजित 28वें अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भोजपुरी विश्व की समृद्ध और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं में शामिल है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सामूहिक प्रयास से भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार भोजपुरी के सम्मान, विस्तार और विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए सरकार पर लोगों के विश्वास का परिणाम है कि 2030 से पहले बिहार में ही बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। कानून व्यवस्था पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, बिहार की धरती पर कोई माफिया नहीं रहेगा। अगर रहेगा तो उसकी जगह सिर्फ जेल होगी। महिला सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेजों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी, ताकि छात्राएँ सुरक्षित माहौल में पढ़ाई कर सकें। स्थानीय विधायक कृष्ण कुमार मंटू द्वारा अमनौर को अनुमंडल बनाने की मांग पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वह इस मांग को याद रखेंगे और भविष्य में नए अनुमंडल बनने की प्रक्रिया में इसे शामिल करने पर विचार किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के बाद बंद चीनी मिलों के मुद्दे पर सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार पूरी तरह गंभीर है और बिहार की सभी बंद चीनी मिलों को चालू कराने की दिशा में काम चल रहा है। मढ़ौरा की चीनी मिल के बारे में उन्होंने कहा कि अगले एक साल में प्रक्रिया पूरी कर इसे फिर से शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में बिहार सरकार के उद्योग मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने कहा कि भोजपुरी भाषा और समाज देश विदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकास की गति जिस प्रकार बढ़ रही है, उसी प्रकार भोजपुरी भाषा को भी आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि बिहार सरकार की पहल पर भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के प्रयास तेज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भोजपुरी सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि कई देशों में बोली जाती है, इसलिए इसके उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। कार्यक्रम में मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी सरीता बुद्धु, दिल्ली के भाजपा सांसद और गायक एक्टर मनोज तिवारी, तरैया विधायक जनक सिंह, बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह, अमनौर विधायक कृष्ण कुमार मंटू, छपरा विधायक छोटी कुमारी, विधान पार्षद प्रो. डॉ. वीरेन्द्र नारायण यादव और भोजपुरी गायिकाएँ कल्पना पटवारी और अक्षरा सिंह ने भी संबोधित किया। सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. ब्रज भूषण मिश्र, महामंत्री जय जयकांत सिंह जय, स्वागत सचिव मनोज सिंह और आयोजन समिति के सचिव शिवानुग्रह नारायण सिंह ने मंच पर डिप्टी सीएम समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह का संचालन जयकांत सिंह जय और एमएलसी संजय मयूख ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद नए सत्र के लिए प्रमुख शिक्षाविद महामाया प्रसाद विनोद को सम्मेलन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्होंने कहा कि भोजपुरी भाषा का सम्मान बढ़ाने, इसके उत्थान और आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की दिशा में वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि नए लोगों को सम्मेलन से जोड़कर भोजपुरी आंदोलन को और मजबूत किया जाएगा।

कर्ज, प्यार और तनाव से परेशान युवक ने दी जान

दरभंगा/एजेंसियां।

जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के लोहारसारी मोहल्ले में शनिवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां बैंक लोन के कर्ज और निजी तनावों से परेशान एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अंकित कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बहादुरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही एफएसएल टीम ने भी जांच शुरू कर दी है। मृतक की पत्नी ममता देवी ने बताया कि उनका परिवार बहादुरपुर में नानी घर में ही रहता है। पांच दिन पहले वह अपने ससुराल कटका बच्चे का आधार कार्ड बनवाने गई थीं। रात में पति से मोबाइल पर बातचीत हुई थी, लेकिन सुबह फोन लगाने पर उनका मोबाइल बंद मिला। चिंतित होकर उन्होंने पति के दोस्त संतोष से संपर्क किया, जिन्होंने पहले बात करवाने की बात कही, लेकिन कुछ देर बाद सूचना दी कि वे तुरंत बच्चों और माता पिता के साथ पहुंचें। मौके पर पहुंचने के बाद ममता देवी ने देखा कि पति का शव फंदे से झूल रहा था। पत्नी ने यह भी खुलासा किया कि अंकित का बहेड़ी थाना क्षेत्र की एक शादीशुदा मुस्लिम महिला रुखसाना के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था। आरोप है कि महिला ने उससे लाखों रुपये भी ले रखे थे। मृतक चार बच्चों तीन बेटियां और एक बेटा का पिता था, लेकिन इसके बावजूद वह उस महिला से शादी करने की बात घर में करता था। पत्नी ने समझाने की कोशिश भी की थी कि बच्चों की शादी की उम्र हो चुकी है, लेकिन अंकित उस महिला के असर में था। इसके अलावा अंकित ने सोनाटा फाइनेंस कंपनी से 40,000 रुपये का लोन ले रखा था, जिसका दबाव उसे पिछले कई दिनों से मानसिक रूप से तोड़ रहा था। परिजनों का आरोप है कि कर्ज, प्रेम प्रसंग और लगातार बढ़ते मानसिक तनाव ने उसे आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। एफएसएल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि होगी।

हर्ष फायरिंग में दूल्हे की मौत

खगड़िया/एजेंसियां।

जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कुतुबपुर में शनिवार रात निकाह के अवसर पर हुई हर्ष फायरिंग ने खुशी का माहौल मातम में बदल दिया। वार्ड नंबर 5 निवासी मो. अमजद के यहां बारात आई थी। इसी दौरान दूल्हा मो. ईरशाद (जो मुंबई में दर्जी का काम करते थे) के गले में गोली लग गई, जिसके बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष ने घटना की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, मृतक मो. ईरशाद परिवार के मंझले बेटे थे और चुनाव से पहले ही अपनी शादी के लिए मुंबई से घर लौटे थे। बारात के दौरान अचानक हुई गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल दूल्हे को तुरंत नेक्टर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें बेगूसराय होते हुए पटना रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दूल्हे के बड़े भाई मो. शमशाद ने बताया कि गोली हर्ष फायरिंग के दौरान चली थी। वहीं मृतक की मां ने आरोप लगाया कि यह घटना जानबूझकर की गई है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले परिवार की बेटी की शादी में पड़ोसी लड़के से विवाद हुआ था, और उसी विवाद के कारण यह गोली चलाई गई। दुल्हन रुकसार के पिता मो. अमजद ने भी पड़ोसी युवक पर दूल्हे को निशाना बनाकर गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही एसएपी सह सदर डीएसपी मुकुल कुमार रंजन और मुफ्फसिल थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस सभी संभावित कोणों से जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है, वहीं परिजन रो रोकर बार बार कह रहे हैं, अल्लाह, यह क्या हो गया।

छपरा में फिर चली गोलियां, कपड़ा व्यवसायी के कर्मी से डेढ़ लाख की लूट

छपरा/एजेंसियां।

बिहार के छपरा में एक बार फिर अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक बड़े लूटकांड को अंजाम दिया है। अपराधियों ने न केवल एक कर्मचारी को गोली मारी, बल्कि सारण पुलिस को खुली चुनौती देते हुए वसूली की करीब डेढ़ लाख रुपये की रकम भी लूट ली। यह घटना शनिवार की देर शाम छपरा सिवान मुख्य मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार तीन अपराधियों ने कपड़ा व्यवसायी के कर्मी अरशद अंसारी को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद वसूली की रकम लूटकर फरार हो गए। घायल अरशद अंसारी नगर थाना क्षेत्र के छोटका तेलपा निवासी साकिर अंसारी का पुत्र है।

दाउदपुर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के अनुसार, अपराधियों की गिरफ्तारी और लूटी गई रकम की बरामदगी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बड़ी रकम लेकर यात्रा करने से पहले स्थानीय पुलिस को जरूर सूचित करें, जिससे ऐसे मामलों को रोका जा सके। घटना के संबंध में बताया गया कि अरशद अंसारी साहेबगंज पुरानी गुरहट्टी स्थित थोक कपड़ा व्यवसायी रविशंकर गुप्ता की दुकान पर काम करता है। शनिवार देर शाम वह सिवान जिले के चैनपुर और सारण जिले के रसूलपुर बाजार से उधारी की लगभग डेढ़ लाख की राशि वसूल कर अकेले बाइक से छपरा लौट रहा था। रास्ते में दाउदपुर थाना क्षेत्र के रेलवे ढाला के पास पीछे से एक बाइक पर सवार तीन हथियारबंद अपराधियों ने उसका पीछा किया और उसे जबरन रोकने का प्रयास किया। जब अरशद ने बाइक नहीं रोकी, तो अपराधियों ने फायरिंग कर दी। गोली उसके प्राइवेट पार्ट में लगी, जिससे वह बाइक समेत गिर पड़ा। इसके बाद अपराधियों ने उसका मोबाइल छीनकर पास के पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया और वसूली की गई रकम लूटकर एकमा की ओर भाग निकले। सूचना मिलते ही दाउदपुर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। बाद में एकमा अंचल के पुलिस निरीक्षक बीरेंद्र सिंह भी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल अरशद को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, छपरा रेफर कर दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और अपराधियों का सुराग लगाने के लिए छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है।

मशहूर कन्नड़ कॉमेडियन एम एस उमेश का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कैंसर से जूझ रहे मशहूर कन्नड़ कॉमेडियन एम एस उमेश का रविवार की सुबह यहां किदवई अस्पताल में निधन हो गया। कुछ दिन पहले, उमेश घर पर फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनके पैर और कूल्हे में चोट लग गई थी। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने पाया कि उन्हें कैंसर है। उनके पैर की सर्जरी के दौरान, डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि उन्हें लिवर कैंसर भी है। तब से इलाज करा रहे उमेश ने रविवार को आखिरी सांस ली। 22 अप्रैल, 1945 को मैसूरु में जन्मे उमेश कन्नड़ थिएटर और सिनेमा के पसंदीदा कॉमेडी आर्टिस्ट थे। उनके अनोखे डायलॉग, एक्सप्रेशन और कॉमिक टाइमिंग ने उन्हें कन्नड़ फिल्म दर्शकों के बीच एक खास जगह दिलाई थी। उमेश, ए एल श्रीकांतैया और नंजम्मा के बेटे थे। थिएटर की तरफ उनका झुकाव बचपन में ही शुरू हो गया था, जब उन्होंने बचपन में ही स्टेज पर एंट्री की थी। वह बच्चों के रोल बहुत ध्यान से करते थे, और सीनियर आर्टिस्ट उन्हें सीन के लिए जरूरी मूड में आने के लिए रॉक शुगर जैसी चीजें देकर हिम्मत देते थे। उनका पहला बड़ा रोल ए एन कृष्ण राव के नाटक जगज्योति बसवेश्वर में राजा बिज्जला के बेटे का था, जिसे के हिरण्याह मित्र मंडली ने स्टेज किया था। इससे पहले, वह चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर कई नाटकों में अभिनव कर चुके थे। उन्होंने गुब्बी वीरन्ना की कंपनी के साथ भी काम किया, जहां दशावतार में प्रह्लाद का रोल करने के लिए उन्हें मस्ती वेंकटेश अयंगर से 10 रुपये का इनाम मिला। गुब्बी वीरन्ना, जिन्होंने उन्हें बचपन में ट्रेन किया था, उनके शुरुआती मेंटर में से एक थे। उमेश ने एम सी महादेव स्वामी की कन्नड़ थिएटर्स कंपनी में भी चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने कई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स में भी महारत हासिल की। उन्हें मास्टर हिरणय्या के ग्रुप में पियानो प्लेयर, स्केच आर्टिस्ट और एन श्रीकांत मूर्ति की ड्रामा कंपनी में हारमोनियम प्लेयर के तौर पर पहचान मिली।

दिसंबर के पहले सप्ताह से ही बिहार में बढ़ेगी ठंड, प्रशासन अलर्ट

पटना/एजेंसियां।

बिहार में ठंड बढ़ने वाली है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि दिसंबर के पहले सप्ताह से ही तापमान में गिरावट होने लगेगी। अभी न्यूनतम पारा 13 डिग्री तक दर्ज किया गया है। अगले पांच दिनों इसमें गिरावट होगी। पारा गिरकर 11 से 12 डिग्री के बीच रहेगा। हालांकि, इस दौरान मौसम शुष्क बना रहेगा।

कुछ स्थानों पर सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। रविवार अहले सुबह से पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, खगड़िया, बेतिया, पटना के कुछ इलाकों में कोहरा देखा गया। इससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। पिछले 24 घंटें में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री मोतिहारी में दर्ज किया गया। वहीं राज्य का अधिकतम तापमान 26.0 से 29.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं पिछले सबसे ज्यादा ठंड औरंगबाद में पड़ी। यहां का न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 12.6-18.4 सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 5 दिसंबर तक बिहार के मौसम में हल्की ठंड बढ़ने के संकेत हैं। राज्य के अधिकतर हिस्सों में दिन का अधिकतम तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि उत्तर-पूर्वी जिलों में कुछ दिनों पर तापमान 28 से 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस दौरान रात के तापमान में गिरावट दिखेगी, जो अलग अलग क्षेत्रों में 10 से 16 डिग्री के बीच रहेगा। उत्तर पश्चिम और उत्तर मध्य बिहार में तापमान सामान्य रहा, जहां दिन का पारा 24 से 28 डिग्री और रात का तापमान 12 से 16 डिग्री के बीच रहा। वहीं उत्तर पूर्व बिहार में उतार चढ़ाव अधिक दिखा, जहां दो दिसंबर को अधिकतम तापमान 30 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है और न्यूनतम 16 से 18 डिग्री तक रह सकता है। दक्षिण पश्चिम बिहार में रातें सबसे ठंडी रहेंगी, जहां न्यूनतम तापमान 10 से12 डिग्री तक गिर जाएगा। दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व बिहार में अधिकतम 24 से 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 से16 डिग्री के बीच रहने का पूर्वानुमान है।

किसान के घर पर फायरिंग, जमीन विवाद में गवाही रोकने की धमकी का आरोप

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के सदर थाना क्षेत्र के पताही गांव में शनिवार देर रात बदमाशों ने किसान राकेश चौधरी के घर पर चढ़कर कई राउंड फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से पीड़ित परिवार दहशत में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

जानकारी के मुताबिक, गांव में आयोजित एक श्राद्ध भोज के दौरान पहले राकेश चौधरी को धमकी दी गई और फिर मारपीट की गई थी। स्थानीय ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद राकेश चौधरी घर लौट आए। लेकिन थोड़ी ही देर बाद उनके घर पर बदमाशों ने गोलीबारी कर दी। फायरिंग में घर की खिड़की का कांच टूट गया, जबकि रसोई की दीवार पर भी गोली के निशान मिले हैं। राकेश चौधरी के पुत्र आदित्य चौधरी ने आरोप लगाया कि जमीन के एक केस में उनके पिता की गवाही रोकने के लिए उन्हें धमकाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शाम को उनके पिता श्राद्ध भोज में गए थे, जहां पहले से हमला करने की नीयत से लोग मौजूद थे। वहां उनके पिता से मारपीट की गई और गोली मारकर हत्या की धमकी दी गई। रात में घर लौटने के कुछ ही मिनट बाद फायरिंग की आवाज सुनाई दी। घर के अंदर जाकर देखा तो खिड़की का शीशा टूटा हुआ था और बेड पर कांच बिखरा पड़ा था। घटना पर सदर थाना के एसएचओ अस्मित कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। अब तक गोली का खोखा बरामद नहीं हुआ है। बारूद की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया जाएगा। फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन मिला है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस सरकार का तुष्टीकरण ही जेल में कैदियों की शाही मेहमाननवाजी का सीधा कारण: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि कांग्रेस सरकार का तुष्टीकरण ही जेल में कैदियों को मोबाइल फोन समेत शाही मेहमाननवाजी मिलने का सीधा कारण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की देशद्रोही सोच, जो वोट बैंक की राजनीति के लिए देश की सुरक्षा से समझौता करने के लिए इतने निचले स्तर पर गिर गई है, सच में घिनौनी और माफ करने लायक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि कर्नाटक के लोग आने वाले दिनों में इस देशद्रोही कांग्रेस पार्टी को करारा सबक सिखाएंगे।

शक है कि कर्नाटक की जेलें आतंकवादियों के लिए स्लीपर सेल बन गई हैं, और 10 नवंबर को मैंने केंद्र सरकार से दखल देने और एनआईए जांच कराने का अनुरोध किया था। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी बात है कि केंद्र सरकार अब कर्नाटक की जेलों में आतंकवादियों से जुड़े कैदियों से पूछताछ को आगे बढ़ा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com